हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, बुधवार 06 अगस्त, 2025, वर्ष : 34, अंक : 132, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन, दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन हो गया है। 79 वर्षीय मलिक ने दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका लंबे समय से अस्पताल में इलाज चल रहा था। वह जम्मू-कश्मीर, मेघालय और गोवा में गर्नवर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। 11 मई को उन्हें पेशाब से जुड़ी समस्या होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह किड़नी की समस्या से जूझ रहे थे, इस वजह से उन्हें आईसीयू में शिफ्ट करना पड़ा था। वह बिहार, गोवा, मेघालय और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के पद पर रहे थे। उनके निधन पर देश के प्रमुख नेताओं ने शोक जताया है। उनको देश एक कुशल राजनीतिज्ञ के तौर पर जानता था। जब वह राज्यपाल के पद पर कार्यरत थे, तभी जम्मू-कश्मीर से धारा-370 को समाप्त किया गया था। जिस कारण से जम्मू-कश्मीर को मिलने वाला स्पेशल स्टेट्स खत्म हो गया था। इसी कारण से राज्य में आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई।

बाहुबली अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से मिली जमानत

पटना : मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है. जस्टिस चंद्रशेखर झा की अदालत ने पटना के पचमहला फायरिंग मामले में उनकी बेल को मंजूर कर लिया है. ऐसे में अब उनका जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है. औपचारिकता पूरी होने के बाद जल्द ही उनकी रिहाई हो सकती है. यह मामला 22 जनवरी 2025 का है. नौरंगा गांव के स्थानीय दबंग सोनू और मोनू के साथ उनके समर्थकों की भिड़ंत हो गई थी. असल में सोनू-मोनू ने मुकेश सिंह नाम के शख्स के घर पर ताला लगा दिया था. मुकेश उनके ईंट भट्ठे पर मुंशी का काम करता था. दोनों ने उस पर 68 लाख रुपये के गबन का आरोप लगाया था. मुकेश ने थाने में रिपोर्ट कराने के बाद अनंत सिंह से भी मदद मांगी थी. इसी मामले में जब पूर्व विधायक पहुंचे तो दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई. करीब 70 राउंड फायरिंग हुई थी. जिसके बाद 23 जनवरी 2025 को मुकेश के घर पर दोबारा गोलीबारी हुई. इस मामले में पुलिस ने मोनू को गिरफ्तार कर भागलपुर जेल भेज दिया था. वहीं गोलीबारी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके आधार पर पूर्व विधायक अनंत सिंह पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ था.

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल

रोहतक(ईएमएस)। हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर बाहर आ गया है। उसे 40 दिन की पैरोल मिली है। राम रहीम मंगलवार सुबह ही सिरसा डेरे के लिए रवाना हुआ। वह 14वीं बार पैरोल या फरलो लेकर बाहर आया है। सिरसा डेरा पहुंचने के साथ ही राम रहीम ने अपना पहला वीडियो संदेश अपने अनुयायियों के लिए भेजा है। इसमें उसने कहा कि आप लोग दर्शन करने आए, आप हर बार हमारी बात को मानते हैं तो आपसे हाथ जोडक़र प्रार्थना है कि जैसा आप लोगों को गाइड करेंगे, वैसी सेवा करनी है। आपको अपनी-अपनी जगह पर रहना है और जो सेवा कर रहे हैं, उसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई।

एनडीए सांसदों ने प्रधानमंत्री को सम्मानित किया, मोदी बोले

अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है विपक्ष

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें एनडीए सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर पीएम नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम को हार पहनाया। सांसदों ने हर-हर महादेव, भारत माता की जय के नारे लगाए। पीएम ने सांसदों को अपने संबोधन में कहा, संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके विपक्ष ने गलती की। इसमें उनकी ही फजीहत हुई। विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है। विपक्ष रोज ऐसी चर्चा कराए, हम इस फील्ड में माहिर हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, बिहार में वोटर्स लिस्ट रिविजन के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। देश की जनता सब देख रही है। पीएम ने अमित शाह की भी तारीफ की और कहा कि वे अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री हैं। एनडीए सांसदों की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव भी पास किया गया। इसमें कहा गया कि सैन्य शक्ति और मजबूत नेतृत्व के जरिए इंसाफ हुआ। भारत आतंकवाद को न तो भूलता है और न ही कभी माफ करता है।

राहुल गांधी का बेंगलुरु प्रदर्शन 8 अगस्त तक स्थगित, शिबू सोरेन के निधन पर राज्य शोक के चलते लिया फैसला

बेंगलुरु। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के खिलाफ बेंगलुरु में होने वाले प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को स्थगित कर दिया है। अब यह प्रदर्शन 5 अगस्त की जगह 8 अगस्त को किया जाएगा। यह निर्णय झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सहयोगी शिबू सोरेन के निधन के चलते राज्य में घोषित शोक को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने यह जानकारी देते हुए कहा, कि शिबू सोरेन कांग्रेस के पुराने और भरोसेमंद सहयोगी रहे हैं। मंगलवार को उनके अंतिम संस्कार के कार्यक्रम को देखते हुए पार्टी ने विरोध प्रदर्शन की तारीख आगे बढ़ा दी है। यह प्रदर्शन बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में आयोजित किया जाएगा, जिसकी अगुवाई राहुल गांधी स्वयं करेंगे। उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी इस विरोध में भाग लेंगे। यहां बताते चलें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट पर वोट चोरी हुई थी, जिससे उनकी पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि उनके पास 100 प्रतिशत सबूत हैं कि चुनाव आयोग ने वोटरों की फर्जी एंट्री की अनुमति दी, जिससे नतीजे प्रभावित हुए।

'सेल' के स्वदेशी स्टील से मजबूत हुई नौसेना, आत्मनिर्भर भारत को मिली ताकत

बोकारो। आत्मनिर्भर भारत के नए युग में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) देश की समुद्री सुरक्षा को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत की प्रमुख इस्पात उत्पादक कंपनी सेल ने हाल ही में भारतीय नौसेना के दो प्रमुख पोत, आईएनएस अजय और आईएनएस निस्तार, के लिए विशेष ग्रेड के स्टील की आपूर्ति की है। यह आपूर्ति देश के रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। आईएनएस अजय, जिसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने तैयार किया है, एक अत्याधुनिक एंटी-सबमरीन युद्धपोत है। सेल ने इसके निर्माण के लिए पूरी मात्रा में डीएमआर ग्रेड की स्टील प्लेट्स दी हैं, जो इसकी संरचनात्मक मजबूती और स्टील्थ तकनीक को सुनिश्चित करती हैं।

नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ गुरुजी को दी गई अंतिम विदाई, हेमंत सोरेन ने दी मुखाग्नि

पंचतत्व में विलीन हुए दिशोम गुरु

रामगढ़(ईएमएस)। झारखंड के पुरोधा दिशोम गुरू शिबू सोरेन पंचतत्व में विलिन हो गए। राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। हेमंत सोरेन ने पिता शिबू सोरेन को मुखाग्नि दी। दिशोम गुरु की अंतिम विदाई में हर किसी की आंखे नम थीं। शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को मंगलवार को विधानसभा में अंतिम दर्शन के बाद उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया गया। उनके अंतिम दीदार के लिए रांची से नेमरा तक लोगों ने बेसब्री से इंतजार किया। गुरुजी के चाहने वाले सुबह से ही सड़क के किनारे मौजूद थे। अंतिम विदाई देते वक्त सभी की आंखे छलक गईं। इन नम आंखों को सहसा विश्वास ही नहीं हो रहा था कि गुरूजी हमारे बीच नहीं है। अंतिम यात्रा के दौरान गांव की मिट्टी खुद भींग गई। सन्नाटे में लग रहा था हर घर, हर दीवार और हर पेड़ मानो रो रहा है। नेमरा में गुरुजी को अंतिम विदाई देने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा। नेमरा पहुंचने के बाद अंतिम विदाई से पहले पारंपरिक रीति रिवाजों को पूरा किया गया। गुरुजी की अंतिम यात्रा के समय नेमरा गांव की गलियां भी पूरी कहानी बयां कर रही थीं। वहां के ग्रामीणों ने फूल बरसाकर उन्हें अंतिम विदाई दी। पूरे गांव में शिबू सोरेन अमर रहे का नारा गूंजता रहा। बारिश के बीच भी उनके चाहने वाले डटे रहे। गुरुजी के सम्मान में झुकी हुई आंखें सबकुछ बयां कर रही थीं। सभी हाथ जोड़े खड़े रहे।किसी के पास शब्द नहीं थे। सिर्फ भाव झलक रहे थे। झारखंड की आत्मा पगडंडियों से होकर विदा हुई। आंसुओं की धुंध में गुरु जी ओझल होते हुए दिख रहे थे।

गुरुजी के अंतिम संस्कार में देश के दिग्गज नेता हुए शामिल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस केराष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रांची एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से नेमरा पहुंचे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन और सांसद पप्पू यादव के अलावा अर्जुन मुंडा, सुदेश महतो सहित झारखंड के मंत्री-विधायक से लेकर कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

विधानसभा में गुरुजी को श्रद्धांजलि दी गई

झामुमो के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झारखंड विधानसभा में श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, स्पीकर रवींद्र नाथ महतो, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांजी, मंत्री इरफान अंसारी, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मंत्री सुदिव्य सोनू, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, सांसद पप्पू यादव और केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी विधायक भी मौजूद रहे। विधानसभा परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन भी रखा गया।

रांची से नेमरा तक गूंजी वीर शिबू अमर रहे

झामुमो के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा कुछ ही देर में उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) पहुंचेगी। शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर के नेमरा पहुंचने से पहले गुरुजी की धर्मपत्नी रूपी सोरेन और कल्पना सोरेन गांव पहुंची।इधर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को रांची से नेमरा ले जाने के दौरान को झारखंड आंदोलन के पुरोधा को अंतिम विदाई देने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। दिशोम गुरु के अंतिम दीदार के लिए रांची से नेमरा तक लोगों ने बेसब्री से इंतजार किया।गुरुजी के चाहने वाले सुबह से ही सड़क के किनारे मौजूद थे। जैसे-जैसे अंतिम यात्रा आगे बढ़ती गई, लोगों ने दिशोम गुरु को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. अपने दिशोम गुरु को अंतिम विदाई देते वक्त सभी की आंखें नम थीं।रामगढ़ के गोला में गुरुजी के अंतिम दर्शन करने के लिए काफी संख्या में भीड़ उमड़ी।सभी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड आपका कर्जदार रहेगा : सीएम हेमंत

पिता को अंतिम विदाई देने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट करते हुए कहा मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया, झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया।....बाबा, अब आप आराम कीजिए... झारखंड आपका कर्जदार रहेगा। सीएम हेमंत सोरेन ने पिता के निधन पर लिखा, मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं। मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया, झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया। बाबा मेरे लिए सिर्फ पिता नहीं थे, वे मेरे विचारों की जड़ें थे, मेरे पथप्रदर्शक थे। एक जंगल जैसी छाया, जिन्होंने हजारों-लाखों झारखंडियों को अन्याय और धूप से बचाया।

बारिश में भी जमे रहे शुभचिंतक

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंतिम विदाई से पहले पारंपरिक रीति रिवाजों की प्रक्रिया पूरी की गई। इसमें नेमरा के सभी लोग शामिल थे। नेमरा की गलियां भी पूरी कहानी बयां कर रही थीं। आम से लेकर खास लोगों का जमावड़ा लगा हुआ था और सभी की आंखें नम थी।

शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को चिता पर रखने से पहले परिक्रमा कराई गई। चिता पर पार्थिव शरीर रखते ही मूसलाधार बारिश होने लगी। इसके बावजूद उनके शुभचिंतक आखिरी विदाई देने के लिए जमे रहे। शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के हेमंत सोरेन ने पिता को मुखाग्नि दी।

शिबू सोरेन को मिले भारत रत्न : इरफान अंसारी

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के बाद, उन्हें भारत रत्न देने की मांग उठी है। झारखंड सरकार में मंत्री इरफान अंसारी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह मांग कर कहा कि शिबू सोरेन क्रांतिकारी और गरीबों की आवाज़ थे, और वह इस सम्मान के सच्चे हकदार हैं। सोरेन सरकार में मंत्री अंसारी ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके निधन से एक ऐसी क्षति हुई है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। उन्होंने शिबू को एक आंदोलनकारी और गरीबों के मसीहा के रूप में याद किया। अंसारी के अलावा, बिहार के सांसद पप्पू यादव ने भी शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से भारी तबाही, चार की मौत

मलबे में दबे कई लोग

उत्तरकाशी : उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ आ गई। डीएम प्रशांत आर्य ने बताया की धराली आपदा में अब तक चार लोगों की मौत हुई है। जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकाने ध्वस्त हो चुकी है। आर्मी हर्षिल/पुलिस/एसडीआरएफ टीम भटवाड़ी के लिए रवाना हुई हैं. उत्तराखंड में

भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आज मंगलवार सुबह ही उत्तरकाशी बडकोट तहसील क्षेत्र के बनाल पट्टी में भारी अतिवृष्टि होने से चपेट में आई करीब डेढ़ दर्जन बकरियां कुड गदेरे में बह गई। कुड गदेरा उफान पर आने से अफरातफरी मच गई। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक रोहित थपलियाल ने बताया, प्रदेश भर में 10 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है। खासकर पर्वतीय इलाकों में तेज दौर की बारिश के आसार हैं। वहीं, बारिश की वजह से सुरक्षा को देखते हुए देहरादून, पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार में मंगलवार को भी स्कूल बंद रहेंगे।

सीएम धामी ने जताया दुख

धराली उत्तरकाशी क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का सीएम धामी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं। इस सम्बन्ध में लगातार वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हूं।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की याचिका पर 8 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 8 अगस्त को केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश देने की मांग याचिका पर सुनवाई करेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता ने इस याचिका को सीजेआई वीआर गवई के सामने उठाया और आग्रह किया कि इसे तय तिथि 8 अगस्त की सूची से हटाया न जाए। न्यायमूर्ति गवई ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया। यह मामला धारा 370 के निरस्तीकरण से संबंधित है, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा मिला था। यह याचिका उस पुराने मामले से जुड़ी एक मिक्स्ड एप्लिकेशन के रूप में दायर की गई है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2023 में अपने ऐतिहासिक फैसले में धारा 370 को हटाने को वैध ठहराया था। हालांकि उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की संवैधानिक वैधता पर कोई टिप्पणी नहीं की थी, क्योंकि सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को आश्वस्त किया था कि राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल किया जाएगा। कोर्ट ने उस समय कहा था कि राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए, लेकिन कोई ठोस समयसीमा तय नहीं की गई थी। इस मामले में ताजा याचिका एक कॉलेज के शिक्षक जाहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक द्वारा दायर की गई है।

शाह ने तोड़ा आडवाणी का रिकॉर्ड, 2,258 दिनों से हैं गृहमंत्री पद पर विराजमान

कांग्रेस के दिग्गज नेता गोविंद वल्लभ पंत 6 साल, 56 दिन तक रहे थे गृहमंत्री

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नया रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया। वह इस पद पर सबसे लंबे समय तक रहने वाले नेता बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी दिग्गज लालकृष्ण आडवाणी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

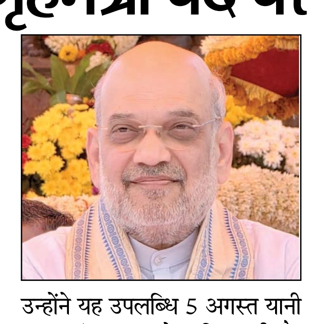

उन्होंने यह उपलब्धि 5 अगस्त यानी आज मंगलवार को हासिल की है। इसी दिन उन्होंने संसद में जम्मू और कश्मीर से धारा 370 खत्म करने का ऐलान किया था। शाह भारत के गृहमंत्री पद पर 2 हजार 258 दिनों से हैं। उन्होंने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में 30 मई 2019 को यह पद संभाला था। इसके बाद 2024 में एनडीए सरकार बनने के बाद भी वह इस पद पर बने रहे। इस पद पर आडवाणी के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता गोविंद वल्लभ पंत सबसे ज्यादा समय तक रहे थे।

धनबाद में शिक्षक ने दी बच्चे को 10 पेज गालियां लिखने की सजा

मां ने की शिकायत, स्कूल प्रबंध ने दो टीचरों को किया निलंबित

धनबाद। झारखंड के धनबाद में एक बच्चे को ऐसी सजा दी गई कि हर कोई हैरान और गुस्से में आ गया। कक्षा चार के एक बच्चे को टीचर ने 10 पेज गालियां लिखने की सजा दी। यह मामला धनबाद के संत मेरी स्कूल का है। शिक्षक पर आरोप है कि उसने बच्चे को गाली लिखने की सजा दी। बच्चे ने 10 पेज अपशब्द लिखे। कॉपी में यह लिखा देख परिजन हैरान रह गए। इसकी शिकायत स्कूल प्रबंधन और बाल संरक्षण पदाधिकारी से की। जानकारी के मुताबिक चौथी कक्षा के छात्र की कॉपी में अपशब्द लिखने पर उसकी मां स्कूल पहुंची, लेकिन तबतक स्कूल बंद हो गया था। स्कूल प्रबंधन की करतूत पर महिला गेट के पास रोने लगी। महिला को रोता देख मजार कमेटी व अन्य लोग पहुंचे। बाद में प्रिंसिपल को जानकारी दी गई। जब सुनवाई नहीं हुई तो महिला बच्चे को लेकर बाल संरक्षण पदाधिकारी के पास पहुंची और शिकायत की। महिला को कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं स्कूल प्रबंधन ने कहा कि मां ने शिकायत की है।

हत्या मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार, लंबे समय से थे फरार

जमशेदपुर : जमशेदपुर पुलिस ने हत्या मामले में फरार चार आरोपियों को गिरफ्तार पर लिया है. ये साढ़े पांच साल से भी अधिक समय से फरार थे. हत्या की घटना 20 जनवरी 2020 को परसुडीह थाना क्षेत्र के गोलपहाड़ी इलाके में हुई थी. गिरफ्तार आरोपियों में देव्रत, सुभाष, रीना और दीपा शामिल हैं. इनके खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सभी आरोपी परसुडीह के पास कहीं जाने की फिराक में हैं. सूचना के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस की टीम गठित कर छापेमारी की गई. टीम ने छापेमारी कर चारों को गिरफ्तार कर लिया. कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया.

15 अगस्त से पहले लाल किले की सुरक्षा में बड़ी चूक, 7 पुलिसकर्मी सस्पेंड

नई दिल्ली : लाल किला परिसर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे पांच बांग्लादेशियों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है. बताया गया है कि ये सभी बांग्लादेशी अवैध प्रवासी हैं. दिल्ली पुलिस के मुताबिक ये पांचों बांग्लादेशी सोमवार 4 अगस्त को लाल किला परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे. उस वक्त सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को शक हुआ तो इन सभी को हिरासत में लिया गया.

पुलिस कर रही है पूछताछ

पुलिस पूछताछ में पता चला कि ये पांचों बांग्लादेश के रहने वाले हैं और अवैध प्रवासी हैं. पुलिस के मुताबिक सभी की उम्र 20 से 25 के करीब है जो दिल्ली में लेबर

का काम करते हैं. पुलिस ने उनके पास से बांग्लादेश के कुछ डॉक्यूमेंट बरामद किए हैं. फिलहाल इनसे पूछताछ की जा रही है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिर यह लाल किला परिसर में क्यों घुस रहे थे और इनका क्या मकसद था.

15 अगस्त से पहले अलर्ट

15 अगस्त को लेकर लाल किला परिसर में सिक्योरिटी काफी टाइट है. इसे लेकर कई तरह की ड्रिल भी हो रही हैं. 15 अगस्त के दिन लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री देश को संबोधित करते हैं. यही वजह है कि अगस्त का महीना शुरू होते ही यहां कई लेयर सिक्योरिटी होती है. इस सुरक्षा में अगर चूक होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जाता है. यही वजह है कि अब लाल किले में घुसने की कोशिश कर रहे इन युवकों को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया.

डमी बम नहीं पकड़ पाए पुलिसकर्मी, सभी सस्पेंड

बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ के इस मामले के साथ ही लाल किले की सुरक्षा में चूक का एक बड़ा मामला सामने आया है. जिसमें कई पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है. इन सभी को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के मामले में सस्पेंड किया गया है. दरअसल लाल किले में 15 अगस्त को लेकर रोजाना अलग-अलग सिक्योरिटी ड्रिल होती हैं, जिसमें ये देखा जाता है कि सुरक्षा व्यवस्था कितनी पुख्ता है. इसी दौरान जब स्पेशल सेल की टीम ने सिविल ड्रेस में पहुंचकर अपने बैग में एक डमी बम रखा और अंदर घुसने की कोशिश की तो वो इसमें सफल रहे. ये लाल किले की सुरक्षा में एक बड़ी चूक थी, इसीलिए इसके लिए जिम्मेदार 7 पुलिसकर्मियों को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया.

संक्षिप्त खबरें

सारठ में 9 लाभुकों को मिला पीएम जीवन ज्योति योजना का लाभ

देवघर(ईएमएस)।देवघर जिले के सारठ के 9 लाभुकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना का लाभ दिया गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सारठ शाखा ने लाभुकों को दो-दो लाख रुपए का चेक सौंपा।इस मौके पर शाखा प्रबंधक ने लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ग्राहकों को बेहतर सेवा देना बैंक का कर्तव्य है।लाभुकों में गोविंद पंडित, आशा दिव्या, पाटन बीवी, महादेव राणा, असलम मिर्जा, रतन मिर्धा, अनीशा कुमारी, शुभम कुमार राणा, मैनेजर मंडल व शाहिदा खातून शामिल हैं।समारोह में बैंक के फील्ड ऑफिसर कृष्ण मोहन दीपक, अकाउंटेंट धीरज क्रांति खा, बैंक कर्मी विजय कुमार, नवनीत कुमार, संजय कुमार, सीएसपी संचालक संजय मंडल, जीतेंद्र प्रसाद, राहुल सिंह, अनिल कुमार मंडल, कंचन कुमार, मोहन महरा, जटाशंकर झा आदि मौजूद थे।

कोडरमा विहिप की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

कोडरमा(ईएमएस)। विश्व हिंदू परिषद कोडरमा जिला की बैठक मंगलवार को झुमरी तिलैया स्थित शिववाटिका में जिला कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश राय की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जिला मंत्री प्रदीप सिंह ने किया।इसमें प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विहिप परंपरा के अनुसार बैठक की शुरुआत तीन बार ओंकार, एकात्मता मंत्र, विजय महामंत्र और परिचय सत्र से हुई। प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने अपने संबोधन में आगामी प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन का आयोजन दुर्गावाहिनी व मातृशक्ति द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा 13-14 अगस्त को अखंड भारत संकल्प दिवस तथा 16 से 31 अगस्त तक विहिप स्थापना दिवस मनाया जाएगा।बैठक में प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख अरविंद सिंह,प्रांत सामाजिक समरसता सह प्रमुख मनोज चंद्रवंशी, प्रांत टोली सदस्य अजय कुमार बर्मा(गौ रक्षा विभाग), बजरंग दल संयोजक राजू यादव, जिला संरक्षक दीनानाथ पांडेय, सत्संग प्रमुख सतेन्द्र सिंहा, धर्म प्रसार प्रमुख विनय सिन्हा, धर्माचार्य संपर्क प्रमुख भूपेंद्र सिंह सहित दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का उद्देश्य संगठनात्मक सुदृढ़ता और आगामी कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करना रहा।

दिशोम गुरु के जाने से एक युग का अवसान : कुलपति

रांची(ईएमएस)। केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को शोधसभा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास के नेतृत्व में सभी प्राध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। कुलपति ने कहा कि दिशोम गुरु के जाने से एक युग का अवसान हो गया। उन्होंने आदिवासी समाज को जागृत किया और झारखंड राज्य की स्थापना कर राजनैतिक पहचान दी। गुरुजी ने आदिवासी समाज में सामाजिक-राजनैतिक चेतना जागृत कर उन्हें हर क्षेत्र में अपना योगदान देने के लिए आगे बढ़ाया।श्रद्धांजलि सभा में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कोसल राव, नैक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो कुंज बिहारी पंडा, डीन अकादमिक प्रो मनोज कुमार, डीन शोध और विकास प्रो एके पाढ़ी, निदेशक आईक्यूएसी प्रो आरके डे, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ एसके पांडेय, वित्त अधिकारी पीके पंडा, चीफ प्रॉक्टर डॉ अमरेंद्र कुमार सहित सभी शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

रांची से शव लेकर बेतिया जा रही एंबुलेंस की ट्रक से टक्कर, एक की मौत, तीन घायल

रांची(ईएमएस)।रांची से शव लेकर बिहार के बेतिया जा रही एक एंबुलेंस की हजारीबाग में खड़े ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना एनएच-33 पर भारत माता चौक के पास सोमवार देर रात करीब 12 बजे तब घटी, जब एंबुलेंस ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए।घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक एंबुलेंस रांची के इरबा से शाहिद अंसारी (50 वर्ष) के शव को लेकर बिहार के बेतिया जा रही थी। इसी दौरान मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित एनएच-33 पर भारत माता चौक के पास टेकओवर करने के दौरान एंबुलेंस की खड़े ट्रक से टक्कर हो गई।इस हादसे में एंबुलेंस में सवार सदरे आलम (55 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जो मृतक के अटेंडेंट के तौर पर शव के साथ जा रहे थे।वहीं एंबुलेंस चालक समेत तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों में मो. जमरूद्दीन और गुड्डू शामिल हैं. घायलों को तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया है।हादसे के बाद ट्रक चालक अपना ट्रक लेकर घटनास्थल से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन का आग्रह, प्रतिकूल आदेश पारित न करें कोर्ट

रांची(ईएमएस)।झामुमो के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया है। मंगलवार को रांची के मोरहाबादी स्थित आवास से विधानसभा तक गुरु जी की अंतिम यात्रा निकाली गई।इस दौरान विधानसभा परिसर में दिशोम गुरु को अंतिम विदाई दी गई।इधर पूर्व मुख्यमत्री शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा को लेकर रांची शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। जिसके कारण कई अधिवक्ता समय पर कोर्ट नहीं पहुंच पा रहे हैं। ऐसे में झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर चीफ जस्टिस से मंगलवार कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं करने का आग्रह किया है।हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने पत्र में लिखा है कि अगर कोई अधिवक्ता किसी मामले में पक्ष नहीं रख पा रहा है तो 5 जुलाई को सूचीबद्ध मामलों में किसी भी तरह का विपरीत आदेश पारित न किया जाए। हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष एवं महासचिव के संयुक्त हस्ताक्षर से यह आग्रह पत्र जारी किया गया है।

भैरव सिंह की जमानत याचिका पर 8 अगस्त को सुनवाई

रांची(ईएमएस)।बीजेपी सह हिंदू नेता भैरव सिंह को पार्किंग ठेकेदारी को लेकर हुए विवाद और मारपीट मामले में बीते 19 जुलाई को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार करने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया था, जहां अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।गिरफ्तार हिंदूवादी नेता ने रांची सिविल कोर्ट में अपनी जमानत को लेकर याचिका दाखिल की है, जिस पर 8 अगस्त को सुनवाई होगी।अपर न्यायायुक्त की अदालत में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होगी।इससे पहले भैरव सिंह की जमानत याचिका मजिस्ट्रेट कोर्ट खारिज कर चुका है।बता दें कि यह मामला रांची के चुटिया थाना क्षेत्र का है, जहां सुजाता चौक स्थित बिग बाजार इलाके में पार्किंग ठेकेदारी को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान सड़क पर मारपीट की घटना सामने आई, जिसमें भैरव सिंह की संलिप्तता पाई गई। इस मामले में चुटिया थाना में कांड संख्या 125/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।पुलिस ने जांच के बाद भैरव सिंह को गिरफ्तार किया।

मशरूम चुनने गई मां, बेटी और नतिनी की नाले में डूबने से मौत, पसरा मातम

पलामू(ईएमएस)।पलामू जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है, यहां मशरूम चुनने जंगल गये एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई।यह घटना मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के घोड़बंधा नाला की है, जहां मां, बेटी और नतिनी तीनों के शव तीन दिन बाद गौराहा डैम से बरामद हुईं।आशंका है कि मशरूम लेने के दौरान नाला पार करते समय तीनों पानी के तेज बहाव में बह गईं और डूबने से उनकी मौत हो गईं।मृतकों की पहचान मोहम्मदगंज के बटउआ गांव की शांति कुंवर (52 वर्ष), उनकी बेटी अंजलि कुमारी और नतिनी काजल कुमारी के रूप में हुई है।अंजलि और काजल बिहार के रोहतास जिले के काराकट थाना क्षेत्र के भरत कासवा गांव की निवासी थी।घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार की सुबह करीब 10 बजे शांति, अंजलि और काजल मशरूम चुनने के लिए जंगल गई थीं। जब वे देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की।

ट्रेन में गार्ड की अनुपस्थिति के कारण हुआ हादसा, लापरवाही यात्री ट्रेनों के लिए भी खतरा

ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल ने गार्ड के पद भरने की अपील की

धनबाद (ईएमएस)। झारखंड के धनबाद में एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने की घटना ने ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल (एआईजीसी) को सुरक्षा संबंधी चिंताएँ जाहिर करने पर मजबूर किया है। 31 जुलाई को कोडरमा और गिरिडीह के बीच हुई दुर्घटना के बाद, काउंसिल ने कहा है कि यह हादसा ट्रेन में गार्ड (ट्रेन प्रबंधक) की अनुपस्थिति के कारण हुआ। काउंसिल ने तत्काल खाली पदों को भरने की मांग कर चेतावनी दी है कि ऐसी लापरवाही यात्री ट्रेनों के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। एआईजीसी के महासचिव डी. बिस्वास ने बताया कि जब ट्रेन एक चढ़ाई पर थी, तब इंजन उसका भार नहीं खींच सका और वह पीछे की ओर खिसकने लगी। तब ट्रेन में कोई गार्ड नहीं था। लोको पायलट ने स्टेशन मास्टर को इसकी जानकारी दी, जिन्होंने पीछे से एक अतिरिक्त इंजन भेजकर मदद करने का फैसला किया। चूंकि ट्रेन एक मोड़ पर थी, इसलिए लोको पायलट ब्रेक वैन (गार्ड के लिए आखिरी कोच) की सही स्थिति नहीं बता सका। पीछे से आ रहे अतिरिक्त इंजन की टक्कर ब्रेक वैन से हो गई, जिसके कारण ट्रेन पटरी से उतर गई। काउंसिल के अनुसार, एक कुशल गार्ड अतिरिक्त इंजन को सही निर्देश दे सकता था। एआईजीसी के पूर्व महासचिव एसपी सिंह ने गार्ड की भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी ट्रेन दो स्टेशनों के बीच रुक जाती है, तब गार्ड का कर्तव्य होता है कि वह अपनी और पीछे से आ रही ट्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करे। इसके लिए गार्ड को टेल लाइट और फ्लैशर लाइट चालू करनी होती है ताकि पीछे से आ रही ट्रेन को रुकने का संकेत मिल सके। साथ ही, रेलवे नियमों के अनुसार, गार्ड को अपनी ट्रेन से 600 से 1,200 मीटर की दूरी पर डेटोनेटर लगाना होता है ताकि आने वाली ट्रेन को समय पर सतर्क किया जा सके। काउंसिल ने बताया कि भारतीय रेल में ट्रेन प्रबंधकों (गार्ड) के 27.28 प्रतिशत पद खाली हैं (31 दिसंबर 2024 तक)। इस कमी के कारण कई मंडलों में मालगाड़ियां बिना गार्ड के चल रही हैं। काउंसिल का कहना है कि यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे मालगाड़ियों के लिए गार्ड की भारी कमी हो जाती है। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल ने अभी तक काउंसिल के इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं को अधिक लोन उपलब्ध कराने के लिए सभी बैंकों और राज्य सरकारों के साथ की बैठक

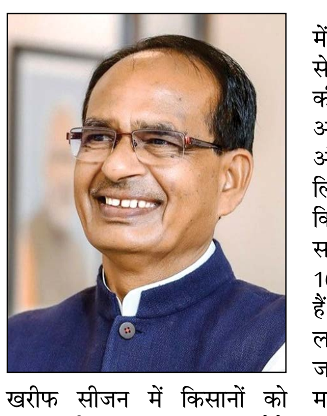

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत खरीफ सीजन में अधिक से अधिक किसानों के नामांकन के लिए और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अधिक लोन उपलब्ध कराने के लिए सभी बैंकों और राज्य सरकारों के साथ वर्चुअल बैठक ली। मंत्री ने बैंकों को निर्देश दिए कि वे महिलाओं को लोन देने पर विशेष फोकस करें और दूरदराज, दुर्गम क्षेत्रों में भी कवरेज बढ़ाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों को वित्तीय सहायता मिल सके।
कृषि मंत्री ने निर्णय लिया कि खरीफ सीजन में किसानों को फसल बीमा का सुरक्षा कवच देने के लिए 16 से 30 अगस्त तक पूरे देश में एक बड़ा अभियान चलाया जाएगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान योजना से जुड़ सकें।
शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास गति तेजी से बढ़ रही है। कृषि हमारे देश की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा। सरकार गरीब, ग्रामीण और महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि देश में लगभग 90 लाख स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनमें 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हैं। इन समूहों को अब तक 11 लाख करोड़ रुपए का लोन दिया जा चुका है। स्वयं सहायता समूह महिलाओं के सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बन चुके हैं।
शिवराज सिंह ने बैंकों की सराहना की, लेकिन साथ ही कहा कि कुछ राज्य और जिले अभी पीछे हैं। बैंकों से आग्रह किया कि वे वित्तीय समावेशन बढ़ाने और पिछड़े क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करें।
मंत्री चौहान ने जोर दिया कि सिर्फ स्वयं सहायता समूहों को ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी महिलाओं को लोन देना जरूरी है ताकि वे "लखपति दीदी" बनने के लक्ष्य को पूरा कर सकें। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूहों का एनपीए केवल 0.17% है, जो उनकी विश्वसनीयता दर्शाता है।
उन्होंने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण 10.25 लाख करोड़ रूपये को पार कर गया है। बैंकों द्वारा अब 75% ऋण किसानों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं। हालांकि कुछ शिकायतें भी आती हैं, जैसे छोटे लोन पर कोलेटरल मांगना, जिस पर मंत्री ने कड़ा निर्देश दिया कि किसानों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

माधुरी हथिनी को वापस वनतारा से मुक्त कर मांडणी जेठ मठ में भेजा जाए

अजमेर में भी जैन समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया

अजमेर (ईएमएस)। महाराष्ट्र से हथिनी माधुरी को जामनगर स्थित वनतारा में भेजने पर देशभर के जैन समाज में आक्रोश है। मंगलवार को अजमेर में भी जैन समाज ने विरोध कर जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया है। समाज ने ज्ञापन देकर माधुरी हथिनी को वापस वनतारा से मुक्त कर मांडणी जेठ मठ में भिजवाने की मांग की है।
जैन समाज के प्रतिनिधि विजय जैन ने बताया कि हाल ही में महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के मांडणी मठ से हथिनी महादेवी उर्फ माधुरी को वनतारा में भेज दिया गया। जिससे पूरे जैन समाज में भारी रोष व्याप्त है। जैन ने बताया कि माधुरी बीते 30 से भी अधिक वर्षों से मठ में पारिवारिक सदस्य के रूप में धार्मिक जीवन व्यतीत कर रही थी। भगवान की पूजा अर्चना के पश्चात ही भोजन ग्रहण करती थी। प्रत्येक बुधवार को भ्रमण करते हुए सुहागिन औरतों व बच्चों को आशीर्वाद देती थी, जिससे वहां के लोगों की भावनाएं उससे जुड़ गई थी और महादेवी के रूप में मानने लगे।
जैन ने बताया कि जैन मठ में हथिनी की सुरक्षा व जीवन यापन बहुत ही आराम से हो रहा था। स्थानीय ट्रस्टियों के द्वारा मेडिकल चेकअप भी बराबर हो रहा था। इसके बाद भी उसे वनतारा में भिजवा दिया गया। यह भावनाओं पर कुठाराघात है। भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में जैन समाज निंदा करता है। इसे लेकर जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया है।

गोवा में सेकेंड होम खरीदना गैरकानूनी नहीं, लेकिन इसके लिए जरुरी हैं ये शर्त

पणजी (ईएमएस)। गोवा में सेकेंड होम खरीदना अपने आप में गैरकानूनी नहीं है, लेकिन इसका कुछ खास तरीके से इस्तेमाल करने पर आप परेशान हो सकते हैं। अगर आप अपने सेकेंड होम को पर्यटकों को किराए पर देते हैं और सेकेंड होम को गोवा पर्यटन विभाग में रजिस्टर नहीं करवाते, तब ये गैरकानूनी माना जाएगा। दरअसल अगर आप गोवा में अपने सेकेंड होम को होमस्टे के तौर पर इस्तेमाल करते हैं और गोवा पर्यटन विभाग में रजिस्टर नहीं करते हैं, तब यह गैरकानूनी काम माना जाएगा है। पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे ने विधानसभा में इस बात पर ज़ोर दिया था कि दिल्ली और दूसरे बड़े शहरों के लोग अपने सेकेंड होम को बिना रजिस्ट्रेशन वाले होमस्टे के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे न सिर्फ गोवा सरकार को राजस्व का नुकसान होता है, बल्कि स्थानीय होटल और रजिस्टर्ड होमस्टे के कारोबार पर भी असर पड़ता है। गोवा में कुछ इलाक़ों में खेती वाली ज़मीन को रिहायशी या कमर्शियल कामों के लिए इस्तेमाल करना गैरकानूनी है। अगर आपका सेकेंड होम ऐसी जमीन पर बना है, तब यह कानून का उल्लंघन होगा। इससे आपकी संपत्ति पर क़ानूनी कार्रवाई हो सकती है।
इन दिक्कतों को देखकर गोवा सरकार ने पर्यटन को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए नए नियम बनाए हैं, जो सेकेंड होम के मालिकों पर भी लागू होते हैं। इस कानून के तहत, अनधिकृत होमस्टे पर सख़्त कार्रवाई की जाएगी। इसका उल्लंघन करने पर 5,000 से लेकर 1 लाख तक का जुर्माना लग सकता है। इतना ही नहीं गोवा पर्यटन विभाग ने पर्यटकों के लिए रजिस्टर्ड होटल या होमस्टे में ही रुकना अनिवार्य किया है। अगर कोई टूरिस्ट बिना रजिस्ट्रेशन वाले होमस्टे में रुकता है, तब होमस्टे के मालिक के साथ-साथ टूरिस्ट पर भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

भारत फिलीपींस जल्द असर दिखाने वाले प्रोजेक्ट्स की संख्या बढ़ाएंगे : पीएम मोदी

दोनों नेताओं ने एक डाक टिकट भी जारी किया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। फिलीपींस के राष्ट्रपति रोमुआल्डेज मार्कोस जूनियर भारत के 5 दिन के राजकीय दौरे पर दिल्ली पहुंचे हैं। उन्होंने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी से हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। प्रेसवार्ता के दौरान पीएम मोदी ने पहलगाम हमले की निंदा और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े रहने के लिए फिलीपींस को शुक्रिया अदा किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौते (एमओयू) साइन हुए। दोनों नेताओं ने इस दौरान एक डाक टिकट भी जारी किया। पीएम मोदी ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन किया। भारत फिलीपींस जल्द असर दिखाने वाले प्रोजेक्ट्स की संख्या बढ़ाएंगे। भारतीयों को वीजा-फ्री एंट्री देने के फैसले का स्वागत किया। भारत भी फिलीपींस के पर्यटकों को फ्री ई-वीजा की सुविधा देगा।
दिल्ली और मनीला के बीच सीधी फ्लाइट शुरू करने के लिए भी काम किया जाएगा।
फिलीपींस के डेटा क्लाउड स्ट्रक्चर के विकास में भारत मदद करेगा। फिलीपींस को अगले साल आसियान की अध्यक्षता के लिए भारत सहयोग करेगा। इसके पहले राष्ट्रपति मार्कोस ने राजघाट पर महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उनका स्वागत किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 2022 में पद संभालने के बाद राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर की यह भारत की पहली यात्रा है। वे सोमवार को भारत पहुंचे थे। उनके साथ फर्स्ट लेडी लुईस अरानेटा मार्कोस और कई मंत्रियों का हाई-लेवल डेलिगेशन भी भारत आया है।

शिबू सोरेन के निधन पर बुद्धिजीवी मंच ने किया शोक सभा का आयोजन

रामगढ़ (ईएमएस)। झारखंड निर्माता और आदिवासी समाज के नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रामगढ़ जिले के बरकाकाना में बुद्धिजीवी मंच की ओर से शोक सभा का आयोजन किया गया।नया नगर स्थित सीसीएल को-ऑपरेटिव मार्केट परिसर में लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और एक मिनट का मौन रखा।शिबू सोरेन को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद शोक सभा का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली ने की और संचालन डॉ. शाहनवाज खान ने किया। प्रदीप करमाली ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की राजनीति में शिबू सोरेन आदिवासी और मूलवासी के अधिकारों की बुलंद आवाज थे।उन्होंने आदिवासियों और मूलवासियों को एकजुट कर मान सम्मान बढ़ाने का काम किया है।वहीं डॉ शाहनवाज खान ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड राज्य निर्माण आंदोलन के नायक थे। जिस तरह महात्मा गांधी ने देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई, उसी तरह शिबू सोरेन ने झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में बड़ा योगदान दिया।उनका जीवन पूरी तरह झारखंड और यहां के लोगों के अधिकारों के लिए समर्पित था। इस अवसर पर बुद्धिजीवी मंच के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दलों से जुड़े लोग और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

गंगा और यमुना ने रौद्र रुप से उत्तर प्रदेश के 21 जिलों की 48 तहसीलों में बाढ़ के हालात

कई लोगों की गई जान, 4,000 हेक्टेयर से अधिक फसलें बर्बाद

6,500 खाद्यान्न पैकेट और 76,000 से अधिक लंच पैकेट बांटे गए

उपमुख्यमंत्री मौर्य ने किया बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण

लखनऊ,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, इससे अब तक प्रदेश के 21 जिलों की 48 तहसीलें चपेट में आ चुकी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश के बाद प्रशासन हालात पर लगातार नजर रखे हुए है। राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टीमें पूरी तरह से सतर्क कर दी गई हैं। प्रदेश के 57 जिलों में एनडीआरएफ की 14, एसडीआरएफ की 15 और पीएसी की 48 टीमें तैनात की गई हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।
वहीं यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, आज मैंने प्रयागराज में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद मैं नाव से भी सर्वेक्षण करूँगा। इस बार बाढ़ 2013 की बाढ़ के स्तर को पार कर रही है। गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।
वाराणसी में लगातार बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से नमो घाट जलमग्न हो गया है।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ की स्थिति की समीक्षा कर कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राहत कार्यों के तहत अब तक 493 नावों और मोटरबोट्स से मदद पहुंची है। 6,500 खाद्यान्न पैकेट और 76,000 से अधिक लंच पैकेट बांटे गए हैं। बाढ़ से प्रभावित उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। सरकार राहत कार्यों में पूरी तरह जुटी हुई है, लेकिन अभी भी हजारों लोग मदद का इंतजार कर रहे हैं। बारिश और बाढ़ के कारण अब तक कई हादसे हो चुके हैं। सीतापुर, हरदोई, बलिया, वाराणसी और अमेठी में दीवार गिरने और डूबने की घटनाओं में कई लोगों की मौत हो चुकी है। कुल 343 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 4,000 हेक्टेयर से अधिक फसलें बर्बाद हो चुकी हैं।
रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक आठ लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं, जबकि हजारों लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं। प्रभावित जिलों में बाढ़ राहत शिविरों की स्थापना की गई है, जहां हजारों लोग शरण ले चुके हैं। कई इलाकों में गांवों और मोहल्लों का संपर्क पूरी तरह से टूट चुका है।
यूपी सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं, जिसमें कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाजीपुर, मिर्जापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा, फतेहपुर, भदोही, फर्रुखाबाद, और कासगंज शामिल हैं। सभी प्रभावित जिलों में राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

गुरुजी का निधन भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है : डॉ अमरेन्द्र यादव

दुमकाःझारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष डॉ अमरेन्द्र कुमार यादव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है।शिबू सोरेन जी एक महान नेता थे, जिन्होंने झारखंड के विकास और आदिवासी समुदायों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका जाना भारतीय राजनीति में अपूरणीय क्षति है। उनकी राजनीतिक यात्रा और सामाजिक योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। शिबू सोरेन जी के परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

बासुकिनाथ मंदिर परिसर स्थित झूलन मंदिर में पांच दिवसीय झूलनोत्सव प्रारंभ

दुमकाःसावन माह के शुक्लपक्ष एकादशी तिथि मंगलवार से बासुकिनाथ मंदिर परिसर स्थित झूलन मंदिर में पांच दिवसीय झूलनोत्सव प्रारंभ हो गया है। झूलनोत्सव के पावन अवसर पर झूलन मंदिर को फूलों से आकर्षक और मन भावन तरीके से सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया है। ठाकुरबाड़ी के पुजारी पंडित राजेश झा(सारंग बाबा) ने बताया कि लगभग सात दशक से झूलन मंदिर में प्रत्येक वर्ष सावन के पावन महीना के शुक्लपक्ष एकादशी तिथि से सावन पुर्णिमा तक झूलन मंदिर में श्रीकृष्ण एवं राधा रानी को पीतल से निर्मित झूले में झुलाया जाता है।इस अवसर पर प्रत्येक दिन नगर निवासियों और आगंतुक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ झूलन मंदिर में उमड़ती है।हालांकि सावन के महीने में नगर निवासियों को बिना पास का मंदिर परिसर में प्रवेश करने नहीं दिया जाता है। जिससे नगर निवासी झूलनोत्सव में भाग नहीं ले पाते हैं। जिसका मलाल बासुकिनाथ के सभी नगर निवासियों को रह जाता है। संध्या आरती के बाद झूलन मंदिर में प्रसाद वितरण किया जाता है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए लायंस क्लब दुमका के अध्यक्ष सतीश कुमार

दुमकाःलायंस क्लब दुमका के अध्यक्ष सतीश कुमार, झामुमो नेता कुणाल सिंह उर्फ झुन्नू, डॉ विपुल मंडल,नंद किशोर सिंह, टुनटुन एवं फ्रांसिस मुर्मू झारखंड के पूर्व सीएम एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। झारखंड आंदोलन के पुरोधा शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया था। मंगलवार को उनके पैतृक गांव नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने राज्य के कोने-कोने से उनके चाहने वाले नेमरा पहुंचे थे।अंतिम संस्कार में शामिल होने नेमरा पहुंचे लायंस क्लब दुमका के अध्यक्ष सतीश कुमार ने कहा कि झारखंड के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है।कहा कि उनका जाना एक युग का अंत है।सतीश कुमार ने कहा कि शिबू सोरेन गरीब शोषितों के रहनुमा थे। वे झारखंड आंदोलन के पुरोधा के साथ साथ हम सभी झारखंड वासियों के अभिभावक थे, हमलोगों ने अपना अभिभावक खो दिया।उनका मार्गदर्शन हमेशा हमलोगों का पथ प्रशस्त करेगा।राज्य का मुख्यमंत्री रहते उन्होंने सभी वर्गों के कल्याण, रोजगार, शिक्षा और अधिकारों की लड़ाई लड़ी।मौके पर कुणाल सिंह ने कहा कि सामाजिक चेतना और संघर्ष की जो विरासत उन्होंने छोड़ी है वह झारखंड के इतिहास में सदैव जीवित रहेगी।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

दुमकाःपूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो के पार्टी कार्यालय गोपीकांदर में मंगलवार को शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई। जिसका नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष संतोष मरांडी ने किया। स्वर्गीय गुरुजी का निधन होने से प्रखंड वासियों को गहरा दुःख हुआ है।अवसर पर स्वर्गीय शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया गया। उसकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। साथ ही शिबू सोरेन अमर रहे का नारा भी लगाया गया। शोक सभा में गुरुजी के आदर्श पर चलने तथा उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। साथ ही समाज में सभी वर्गों को साथ लेकर तथा गरीब दुखियों को हर संभव मदद करने का भी संकल्प दोहराया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रखंड अध्यक्ष शुशील सोरेन, मीडिया प्रभारी नीजू मंडल, सुमेरी हांसदा, शांति महारानी, नीलू किस्कू, अमरनाथ भगत, सेलिना खालको, सुबसिनी मुर्मू तथा सुकदेव देहरी सहित कई पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे।

शोक सभा का आयोजन कर चेम्बर सदस्यों ने दी दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि

दुमकाःदुमका चेम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्यो द्वारा शोक सभा का आयोजन कर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।ज्ञात हो कि सोमवार को सुबह नई दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में गुरुजी ने अंतिम सांस ली।उनके आकस्मिक निधन पर सदस्यो ने मारवाड़ी चौक पर शोक सभा का आयोजन कर स्वर्गीय शिबू सोरेन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को लोगों के बीच रखा।मौके पर सभी व्यवसायियों एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। अध्यक्ष मुस्ताक अली उर्फ खोखन दा ने कहा शिबू सोरेन जी के आकस्मिक निधन से चेम्बर के सभी सदस्य मर्माहत हैं। यह पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। सचिव डॉ मनोज कुमार घोष ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन से राज्य ने एक युगदृष्टा, समाज सेवी एवं जनजातीय चेतना के अग्रदूत को खो दिया। संरक्षक सियाराम घीडिया ने कहा कि शिबू सोरेन जी झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु थे। उपाध्यक्ष अजीत दारूका ने कहा शिबू सोरेन जी पूरे देश में महान आदिवासी नेता के रूप में जाने जाते थे। उपाध्यक्ष सुनील कोठारीवाल ने कहा शिबू सोरेन आदिवासी संघर्ष के प्रतीक के रूप में जाने जाते थे।मीडिया प्रभारी रमण कुमार वर्मा ने कहा कि यह राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। दुमका का व्यापारी एवं उद्यमी समाज गुरु जी के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है। मौके पर अध्यक्ष मुस्ताक अली उर्फ खोखन दा, सचिव डॉ मनोज कुमार घोष, संरक्षक सियाराम घिडिया, प्रवीन मोहरिया, उपाध्यक्ष अजीत दारूका, सुनील कोठरीवाल, मीडिया प्रभारी रमण कुमार वर्मा, चंदन भुवानिया, राजीव हेतमपुरिया, नरेश संथालीया, गोपाल मेहरिया, बजरंग भालोटिया, डॉ अमरेंद्र कुमार यादव, कन्हैया भालोटीया, राजेश अग्रवाल गोयल, बांके बिहारी भालोटीया, एवं शहर के गणमान्य और अनेकों संख्या में व्यवसायी मौजूद थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

दुमकाःमसलिया में मंगलवार को सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा, मसलिया-दुमका के बैनर तले दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया.साथ ही सहायक अध्यापकों ने भावुक होकर गुरु जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.मौके पर जिला प्रतिनिधि अनुप दत्ता,शिबुधन सोरेन, मिठून नंदी चयन कुमार दे,सुनीराम हांसदा, सरोज मुर्मू, बाबुधन सोरेन,मार्शल मुर्मू ,रामशंकर भंडारी,भोलानाथ माजी,गौर गोपाल यादव आदि उपस्थित थे ।

दिसोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन

दुमकाः गोटा भारोत सिदो-कान्हू हूल बैसी के केन्द्रीय कार्यालय में दिसोम गुरु पूर्व मुख्यमंत्री सह सांसद स्व शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। बैसी के अध्यक्ष डा.प्रमोदिनी हांसदा के अध्यक्षता में यह शोक सभा आयोजित किया गया। उनके द्वारा गुरु जी के जीवन का संक्षिप्त इतिहास पर प्रकाश डालते हुए झारखंड राज्य के निर्माण में उनकी मुख्य भूमिका पर चर्चा की गई। उनके निधन को आदिवासी समाज के लिए महान क्षति महसूस किया गया।

शिबू सोरेन को भारत रत्न मिले, गुरुजी आदिवासी समाज के अजेय योद्धा व संघर्ष त्याग बलिदान के प्रतिमूर्ति : कैलाश यादव

रांचीः प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने 20 वर्ष पूर्व तत्कालीन सीएम देशोम गुरु श्रद्धेय शिबू सोरेन के साथ अपना तस्वीर साझा कर भावुक पल को याद किया है !यादव ने कहा कि गुरुजी झारखंड के धरतीपुत्र माटी के लाल थे जल जंगल जमीन बचाने के लिए जीवंत काल तक संघर्ष त्याग और बलिदान देने वाले योद्धा के तौर पर आवाज उठते रहे !झारखंड के दबे कुचले गरीब वंचित आदिवासी समाज के हक अधिकार के लिए और साहूकारों के अत्याचार के खिलाफ जंगल के गांव से लेकर लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद तक पहुंचाने में कामयाब रहे !झारखंड राज्य निर्माण के लिए वर्षों तक गुरुजी ने जन जन तक आंदोलन कर लोगों को जागरूक एवं एकजुट किया उसके उपरांत एक बड़े आंदोलनकारी जननेता के रूप में उभरे ! बिहार से झारखंड राज्य बटवारा के लिए अनेकों आंदोलन किए संथाल और

कोल्हान के लोगों को सड़क पर उतार कर चक्का जाम करना रेल रोको आंदोलन कर विधानसभा से लेकर संसद तक ठप करवाते रहे ! उन्होंने जनता और लोकतंत्र को बताया कि मौलिक अधिकारों के लिए संघर्ष से बड़ा त्याग कुछ नहीं है अगर लक्ष्य को हासिल करना है तो संघर्ष त्याग बलिदान ही एक मात्र उद्देश्य होना चाहिए !विदित हो कि राज्य निर्माण वर्ष 2000 से पूर्व जब केंद्र में श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार थी उस समय भाजपा/विहिप/आरएसएस के नेताओं ने दिल्ली बैठक के दौरान राज्य को वनांचल नाम तय किया था लेकिन गुरुजी शिबू सोरेन ने संप्रग नेताओं संग वनांचल नाम का जमकर विरोध किया था तत्पश्चात फिर झारखंड नाम पर सहमति बनी थी !आदिवासी समाज के विकास के लिए अलग राज्य का मांग करने वाले जयपाल सिंह मुंडा, कार्तिक उरांव रामदयाल मुंडा जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी झारखंड नाम से राज्य बनाने की मांग करते रहे थे ! लेकिन गुरुजी ने जंगल एवं सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समाज के रहन सहन खान पान के तौर तरीके को ध्यान में रखकर ही गुरुजी ने झारखंड नाम पर प्रस्ताव पास करवाने में सफल रहे तथा एक बड़े कद का राजनेता के रूप में जाने गए थे !यादव ने कहा कि राजद से गुरुजी शिबू सोरेन का संबंध हमेशा मधुर और घनिष्ठ रहा ! राजद अध्यक्ष लालू प्र यादव के साथ गुरुजी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा को हमेशा बढ़ावा दिया ! उन्होंने कार्यकर्ता जनता जनार्दन को कभी निराश नहीं किया लोगों के दुख पीड़ित अवस्था में हमेशा साथ रहे !यादव ने कहा कि गुरुजी से मिलने का मुझे बराबर अवसर मिलते रहा उनके जन्मदिन के मौके पर बधाई देने और आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त होते रहा !ज्ञात हो कि आज से 20 वर्ष पूर्व वर्ष 2005 में जब गुरुजी राज्य में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उनके साथ एक कार्यक्रम में साथ रहने का मौका मिला था जिसका तस्वीर हमने साझा किया है ! आज गुरुजी को अंतिम यात्रा पर अंतिम जोहार करते हैं इस भावुक पल में राजनीतिक दलों को संकल्प लेने चाहिए कि गुरुजी के अधूरे सपने को सभी लोग मिलजुल कर पूरा करें !

प्रदेश में चलेगा सोलर पंप स्थापित करने का सघन अभियान

भोपाल(ईएमएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में किसानों के खेतों पर कुसुम योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रावधानों का किसानों को लाभ दिलवाते हुए सोलर पंप स्थापना में पूर्ण सहयोग किया जाए। इसके लिए नवकरणीय ऊर्जा विभाग और सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय से कार्य कर लक्ष्य पूर्ण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री राकेश शुक्ला की उपस्थित थे।बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इस वर्ष सोलर पंप स्थापित करने का अभियान प्रारंभ हो चुका है। इस कार्य की प्रगति की मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विस्तार पूर्वक समीक्षा की।बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में आगामी वर्ष तक 10 लाख सोलर पंप स्थापित किए जाएंगे। चरणबद्ध रूप से यह कार्य किया जा रहा है।

मुन्दोली राइडर्स क्लब ने शुरु किया सनातन धर्म के महान ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता'' का अध्ययन

देहरादून (ईएमएस)। चमोली जिले के सीमांत गाँव मुन्दोली में शिक्षा, खेल और संस्कृति के समन्वय से सुसज्जित एक अनूठी पहल की शुरुआत हुई है। मुन्दोली राइडर्स क्लब जो अब तक युवाओं के लिए साहसिक खेलों, दौड़, साइक्लिंग, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता अभियानों के लिए जाना जाता रहा है ने अब सनातन धर्म के महान ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता" के अध्ययन की शुरुआत की है। इस अवसर पर क्लब के संस्थापक पूर्व सैनिक, स्वर्ण पदक विजेता कलम सिंह बिष्ट ने बताया कि इस धार्मिक शिक्षा का उद्देश्य केवल धार्मिकता या परंपरा का पालन नहीं, बल्कि छात्रों के आचार-विचार, आत्मबल, नैतिकता और कर्तव्यबोध को जाग्रत करना है। उन्होंने बताया कि इस पावन अभियान का संचालन कर रही हैं क्लब की ही होनहार छात्रा अंशु देवी, जिनकी धार्मिक विषयों में गहरी रुचि और अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें छात्रों के बीच आदर्श बना दिया है। अंशु देवी न केवल श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन करती हैं, बल्कि उसके गूढ़ अर्थों को सरल भाषा में बच्चों तक पहुँचाने की कला भी रखती हैं। उन्होंने बताया कि उनकी यह सेवा भावनाओं से परिपूर्ण है और यह पहल यह साबित करती है कि छात्र ही शिक्षक बन सकते हैं जब उन्हें सही मंच, मार्गदर्शन और प्रेरणा मिले। बिष्ट ने बताया कि इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहल के पीछे जिनका स्वप्न और समर्पण है, वह हैं मुन्दोली राइडर्स क्लब के संस्थापक कलम सिंह बिष्ट पूर्व सैनिक, स्वर्ण पदक विजेता, सामाजिक कार्यकर्ता, पर्वतारोही, साइक्लिट उत्कृष्टता, और समाजसेवा में संलग्नता के बाद उन्होंने जीवन का उद्देश्य तय किया हिमालय क्षेत्र के बच्चों को सशक्त बनाना है। बिष्ट मानते हैं कि छात्र जीवन केवल किताबों तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनका दृष्टिकोण है और उन्होंने कहा कि शास्त्रों से संस्कार, शस्त्रों से आत्मरक्षा और खेलों से शरीर का विकास यही है सम्पूर्ण शिक्षा इसी सोच को जीवन में उतारते हुए उन्होंने क्लब के पाठ्यक्रम में इन तीन स्तंभों को जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि शास्त्र श्रीमद्भगवद्गीता और अन्य धर्मग्रंथों का अध्ययन, शस्त्र दृ आत्मरक्षा और साहसिक प्रशिक्षण, फिजिकल फिटनेस, दौड़, पर्वतारोहण प्रतिस्पर्धात्मक खेल, सामूहिक भावना का विकास, जीवन के हर मोड़ पर उपयोगी होगा। उन्होंने बताया कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाली मार्गदर्शिका है। उन्होंने बताया कि इसके अध्यायों में कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग जैसे सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो आज की पीढ़ी को संतुलित, सशक्त और सतर्क बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि क्लब में नियमित रूप से होने वाली गीता कक्षा में छात्र न केवल श्लोक पढ़ते हैं, बल्कि उसके अर्थ को समझकर जीवन में उतारने का प्रयास करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रक्रिया में ध्यान, प्रार्थना, नैतिक चर्चा और प्रेरक कहानियाँ भी शामिल हैं।

निगम अमले ने शहर के सभी जोन क्षेत्रों में की स्पॉट फाईन की कार्यवाही

277 प्रकरणों में 66 हजार 300 रुपये की राशि वसूल की

भोपाल(ईएमएस)। नगर निगम द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाने हेतु निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने, कचरा पृथक्कीकरण, दुकानों पर गीले-सूखे कचरे के लिए पृथक-पृथक डस्टबिन रखने, कचरा एकत्र करने आने वाले सफाई मित्रों को ही कचरा देने जैसे स्वच्छता के मानकों का पालन न करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही की जा रही है साथ ही घर-घर जाकर डेंगू लार्वा की जांच की जा रही है और डेंगू लार्वा पाये जाने पर संबंधित भवन स्वामियों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी प्रभावी ढंग से की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले ने समस्त जोन क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 277 प्रकरणों में 66 हजार 300 रूपये की राशि वसूल की।निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर मंगलवार को निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने विभिन्न जोन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए जोन क्रमांक 01 में 20 प्रकरणों में 03 हजार 50 रूपये, जोन क्रमांक 02 में 11 प्रकरणों में 01 हजार 400 रूपये, जोन क्रमांक 03 में 08 प्रकरणों में 800 रूपये, जोन क्रमांक 04 में 22 प्रकरणों में 02 हजार 600 रूपये, जोन क्रमांक 05 में 05 प्रकरणों में 01 हजार 700 रूपये, जोन क्रमांक 06 में 03 प्रकरणों में 700 रूपये, जोन क्रमांक 07 में 05 प्रकरणों में 500 रूपये, जोन क्रमांक 08 में 09 प्रकरणों में 07 हजार 100 रूपये, जोन क्रमांक 09 में 07 प्रकरणों में 700 रूपये, जोन क्रमांक 10 में 35 प्रकरणों में 09 हजार 900 रूपये, जोन क्रमांक 11 में 22 प्रकरणों में 03 हजार 400 रूपये, जोन क्रमांक 12 में 13 प्रकरणों में 10 हजार 300 रूपये, जोन क्रमांक 13 में 21 प्रकरणों में 02 हजार 250 रूपये, जोन क्रमांक 14 में 23 प्रकरणों में 03 हजार 600 रूपये, जोन क्रमांक 15 में 09 प्रकरणों में 01 हजार 100 रूपये, जोन क्रमांक 16 में 14 प्रकरणों में 01 हजार 800 रूपये, जोन क्रमांक 17 में 03 प्रकरणों में 300 रूपये, जोन क्रमांक 18 में 24 प्रकरणों में 05 हजार 300 रूपये, जोन क्रमांक 19 में 09 प्रकरणों में 04 हजार 700 रूपये, जोन क्रमांक 20 में 13 प्रकरणों में 04 हजार 100 रूपये तथा जोन क्रमांक 21 में 01 प्रकरण में 01 हजार रूपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की। इस प्रकार निगम अमले ने कुल 277 प्रकरणों में 66,300 रूपये की राशि वसूल की।निगम अमले ने साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों को समझाइश भी दी कि वे सदैव गीला-सूखा व अन्य प्रकार का कचरा पृथक-पृथक डस्टबिन में रखें और पृथक-पृथक ही कचरा एकत्र करने वाले सफाई मित्रों,कचरा गाड़ी को ही दें।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु नगर निगम का व्यापक अभियान निरंतर जारी

निगम अमले ने शहर में व्यापक स्तर पर की डेंगू लार्वा की जांच,

कीटनाशक रसायनों का छिड़काव एवं फागिंग भी कराई

भोपाल(ईएमएस)। नगर निगम द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु व्यापक पैमाने पर अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। अभियान के तहत निगम अमले द्वारा डेंगू, लार्वा की जांच की जा रही है और व्यापक स्तर पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, फागिंग व गाजर घास की कटाई कराई जा रही है तथा डेंगू लार्वा पाये जाने पर लार्वा के विनष्टिकरण एवं संबंधितों के विरूद्ध स्पॉट फाईन]जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है तथा नागरिकों को बीमारियों से बचाव हेतु समझाइश भी दी जा रही है। इसी तारतम्य में निगम अमले ने समस्त जोन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर फागिंग, स्प्रे कराया, गाजर घास कटवाई।निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया की रोकथाम हेतु व्यापक स्तर पर कार्यवाही करते हुए भौरी गांव, राजेन्द्र नगर, बैरागढ़ बस स्टैण्ड, सीटीओ रोड अयप्पा मंदिर, राजदीप हॉस्पिटल क्षेत्र, बैरागढ़ मार्केट क्षेत्र, लक्ष्मण नगर, नादिर कालोनी, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन कालोनी, जज कालोनी, सिविल लाईन, पॉलीटेक्निक चैराहा, सहयाद्रि परिसर, झरनेश्वर काम्प्लेक्स, नवीन नगर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, इंदिरा कालोनी, 74 बंगला, तुलसी नगर, सोनिया गांधी कालोनी, ओमनगर, जहांगीराबाद, सुभाष कालोनी, पंजाबी बाग, सौभाग्य नगर, प्रगति नगर, बरखेड़ी, रचना नगर, गोकुलदास चैराहा, आदर्श नगर झुग्गी बस्ती, पटेल नगर, ओल्ड सुभाष नगर, दुर्गा मंदिर, चंदन नगर, खेजड़ा, सिंधी कालोनी, इब्राहिमगंज, हनुमानगंज, कुम्हारपुरा, गेहूंखेड़ा, होली क्रास स्कूल, कटारा हिल्स, द्वारका नगर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी नारियलखेड़ा, शारदा नगर, गीतांजलि कॉलेज रोड, पंचशील नगर, 1100 क्वाटर, अशोका गार्डन, सुरूचि नगर, सतनामी नगर, पलकमति परिसर, गांधी नगर, टेगोर वार्ड, सर्वधर्म ए सेक्टर, विद्यानगर सी सेक्टर, आर.के. इन्क्लेब कालोनी, नई बस्ती बागमुगालिया, रामानंद नगर, नयापुरा लालघाटी, नेवरी मंदिर, कलेक्टर ऑफिस, पीएनबी कालोनी ईदगाह, चार इमली, शिवाजी नगर, कांग्रेस कार्यालय, बोर्ड कालोनी, माचना कालोनी, सरिता काम्प्लेक्स, श्याम नगर मल्टी, बिट्टन मार्केट, मानसरोवर काम्प्लेक्स, राजीव गांधी कालोनी, इंद्रपुरी ए सेक्टर, पटेल नगर, आनंद नगर, पक्षी विहार आजाद नगर आदि क्षेत्रों में गाजर घांस की कटाई, कीटनाशक रसायनों का छिड़काव एवं फागिंग कराई। निगम अमले ने पैलेस आर्केड फेस 4-5, सर्वधर्म डी सेक्टर, विद्या नगर सी सेक्टर, आर.के. एन्क्लेव कालोनी, नई बस्ती बागमुगालिया, पटेल नगर डी सेक्टर, पक्षी विहार आजाद नगर आदि क्षेत्रों में जमा पानी में गम्बूशिया मछली भी छोड़ी।इस दौरान निगम अमले ने घरों व संस्थानों में जाकर पानी के बर्तनों, टंकियों, कूलरों, गमलों, पुराने टायरों व अन्य वस्तुओं में भरे पानी में डेंगू लार्वा की जांच की और बर्तनों का पानी निरंतर बदलते रहने, गमलों, पुराने टायरों व अन्य प्रकार के वस्तुओं में पानी भरा न रहने देने, स्वच्छता का पूरा ध्यान रखने तथा बीमारी के लक्षण दिखने पर मरीज को तत्काल चिकित्सक से उपचार कराने की समझाइश भी दी।

पेंशनर समाज ने दिशोम गुरु को दिया अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

दुमकाः झारखंड राज्य पेंशनर समाज दुमका जिला इकाई के सभागार में मंगलवार को एक शोक सभा आयोजित कर झारखंड के प्रणेता एवं पूर्व मुख्य मंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दो मिनट का मौन रख सादर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि समर्पित किया ।इसके पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीकांत ठाकुर ने इनके सराहनीय कार्यों को गिनाते हुए बताया कि इनके द्वारा संचालित आंदोलन का ही सकारात्मक परिणाम झारखंड राज्य का जन्म है ।इन्हें झारखंड का जनक कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगी ।मीडिया प्रभारी कुंदन झा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही इनके दृढ़संकल्पिता से हम प्रभावित रहे हैं ।इनके सूझ बुझ से ही आज जल जंगल और जमीन की लड़ाई इस मुकाम तक पहुंची है और हम आदिवासी गैर आदिवासी सुरक्षित हैं ।इनके द्वारा दिखाया गया पथ हमारा सदा मार्गदर्शन करता रहेगा ।मौके पर उपाध्यक्ष अरुण प्रसाद झा, अरविंद मिश्रा ,पवन कुमार रविदास, शिव लाल मरांडी इत्यादि मौजूद थे ।

बहनों को भाई के घर आने पर करनी होगी मश्क्कत, ट्रेनों में लगा नोरूम का बोर्ड

भापोल से छिंदवाड़ा आने वाली पातालकोट, पेंचवैली एक्सप्रेस में नहीं सीटे

छिंदवाड़ा जबलपुर एक्सपप्रेस। ९ अगस्त को रक्षाबंधन है और त्यौहार पर घर पहुंचने के बहनों व भाईयों को जद्दोजहद के बीच यात्रा करनी पड़ेगी, क्योंकि अभी से ट्रेनों में लंबी वेटिंग हैं। अभी ट्रेन में जगह नहीं मिल रही है और त्यौहार नजदीक आने पर स्थिति ज्यादा खराब हो जाएगी। दरअसल रेलवे वेटिंग टिकट पर यात्रा करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। वहीं, त्यौहार पर घर जाने के लिए राह देख रही बहनों व भाईयों की मुसीबत बढ़ गई है। वर्तमान में किसी तरह लोग यात्रा कर रहे हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत भोपाल- इंदौर व दिल्ली जाने वाले यात्रियों को हो रही है। क्योंकि छिंदवाड़ा से इंदौर तक केवल एक ही ट्रेन परिचालित होती है जिसपर लम्बी वेटिंग चल रही है। इंदौर से छिंदवाड़ा आने की स्थिति भी ऐसी ही है। रेलवे से मिली जानकारी अनुसार ७ अगस्त से १२ अगस्त के बीच पातालकोट एक्सप्रेस भोपाल यात्रियों के लिए नोरूम हो चुकी है। केवल रक्षा बंधन की रात्रि में चलने वाली ट्रेन खुली है उसमें ाीी लम्बी वेटिंग बताई जा रही है। यही हाल पेंचवैली एक्सप्रेस के है। ट्रेनों में नो रूम होने की वजह से भाईयों व बहनों को एक साथ रक्षाबंधन पर्व मनाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना होगा।

महीनों से करा रखे हैं लोगों ने रिजर्वेशन

बिना किसी परेशानी के परिवार के साथ यात्रा कर सकें, इसके लिए लोगों ने कई महीनों पहले से रक्षाबंधन को लेकर रिजर्वेशन करा लिए थे और वही आसानी से यात्रा कर पाएंगे। कुछ ट्रेनें ऐसी भी हैं, जिनमें रिजर्वेशन के बाद भी सीट लेने के लिए लड़ाई लडऩी पड़ती है। लंबी दूरी यानि दिल्ली, पंजाब जाने वाली पातालकोट ट्रेन में नो रूम की स्थिति है, जिसमें वेटिंग में टिकट लेने वालों को सीट मिलने की संभावना न के बराबर है। लेकिन यह वेटिंग टिकट लेकर ही कोच पर चढ़ जाते है। जिसकी वजह से सभी यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बस चालकों की होगी चांदी

रक्षाबंधन पर्व में हर बार की तरह इस बार भी बस चालकों की चांदी होगी। दरअसल ट्रेनों में सीट ना होने की स्थिति में इंदौर-भोपाल जाने वाली बसों का किराया संचालकों द्वारा दो से तीन गुना बढ़ा दिया जाता है। जहां वर्तमान में भोपाल का किराया ४०० से ४५० सामान्य व एसी का किराया ५५० से ७०० रूपए लिया जा रहा है। लेकिन रक्षा बंधन पर्व के दौरान व ट्रेनों मे सीटे ना होने की स्थिति में १५०० रूपए से २००० रूपए तक किराया वसूला जाता है।

दादू स्टार एवं बाबा बैडमिंटन टीम ने दिशोम गुरु को दिया अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

दुमकाःमंगलवार को दुमका के बिरसा मुंडा आउट डोर स्टेडियम में दादू स्टार टीम एवं बाबा बैडमिंटन टीम के खिलाड़ियों ने झारखंड के महान सपूत दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दो मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि अर्पित की ।इसके पूर्व वरिष्ठ सदस्य पवन सिंह ने अपने वक्तव्य में गुरु जी के बारे में कहा कि झारखंड प्रदेश यदि कोई कहे कि वीरों का प्रदेश है तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं ।वीरों की श्रेणी में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का स्थान रहा प्रथम पंक्ति में रहा है।इन्होंने समाज के दबे कुचले आदिवासी गैर आदिवासी गरीब किसान मजदूर को समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया । गुरु जी ने दुमका को अपनी कर्मभूमि के रूप में चुना और राज्य तथा राष्ट्र की सेवा में पूरा जीवन समर्पित रहे ।ऐसे वीर सपूत शिबू सोरेन आज हमारे बीच नहीं रहे। इन्होंने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 4 अगस्त 2025 को अंतिम सांस ली झारखंड सरकार द्वारा दो दिन का राजकीय अवकाश की घोषणा की गई है । नगर के युवा खिलाड़ी एवं बहुत सारे गणमान्य व्यक्ति जिसमें क्लब के सचिव अनिल कुमार झा पवन सिंह मीडिया प्रभारी कुंदन झा शशि कुमार देवानंद सोरेन अब्दुल सलाम उर्मिला पोद्दार देव हेंब्रम अब्दुल कलाम हीना मंडल गौरव नवनीत नंदन इत्यादि इसमें शामिल हुए ।

झारखंड की आत्मा से एक युग का अंत-सारजोम बेडा क्लब

दुमकाःसारजोम बेडा क्लब,दुमका में दिसोम गुरु स्वर्गीय वीर शिबू सोरेन के याद में शोक सभा का आयोजन किया गया।दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन एवं श्रद्धांजलि दी गयी।इस शोक सभा मे उनकी जीवन यात्रा, संघर्ष,और सफलता की अद्भुत मिशाल पर प्रकाश डाला गया।वह झारखंड की आत्मा,आदिवासी चेतना एवं आत्मसम्मान के प्रतीक थे। शोक सभा मे अध्यक्ष-ब्रह्मदेव सोरेन,सचिव-राजेश सोरेन, संरक्षण-मार्टिन किस्कू,पीटर,निक्सन सोरेन,सियोन,राहूल, विकास,संजय, प्रवीण सर, शैलेश दा, सोनू, ग्लैडसन, बबलू दा,पंकज, नवजीत, संदीप, छूटुन दा, गोड, विनय,बबलू, मुनु, राजू, सनी, ज्योतिष, अर्नाल्ड, जॉन, सुमन,बीरेंद्र,सोनोत आदि उपस्थित थे।

झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन ने दिया दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि

दुमकाः प्राइवेट बस स्टैंड दुमका में स्थित यूनियन कार्यालय में झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन सीटू के तत्वाधान में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा झारखंड के जन जन के हृदय में बास करने वाले दिसोम गुरु झारखंड की अस्मिता एवं झारखंड में महाजनप्रथा के विरोध जन संघर्ष करने वाले जनप्रिय नेता के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। आयोजित शोक सभा में 2 मिनट का मौन रख दिवगंत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित किया गया ।यह कार्यक्रम झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के अध्यक्ष गजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में की गई। शोक सभा को झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के महामंत्री सह सीटू नेता अखिलेश कुमार झा ने शिबू सोरेन जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया की गुरुजी अपनी राजनीतिक जीवन झारखंड की अस्मिता जल जंगल जमीन की रक्षा शोषितों वंचितों की सुरक्षा के लिए और झारखंड राज्य अलग की मांग के साथ-साथ झारखंड की समझ में व्याप्त कुरीतियों सामाजिक आंदोलन भी हुए यहां के आम जनमानस को एक नई दिशा और दिशा को सुधारने के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे ।उसी के परिणाम स्वरूप आज झारखंड राज्य के रूप में हम लोगों को देखने को मिलता है । इस शोक सभा में माकपा दुमका जिला के सचिव कामरेड सुभाष हेंब्रम ,झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के उपाध्यक्ष विनोद राउत, यूनियन के सदस्य मोहम्मद सत्तार ,मोहम्मद हलीम, मोहम्मद अकरम, सोनू कुमार, दुर्गा साह, निमघन तुरी, कौशल कुमार सिंह ,अभिनंदन कुमार सिंहा सहित भारी संख्या में परिवहन मजदुर उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

जो हम कहते हैं वहीं नीतीश सरकार कर रही, उनके पास कोई रोडमैप या विजन नहीं

पटना, (ईएमएस)। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने प्रदेश में शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल नीति लागू करने का फैसला किया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले ही सरकार में आने पर इसे लागू करने की बात कही थी। तेजस्वी ने इसको लेकर नीतीश सरकार को घेरा।तेजस्वी ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि हमारी सरकारी आएगी तो इसे लागू करेंगे। ऐसे में जो हम कहते हैं, उसको यह नीतीश की एनडीए सरकार कर रही है। सरकार आगे हमारी मां-बहन योजना को भी कॉपी करेगी। सरकार के पास अपना कोई रोडमैप या विजन नहीं है। डोमिसाइल की बात लगातार 20 सालों से की जा रही है। हम सभी चाहते हैं कि बिहार के लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार और नौकरी मिले। कई राज्यों में डोमिसाइल है, लेकिन यहां यह अब लागू किया है। अब यह देखना होगा कि सरकार इसे कैसे इंप्लीमेंट करती है। एक बात साफ है कि जो विपक्ष कहता है, सरकार उसे कॉपी कर रही है। हम कहते हैं और वे करते हैं।तेजस्वी यादव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक एवं पूर्व सीएम शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में भाग लेने पर कहा कि बहुत दुखद समाचार हैं, हम सभी रांची जा रहे हैं। शिबू सोरेन का योगदान हम कभी भूल नहीं सकते। गरीबों और वंचितों के लिए, खासतौर पर आदिवासी समाज के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी। वे मेरे पिता लालू यादव के भी करीबी सहयोगी रहे। राजद और झामुमो लगातार गठबंधन में रहे। उनके नहीं रहने पर देश को राजनीतिक क्षति हुई है। उनके परिवार के प्रति पूरी संवेदना है।तेजस्वी ने वोट अधिकार यात्रा को लेकर कहा कि शिबू सोरेन के निधन के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। हम जल्द ही वोट अधिकार यात्रा निकालेंगे। दो-दो मतदाता पहचान पत्र विवाद पर उन्होंने कहा कि मेरे पास इसका जवाब है, जो आगे दिया जाएगा। बूथ वाइज कई लोगों का नाम मतदाता सूची में नहीं है। वहीं कई घरों में 50 लोगों का नाम है। चुनाव आयोग को इसके बारे में बताना चाहिए। कई गड़बड़ियां हुई हैं, जो हम चुनाव आयोग को भेजेंगे और कोर्ट में भी अपना पक्ष रखेंगे।

युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

गोपालगंज : गोपालगंज जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के बरनइया गोकुल चवर में मंगलवार की शाम एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर स्थानीय लोगों की मदद से उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार भेजे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। मृतक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शव की स्थिति को देखते हुए आशंका है कि युवक की हत्या सोमवार की रात की गई होगी। शव से कुछ दूरी पर मृतक का पैंट भी बरामद हुआ है। युवक के नाक से खून निकल रहा था और आंखें बाहर निकली हुई थीं। इससे अंदेशा है कि गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया है।फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

गंगा स्नान के दौरान युवक लापता परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

मधेपुरा : बिहार के मधेपुरा के भर्राही थाना क्षेत्र अंतर्गत नेहालपट्टी गांव का एक युवक गंगा स्नान के दौरान लापता हो गया है। यह हादसा रविवार की रात महादेवपुर घाट पर उस समय हुआ, जब नेहालपट्टी निवासी गरीब साह का 19 वर्षीय पुत्र केशव कुमार गंगा में स्नान कर रहा था। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया है। इससे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है और परिजन लगातार उसकी सलामती की दुआ कर रहे हैं। परिजनों ने बताया कि केशव कुमार हर वर्ष श्रावण मास में महादेवपुर घाट से गंगाजल लेकर सिंहेश्वर नाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करता था। इस बार भी वह अपनी इस परंपरा को निभाने के लिए अपने बड़े भाई नीरज कुमार और गांव के 10-12 अन्य युवकों के साथ तीन अगस्त की रात महादेवपुर घाट पहुंचा था। वहां सभी गंगा स्नान कर रहे थे। इसी दौरान केशव अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूबकर लापता हो गया।

थाना में महिला दारोगा और चौकीदार ले रहे थे रिश्वत, निगरानी की टीम ने रंगे हाथ दबोचा

खगड़िया : निगरानी विभाग ने खगड़िया जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला एसआई और चौकीदार को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर आरोप है कि दोनों एक बैंक लोन से जुड़े केस में चार्जशीट दाखिल करने के बदले 20 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। आरोपी खगड़िया नगर थाना की महिला एसआई सीमा कुमारी और चौकीदार वीरू पासवान है, जिसे पटना वीजिलेंस की टीम ने मंगलवार को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

नेपाल और तराई क्षेत्र में भारी बारिश से बागमती नदी का बढ़ा जलस्तर

मुज्जफरपुर : नेपाल और बिहार के तराई क्षेत्रों में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश का असर मुजफ्फरपुर जिले में भी दिखने लगा है। कटरा प्रखंड से होकर बहने वाली बागमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे नदी उफान पर है। बाढ़ जैसे हालात बनने लगे हैं और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बागमती नदी पर कटरा-बकुची रोड को जोड़ने वाला पीपा पुल पानी की चपेट में आ गया है। तेज बहाव के कारण पुल के एप्रोच पथ (आने-जाने का रास्ता) पर पानी चढ़ गया है, जिससे इस मार्ग से आवागमन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों को डर सता रहा है कि यदि जलस्तर में और बढ़ोतरी हुई तो पीपा पुल पर नदी का पानी चढ़ जाएगा, जिससे कटरा प्रखंड की 16 पंचायतों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट जाएगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। प्रखंड क्षेत्र के अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहकर हालात पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि फिलहाल बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है, लेकिन लगातार हो रही बारिश और बढ़ते जलस्तर ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बागमती नदी के जलस्तर में तेज़ी से बढ़ोतरी हो रही है। संभावित बाढ़ की आशंका को लेकर लोग डरे हुए हैं। एक ग्रामीण ने बताया, "हर साल की तरह इस बार भी हमें बाढ़ की त्रासदी झेलनी पड़ेगी। पानी बढ़ रहा है और बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह समस्या कई दशकों से चली आ रही है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। चुनाव के समय नेता आते हैं, वादे करते हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, बाढ़ की स्थिति में यही संपर्क मार्ग उनका एकमात्र सहारा होता है। मार्ग बाधित होते ही पूरा इलाका मुख्यधारा से कट जाता है। प्रखंड क्षेत्र के लोग वर्षों से बाढ़ की इस समस्या से जूझ रहे हैं।

महिला के साथ यौन शोषण और धमकी का आरोप, वार्ड पार्षद पति फरार

वैशाली : वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र की एक 30 वर्षीय महिला ने स्थानीय वार्ड पार्षद पति दीपक कुमार पर अश्लील फोटो के जरिये यौन शोषण करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने महनार थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने आरोप लगाया है कि गांव के ही दीपक कुमार, जो वार्ड संख्या 25 की पार्षद के पति हैं, ने पहले उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींच लीं और बीते छह महीनों से ब्लैकमेल कर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाते रहे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने करीब 20 बार जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने फोटो वायरल करने की धमकी दी। महिला द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, जब दीपक कुमार को शिकायत की भनक लगी तो उसने रास्ते में महिला को अगवा करने का प्रयास किया। इस दौरान धक्का-मुक्की में पीड़िता गिर गई और घायल हो गई। उसे इलाज के लिए स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। मामले में महनार थाना अध्यक्ष उदय कुमार सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। वहीं, आरोपी दीपक कुमार की ओर से भी मारपीट और छेड़खानी का एक आवेदन दिया गया है, जिस पर भी केस दर्ज किया गया है।

चिराग खेल रहे डबल गेम, एक तरफ तारीफ तो दूसरी तरफ नीतीश को दे रहे टेंशन

राजनीति के जानकारों का मानना- वह एनडीए में रहते अपनी जमीन कर रहे मजबूत

पटना, (ईएमएस)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीते दिनों बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नीतीश सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी हावी हैं और प्रशासन नतमस्तक हैं। चिराग का निशाना सीएम नीतीश कुमार पर माना जा रहा था। वही, दूसरी ओर चिराग यह भी कहते हैं कि वे एनडीए में थे, हैं और रहेंगे। उनका यह दोहरा रुख राजनीतिज्ञों को चक्कर में डाल देता है। राजनीति के जानकारों की नजर में उनकी रणनीति का हिस्सा है, जिससे वे एनडीए में रहते हुए अपनी सियासी मजबूत कर रहे हैं।चिराग ने कहा कि महत्वाकांक्षी होना गलत नहीं, लेकिन मेरी महत्वाकांक्षा गठबंधन से ऊपर नहीं है। उन्होंने नीतीश के नेतृत्व में एनडीए के चुनाव लड़ने की बात दोहराई, लेकिन चिराग पासवान के बयानों से साफ है कि वे बिहार में अपनी पार्टी की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहते हैं। बता दें 2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने अकेले 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसने जेडीयू को नुकसान हुआ था। इस बार भी उनकी रणनीति सीट बंटवारे में बड़ा हिस्सा लेने की बताई जा रही है।चिराग और नीतीश के रिश्ते लंबे समय से असहज रहे हैं। वर्ष 2020 में चिराग ने एनडीए से अलग होकर जेडीयू को 34 सीटों पर नुकसान पहुंचाया था। अब नीतीश कुमार के नेतृत्व का समर्थन करते हुए भी वे बिहार की कमियों को उजागर कर रहे हैं। उनके समर्थकों के पोस्टर में चिराग के स्वागत को तैयार है बिहार लिखा रहता है। जानकारों की नजर में यह उनकी सीएम बनने की महत्वाकांक्षा को जाहिर करता है।चिराग पासवान और राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की आपसी तारीफें भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। दोनों नीतीश सरकार की आलोचना करते हैं जिससे नए समीकरण की अटकलें लगने लगी हैं। हालांकि चिराग ने साफ कहा है कि उनकी प्राथमिकता एनडीए के साथ है और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही वह चुनाव लड़ेंगे। उन्होने यह कहा है कि आने वाले पांच सालों तक नीतीश कुमार ही बिहार के सीएम रहेंगे। हालांकि बीच-बीच में चिराग की पीके की तारीफ को लेकर कन्फ्यूजन भी है और प्रशांत किशोर की यह तारीफें भविष्य में गठजोड़ की संभावना को जन्म दे रही है।राजनीति के जानकार कहते हैं कि चिराग की रणनीति बिहार में दलित और गैर-यादव पिछड़े वर्गों में पैठ बढ़ाने की है। उनकी "बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट" की नीति युवाओं और बहुजन समुदायों को आकर्षित कर रही है। 2025 के विधानसभा चुनाव में वे ज्यादा सीटें हासिल कर किंगमेकर की भूमिका निभाना चाहते हैं। जाहिर है चिराग एक ओर नीतीश को समर्थन देने की बात कहते हैं, लेकिन दूसरी ओर उनकी सियासी महत्वाकांक्षा भी जाहिर हो रही है जिससे एनडीए में तनाव बढ़ रहा है।

जल जमाव वाले स्थलों से जल निकासी के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

मधुबनी, (ईएमएस)। वर्तमान में मधुबनी जिला में हो रही वर्षा के कारण मधुबनी जिला अंतर्गत नगर निकाय क्षेत्रों में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विशेषकर शहरी क्षेत्रों की सड़कों पर जलभराव के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। जिससे लोगों को आवाजाही में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव से उत्पन्न समस्याओं को शीघ्र निराकरण के लिए जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी ने नगर निगम, नगर परिषद तथा नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जमाव वाले स्थानों, सड़कों से जल निकासी के लिए आवश्यकतानुसार डिवाटरिंग पम्प की व्यवस्था अविलंब सुनिश्चित की जाए। साथ ही, जलजमाव की स्थिति पर सतत निगरानी के लिए नगर निकाय कार्यालय में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर 24x7 घंटे रोस्टर वार प्रतिनियुक्ति के साथ संचालन करने को कहा गया है।

मुंगेर विश्वविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के परिणाम में भारी गड़बड़ी, छात्रों में आक्रोश

मुंगेर : मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में जारी स्नातक सत्र 2024-28 के प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में व्यापक गड़बड़ियों के कारण छात्रों में भारी नाराज़गी देखी जा रही है। विश्वविद्यालय की लापरवाही से आक्रोशित छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की लखीसराय इकाई ने केएसएस कॉलेज के मुख्य द्वार पर परीक्षा नियंत्रक का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। एबीवीपी लखीसराय के जिला संयोजक मनीष यदुवंशी ने बताया कि कई छात्रों को परीक्षा में शामिल होने के बावजूद परिणाम में एब्सेंट दिखाया गया है, जो परीक्षा विभाग की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सत्र 2023-27 के बैकलॉग छात्रों को कुछ विषयों में उत्तीर्ण दिखाया गया है, जबकि अन्य विषयों में बिना किसी स्पष्ट कारण के बैक या एब्सेंट अंकित किया गया है। यह लापरवाही न केवल छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है, बल्कि उनके शैक्षणिक भविष्य पर भी संकट खड़ा कर रही है। इस मामले को लेकर अभाविप ने विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष चार सूत्रीय मांगें रखीं। संगठन ने मांग की कि सभी त्रुटिपूर्ण परिणामों को तत्काल सुधारकर पुनः प्रकाशित किया जाए। परीक्षा विभाग में शामिल दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। छात्रों के मानसिक तनाव को देखते हुए हेल्पलाइन नंबर और समाधान केंद्र की व्यवस्था की जाए। साथ ही, संशोधित परिणाम स्पष्ट सूचना के साथ निर्धारित तिथि पर जारी किया जाए।अभाविप के जिला सह-संयोजक साहिल प्रकाश ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाता है, तो संगठन छात्रहित में उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्र जीवन के भविष्य से किसी भी स्थिति में खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। छात्रों ने भी विश्वविद्यालय प्रशासन से अपील की है कि वह जल्द से जल्द स्थिति का संज्ञान लेकर आवश्यक राहत प्रदान करे, ताकि उन्हें अनावश्यक मानसिक तनाव से मुक्ति मिल सके।

तेज प्रताप यादव ने वीवीआईपी पार्टी के साथ किया गठबंधन

राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव आज बड़ा एलान किया है। उन्होंने विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी) पार्टी के साथ टीम तेज प्रताप का गठबंधन कर लिया। मंगलवार दोपहर पटना के एक होटल में उन्होंने प्रेस वार्ता की। कहा कि आज कई पार्टियां हमारे साथ जुड़ रहीं हैं। काफी चुनौती है, हम किसी के ऊपर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। एक जनप्रतिनिधि को धरातल से जुड़कर जनता के सुख दुख में साथ होकर दायित्व निभाना चाहिए वैसे ही हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने महुआ से चुनाव लड़ने का बिगुल फूंका है। आगे की लड़ाई हम साथ लड़ेंगे। बहुत दुश्मन लोगों को लगेगा कि हम आगे बढ़ रहे हैं। मुझे विश्वाश है कि हम आगे बढ़ रहे हैं। मैं राजद और कांग्रेस को भी हमारी टीम के साथ जुड़ने का न्यौता देता हूं। तेजप्रताप ने कहा कि आगे बहुत सारी चुनौती है। बहुत सारे लोग मानते हैं यह हमसे टकराएंगे तो चूर-चूर हो जाएंगे। बिहार और देश की जनता जानती है कि मेरे साथ किस तरह से मेरे साथ अनान्य हुआ है। हमने महुआ से चुनाव लड़ने का एलान किया है। महुआ के लिए हमने बहुत काम किया है'। हमलोग आगे बिहार के लिए लड़ाई लड़ेंगे। मेरे दुश्मन बहुत लोग हैं। आपलोगों के चैनल के माध्यम से वो सुनेंगे तब बुरा लगेगा। तेजस्वी मेरा चैनल देख रहे होंगे। उनको आगे बढ़ने का आशीर्वाद देते हैं। वहीं मुकेश सहनी की पार्टी को तेजस्वी यादव ने बहरुपिया पार्टी बताया। कहा कि वीवीआईपी ही ओरिजिनल पार्टी है। निषाद भाइयों में इनकी पकड़ है। यह लोग सही में जनता के हित में सोचने का काम करते हैं। लगातार जनता के बीच जा रहे और उनकी मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) वाला तो बहरूपिया है। बेकर का पार्टी बना कर घूम रहा है। कोई फायदा नहीं होने वाला है। हमलोग सभी लोगों को एक साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने कहा था कि टीम तेज प्रताप एक प्लेटफार्म है, जो चुनाव में युवाओं को समर्थन देगी। जो लड़ना चाहेंगे, उन्हें पूरा सपोर्ट मिलेगा। तेजप्रताप ने मुख्यमंत्री पद को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि चाचा इस बार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। इस विधानसभा चुनाव में युवा, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य की बात करेगा, वही सरकार बनाएगा। बता दें कि तेज प्रताप यादव ने जिस पार्टी के साथ गठबंधन किया, उसका पोस्टर और बैनर पहले ही छप चुका है। इसमें स्पष्ट लिख हुआ है कि वीवीआईपी पार्टी एवं टीम तेज प्रताप यादव का गठबंधन सह प्रेस वार्ता। इतना ही नहीं इस पोस्टर में एक ओर तेज प्रताप यादव की बड़ी तस्वीर लगी हुई है। वहीं दूसरी ओर इस पोस्टर में वीवीआईपी पार्टी ने नेताओं की तस्वीर और चुनाव चिन्ह (पानी का जहाज) है। अब यह पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है लोग कह रहे हैं कि राजद से निष्कासित होने के बाद अब तेज प्रताप यादव अलग चुनाव चिन्ह के साथ विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने उतरेंगे।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित परिधान प्रशिक्षण सिलाई केंद्र में कार्यशाला का आयोजन

हाजीपुर, (ईएमएस)। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, हाजीपुर की अध्यक्षा सुनीता सिंह के दिशा निर्देश में रेलवे कॉलोनी हाजीपुर स्थित परिधान प्रशिक्षण सिलाई केंद्र की विद्यार्थियों के लिए दिनांक 04 अगस्त को सिंगर कंपनी द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन करवाया गया । साथ ही साथ उन सभी प्रशिक्षुओं के प्रथम बैच के प्रशिक्षण समाप्त होने के उपरांत मंगलवार दिनांक 05 अगस्त को परीक्षा भी आयोजित किया गया। सभी विद्यार्थियों को कार्यशाला के माध्यम से सिलाई से संबंधित तरह तरह की जानकारी एवं इसकी महत्व के बारे में बताया गया। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को सिंगर कंपनी के तरफ से प्रमाण पत्र दिया जाएगा जिससे वे भी आगे चल कर कुछ स्व-रोजगार के लिए लाभान्वित हों सकेंगे।

जल जमाव वाले स्थलों से जल निकासी के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

मधुबनी, (ईएमएस)। वर्तमान में मधुबनी जिला में हो रही वर्षा के कारण मधुबनी जिला अंतर्गत नगर निकाय क्षेत्रों में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विशेषकर शहरी क्षेत्रों की सड़कों पर जलभराव के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। जिससे लोगों को आवाजाही में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव से उत्पन्न समस्याओं को शीघ्र निराकरण के लिए जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी ने नगर निगम, नगर परिषद तथा नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जमाव वाले स्थानों, सड़कों से जल निकासी के लिए आवश्यकतानुसार डिवाटरिंग पम्प की व्यवस्था अविलंब सुनिश्चित की जाए। साथ ही, जलजमाव की स्थिति पर सतत निगरानी के लिए नगर निकाय कार्यालय में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर 24x7 घंटे रोस्टर वार प्रतिनियुक्ति के साथ संचालन करने को कहा गया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि नियंत्रण कक्ष का दूरभाष, मोबाइल नंबर का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि जल निकासी कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जिला पदाधिकारी ने सभी नगर निकायों को जल निकासी कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन साझा करने एवं किए जा रहे कार्यों की फोटोग्राफ्स के साथ वाट्सएप ग्रुप पर अपडेट सुनिश्चित करने को भी कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जल जमाव की समस्या के त्वरित निराकरण के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क एवं प्रतिबद्ध है तथा आम जनता को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रत्येक विधानसभा में छात्रों के लिए बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी, कैबिनेट की बैठक में मसौदे को मिली मंजूरी

पटना : राज्य सरकार बच्चों को डिजिटल तरीके से शिक्षा देने पर अब खासतौर से फोकस करने पर जोर दे रही है। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए छात्रों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन की सुविधा प्रदान कराई जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री डिजिटल लाइब्रेरी योजना (एमएमडीएलवाय) का क्रियान्वयन किया जाना है। कैबिनेट से इसके प्रस्ताव पर मंजूरी देते हुए 94 करोड़ 50 लाख 47 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके संचालन के लिए सुपरवाइजर और तकनीकी इनचार्ज की व्यवस्था की जाएगी। प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र में 10 कंप्यूटर टर्मिनल लगाए जाएंगे। इसके अलावा विद्युत और हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी लगाई जाएगी। 10 कंप्यूटर को लगाने के लिए कम से कम 300 वर्गफूट का क्षेत्र की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय परिसर, नगर परिषद भवन, विकासन भवन, कम्यूनिटी लाइब्रेरी के अलावा जिन सरकारी स्कूल या कॉलेज परिसर में अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हो, तो इसे स्थापित करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र की स्थापना पटना जिला में किया जाएगा। इस केंद्र में 60 कंप्यूटर एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्रीय मॉडल लाइब्रेरी केंद्र में 50 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जाएगी। भागलपुर के पीरपैंती में बनने वाले सौर ऊर्जा प्लांट के स्थान पर अब ताप विद्युत परियोजना की स्थापना की जाएगी। बिहार राज्य पॉवर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड को लीज पर उपलब्ध कराई गई भूमि को टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली की प्रक्रिया से न्यूनतम निविदादाता को निबंधन एवं मुद्रांक शुल्क की अदायगी पर इसे दिया जाएगा। लीज की समान शर्तों यानी 1 रुपये प्रतिवर्ष के सांकेतिक दर पर 33 वर्षों या बिजली आपूर्ति एकरारनामा अवधि (जो न्यूनतम होगी) की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। यहां 800 मेगावाट क्षमता की 3 यूनिटें स्थापित की जाएगी। देश के दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों से दुर्गा पूजा, छठ समेत ऐसे अन्य पर्व-त्योहार के मौकों पर आने वाले लोगों को सुविधा देने के लिए पीपीपी मोड पर अंतरराज्यीय बस परिवहन कराया जाएगा। इसके तहत निजी बस ऑपरेटरों को पीक सीजन में प्रति सीट 150 रुपये और ऑफ सीजन में 300 रुपये प्रति सीट प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम और निजी बस ऑपरेटरों से बस परिचालन के लिए 5 वर्ष के लिए एकरारनामा किया जाएगा। पांच वर्षों के लिए इन्हें 35 करोड़ 64 लाख रुपये एवं योजना के सुचारू रूप से संचालन के लिए आकस्मिकता मद में योजना लागत 2 प्रतिशत अर्थात 71 लाख 28 हजार रुपये समेत 36 करोड़ 35 लाख 28 हजार रुपये व्यय किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7 करोड़ 27 लाख 6 हजार रुपये का व्यय बिहार आकस्मिक निधि से किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार देने के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके तहत नालंदा के हरनौत एवं चंडी अंचल में संयुक्त रूप से 524.95 एकड़ जमीन, मुजफ्फरपुर के पारू, भोजपट्टी, हरपुर, विशुनपुर सरैया में कुल रकवा 700 एकड़ जमीन, सुपौल के सरायगढ़-भपटीयाही के सरायगढ़ मौजा एवं पिपरा के विशुनपुर मौजा के लिए 498.06 एकड़ जमीन, कटिहार के मनसाही अंचल में 252 एकड़ जमीन और औरंगाबाद के कुटुंबा अंचल के विभिन्न मौजा में 441 एकड़ जमीन का अधिग्रण किया जाएगा। ये सभी जमीन का अधिग्रहण आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार के स्तर से किया जाएगा। इस वर्ष विधानसभा चुनाव में राज्यभर में मौजूद 90 हजार 712 मतदाना केंद्रों पर प्रति मतदान केंद्र दो कैमरा स्थापित करने, वेबकास्टिंग करने समेत अन्य कार्यों के लिए 154 करोड़ 30 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। रा बिहार परिवहन क्षेत्रीय आशुलिपिक संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवाशर्त) नियमावली-2025 को स्वीकृत किया गया है। इसके तहत क्षेत्रीय आशुलिपिक संवर्ग के पदों पर नियुक्ति एवं प्रोन्नति की कार्रवाई की जाएगी। ज्य की नगरपालिका क्षेत्रों में नए पेट्रोल पंप एवं सीएनजी स्टेशनों के निर्माण के लिए अब न्यूनतम भूखंड का आकार 20 मीटर लंबाई और 20 मीटर चौड़ाई की जरूरत है। सा जमुई जिला में मैग्नेटाइट (लौह अयस्क) के मजोस एवं भंटा ब्लॉक की ई-नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य की स्वीकृति दी गई है। र्वजनिक जन वितरण प्रणाली की दुकानों के लिए अब प्रत्येक सोमवार के अलावा 26 जनवरी, 15 अगस्त एवं 2 अक्टूबर के साथ-साथ छठ पूजा, दुर्गापूजा (नवमी एवं दशमी) और ईद के अवसर पर छुट्टी रहेगी।

थरूर, मनीष के बाद कीर्ति चिदंबरम ने राष्ट्रीय हित को प्रथम बताया

राहुल गांधी की रणनीति के उलट, क्या ये बयान के शीर्ष नेतृत्व को चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। इनदिनों कांग्रेस (आईएनसी) के भीतर एक नया बदलाव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति चितंबरम जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी लाइन से हटकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं। इस बीच, कार्ति चितंबरम का हालिया बयान ने कांग्रेस पार्टी में एक नई बहस छेड़ दी है। कार्ति चिदंबरम का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस के भीतर ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से असहमति जता चुके है। कार्ति ने पोस्ट में लिखा, हमें अपने राष्ट्रीय हित में काम करना चाहिए, न कि आवेगशील राष्ट्राध्यक्षों के चिड़चिड़ाहट भरी बातों से प्रभावित हो जाना चाहिए। कार्ति की यह टिप्पणी भारतीय विदेशी सरकार के उस बयान के जवाब में आई, जिसमें रूस से तेल आयात को लेकर यूरोपीय संघ और अमेरिका की आलोचना का जवाब दिया गया था। कांग्रेस नेता कार्ति का पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रहार माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भारत को रूस से सैन्य और ऊर्जा खरीद के लिए आड़े हाथों लिया था। कीर्ति की पोस्ट को लेकर अब सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं, जहां कुछ यूजर्स ने बयान को राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती' करार दिया, वहीं कुछ ने इन बयानों को 'कांग्रेस में नई सोच' की शुरुआत बताया।

इसके पहले, शशि थरूर और सांसद मनीष तिवारी ने भी राष्ट्रीय हित को पार्टी हित से ऊपर रखने की बात कही थी। शशि थरूर जिनसे आजकल कांग्रेस आलाकमान के करीबी नेता नाराज चल रहे है। उन्हें हाल के दिनों में कई बार भारत की विदेश नीति की तारीफ करते दिखे हैं। उन्होंने रूस और अमेरिका के साथ संतुलित रिश्तों की वकालत की है। इसी तरह, मनीष तिवारी ने संसद में चर्चा के दौरान कहा कि भारत को अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति अपनानी चाहिए, भले ही यह पार्टी के कुछ नेताओं की राय से मेल न खाए।

लेकिन कांग्रेस के इन नेताओं का बयान राहुल गांधी की बातों के उलट दिखाता है। पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक राहुल गांधी केंद्र की नरेंद्र मोदी की नीतियों पर सवाल खड़े करते रहे हैं। इसके पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और रूस को 'डेड इकॉनमी' कहा था, तब भी इस पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर कई प्रश्न उठे थे। राहुल गांधी ने ट्रंप की इस बात को सही बताकर भारत की अर्थव्यवस्था को मृत करार दिया था। उनके इस बयान की खूब आलोचना हुई थी। इस हिसाब से थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति का राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने का रुख कांग्रेस में एक नई बहस छेड़ सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या राहुल गांधी बदलाव को स्वीकार करते हैं, या वे इन बयान को अपने नेतृत्व के लिए चुनौती के रुप में स्वीकार करते है। पार्टी के लिए यह समय आत्ममंथन का है।

क्या वह राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाएगी या अपनी आंतरिक एकता को प्राथमिकता देगी? आने वाले दिनों में ही सवाल का जवाब साफ हो सकेगा कि क्या राहुल गांधी नाराज होते हैं या वे इस नई सोच को अपनाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

एमसीयू के मनोज की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'परिवर्तन' को मिला प्रथम पुरस्कार

भोपाल,(ईएमएस)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'परिवर्तन गाँव की कहानी, सिनेमा की जुबानी' को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा आयोजित 6वें राष्ट्रीय फिल्म फेस्टीवल में पहला पुरस्कार मिला है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में देशभर के प्रतिभागियों ने अपनी फिल्में प्रस्तुत कीं, जो ग्रामीण विकास से जुड़ी कहानी कहती हैं।
यह फिल्म 'समाज' थीम में पुरस्कृत हुई है। इस साल के फेस्टिवल का मुख्य विषय 'पारिवारिक जीवन, समाज और आर्थिक व्यवस्था' था। डॉ. पटेल ने अपनी फिल्म 'परिवर्तन' में गांव में आए सामाजिक और आर्थिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय सिनेमा में गांव की प्रस्तुतियों में आए बदलावों को बहुत ही प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया है। फिल्म 'परिवर्तन' का निर्देशन एवं संपादन डॉ. मनोज पटेल ने किया है, वहीं इसकी पटकथा डॉ. केशव पटेल ने लिखी। डॉक्यूमेंट्री को संदीप शर्मा ने अपनी आवाज दी है। मनोज का कहना है कि फिल्म को मिले पुरस्कार ने ग्रामीण विकास और सिनेमा के क्षेत्र में काम करने वाले सभी कलाकारों और तकनीशियनों को नई प्रेरणा दी है। उल्लेखनीय है कि ग्राम विकास पर उनकी फिल्म 'बाचा : द राइजिंग विलेज' और 'गो-वर' भी पुरस्कृत एवं सराहनीय हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपना शोध कार्य भी सिनेमा पर ही पूर्ण किया है।

सड़क हादसे में जीएसटी अधिकारी की मौत, पत्नी और कार ड्राइवर घायल

कन्नौज,(ईएमएस)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किमी 141 पर सोमवार रात हादसे में जीएसटी अधिकारी अनुभव सिंह भदौरिया उनकी पत्नी रूपा सिंह और कार चालक अंकित कुमार घायल हो गए। तीनों को सैफई में भर्ती कराया गया। वहां मंगलवार सुबह अनुभव सिंह भदौरिया की उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक वह सफारी कार से आगरा से लखनऊ जा रहे थे। कार की गति करीब 100 किमी प्रति घंटा थी। पुलिस के मुताबिक अनुभव सिंह कार में आगे चालक के बगल में बैठे थे। जबकि पत्नी पीछे वाली सीट पर बैठी थीं। अनुभव सीट बेल्ट नहीं लगाए थे। उनकी तैनाती मथुरा में थी। हादसे की वजह चालक को झपकी आना माना जा रहा है, जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद खाई में गिर गई। सोमवार रात हादसे की जानकारी होने पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी घायलों का हालचाल लेने पहुंच गए थे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भारत विरोधी मानसिकता रखने वाले!

बीजेपी सांसद कंगना ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद लगाए आरोप

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत-चीन सीमा पर झड़पों के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने कांग्रेस सांसद पर भारत विरोधी मानसिकता रखने और दुश्मन देशों के आख्यानों के साथ जुड़ने का आरोप लगाया है। कंगना ने राहुल गांधी पर पलटवार किया जब सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता को भारतीय सेना पर उनकी टिप्पणी के लिए फटकार लगाई। उन्होंने आरोप लगाया कि वह हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं, चाहे वह अर्थव्यवस्था हो या रक्षा बल। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस यात्रा में उन्होंने कहा था कि 16 दिसंबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर चीनी सेना ने भारतीय सेना को पीटा था। रनौत ने कहा सुप्रीम कोर्ट की फटकार स्वागत योग्य कदम है। भविष्य में दूसरों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे भारत के सम्मान, अखंडता और मनोबल को ठेस न पहुंचाए। कंगना ने कहा कि 29 मई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मानहानि की शिकायत और समन आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया था, जिसके बारे में राहुल गांधी ने दावा किया था कि यह दुर्भावना से प्रेरित और बेईमान इरादे से दायर किया गया था। कार्यवाही पर रोक लगाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने गांधी की टिप्पणियों के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि आप एक सच्चे भारतीय होते, तो आप यह सब नहीं कहते।

सुप्रीम कोर्ट बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन मामले में 8 अगस्त को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 8 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन मामले में सुनवाई करने वाला है। मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से दायर याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से सुनवाई टालने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि याचिकाकर्ताओं को भी अपने सुझाव देने का मौका मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस अनुरोध को स्वीकार कर सुनवाई को 8 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया। वहीं मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) के. एम. नटराज ने अध्यादेश का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार का उद्देश्य धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करना नहीं है, बल्कि मंदिर के बेहतर प्रशासन को सुनिश्चित करना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बांके बिहारी मंदिर के ऐतिहासिक महत्व और रोज़ाना आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को देखते हुए मंदिर के कोष में संभावित कुप्रबंधन को रोकना ज़रूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही एक समिति बनाने का संकेत दिया था। इस समिति की अध्यक्षता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज या किसी वरिष्ठ जिला न्यायाधीश को सौंपी जा सकती है। यह समिति मंदिर के कोष और खर्चों की निगरानी करेगी। याचिकाकर्ताओं ने बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के 2025 के अध्यादेश को चुनौती दी है। उन्होंने कोर्ट से 15 मई के फैसले को भी वापस लेने की मांग की है, जिसमें सरकार को कॉरिडोर के लिए मंदिर के पैसे का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई थी।

18 माह चली शादी के लिए 18 करोड़ की एलिमनी, ये बात कुछ हजम नहीं होती

सुप्रीम कोर्ट ने गुजारे भत्ते को लेकर सुनाया फैसला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तलाक के एक मामले में गुजारे भत्ते (एलिमनी) को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मामले में एक महिला ने अपने पूर्व पति से 12 करोड़ और मुंबई के एक महंगे फ्लैट की मांग की थी, जबकि उनकी शादी सिर्फ 18 महीने ही चली थी।

इस मामले में सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने महिला की मांग पर कहा कि 18 महीने की शादी के बदले 18 करोड़ की मांग करना कही से भी तर्कसंगत नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या आप शादी के हर महीने के लिए 1 करोड़ चाहती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने महिला से उनकी शिक्षा के बारे में पूछा, जिस पर उन्होंने बताया कि उन्होंने एमबीए किया है और पहले आईटी सेक्टर में काम कर चुकी हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर आप शिक्षित हैं और काम कर सकती हैं, तब आपको नौकरी करनी चाहिए।
सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कर सीजेआई गवई ने स्पष्ट किया कि जो लोग काम करने के लिए योग्य हैं, वे जानबूझकर बेरोजगार नहीं रह सकते ताकि गुजारे भत्ते के रूप में बड़ी रकम की मांग कर सकें। सुप्रीम कोर्ट ने महिला को सलाह दी कि उन्हें खुद कमाना चाहिए और सम्मान के साथ जीवन जीना चाहिए।
इसके बाद दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने महिला के पति को निर्देश दिया कि वह महिला को मुंबई का एक फ्लैट दे दें और इस तरह इस एलिमनी केस को बंद कर दिया जाए। इसके अलावा, अदालत ने कहा कि अगर महिला चाहे, तब फ्लैट लेने के बजाय एकमुश्त 4 करोड़ की रकम लेकर समझौता कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि महिला उस संपत्ति में हक नहीं मांग सकती जो उसके पूर्व पति के नाम पर नहीं, बल्कि उसके पिता के नाम पर है।

सत्यपाल मलिक बेखौफ और निडर होकर अपनी बात रखने वाले विरले नेता थे

पूर्व राज्यपाल के निधन पर आप नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को 79 साल की उम्र में दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के कई नेताओं ने दुख जताया है। केजरीवाल ने मलिक के निधन पर दुख जताते हुए उन्हें सत्ता के सामने सच बोलने वाला नेता बताया। उन्होंने कहा कि वह देशहित के मुद्दों पर बेखौफ और निडर होकर अपनी बात रखने वाले विरले नेताओं में से एक थे। वहीं पूर्व सीएम आतिशी ने सत्यपाल मलिक के निधन को भारतीय राजनीति की एक सधी हुई आवाज का शांत हो जाना बताया।
केजरीवाल ने कहा कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। भारतीय राजनीति ने एक ऐसा व्यक्तित्व खोया है जो सत्ता के सामने भी सच बोलने का साहस रखता था। वे न सिर्फ़ एक अनुभवी राजनेता थे, बल्कि देशहित के मुद्दों पर निडर होकर अपनी बात कहने वाले विरले नेताओं में से एक थे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह कठिन समय सहने की शक्ति दें।
वहीं वरिष्ठ आप नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा- पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन का समाचार बेहद दुःखद है। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में सादगी, स्पष्टवादिता और जनहित के मुद्दों पर अपनी बेबाक राय के लिए हमेशा एक अलग पहचान बनाई। उनका जाना भारतीय राजनीति की एक सधी हुई आवाज का शांत हो जाना है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और परिजनों को यह दुख सहने का साहस दें। उधर आम आदमी पार्टी ने मलिक के निधन पर शोक जताते हुए लिखा कि ॐ शांति जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल व देशहित में मजबूती से अपनी आवाज उठाने वाले नेता सत्यपाल मलिक का निधन अत्यंत दुःखद है। प्रभु उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।
बता दें सत्यपाल मलिक अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय, ओडिशा और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के पदों पर रहे। मलिक का निधन दोपहर एक बजकर 12 मिनट पर दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में हुआ। उनके स्टाफ ने बताया कि वह लंबे समय से अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थे और कई बीमारियों की वजह से उनका इलाज किया जा रहा था।

नेत्रावती नदी के किनारे एक और कंकाल मिला, पूर्व सफाई कर्मचारी के दावे

नए कंकाल के साथ एक साड़ी का टुकड़ा भी मिला

बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक के बेंगलुरु में एसआईटी को नेत्रावती नदी के किनारे एक और कंकाल मिला है। यह कंकाल एक पूर्व सफाई कर्मचारी के दावे के बाद चल रही खुदाई में मिला है। कर्मचारी का दावा है कि 1995 से 2014 के बीच कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। इस नए कंकाल के साथ एक साड़ी का टुकड़ा भी मिला है, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो गया है।
एक पूर्व सफाई कर्मचारी के दावे पर यह खुदाई शुरू हुई थी। कर्मचारी ने 11 इसतरह के स्थानों की पहचान की थी, जहां उसने शवों को दफनाया था। अभी तक 10 स्थानों पर खुदाई हो चुकी है, जिसमें से दो (छठा और 11वां) स्थानों पर मानव अवशेष मिले हैं। छठे स्थान पर कुछ हड्डियां मिली थीं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। 11वें स्थान पर मिले कंकाल के साथ लाल साड़ी के टुकड़े भी मिले हैं। एक पेड़ पर बंधी साड़ी को देखकर आत्महत्या की भी आशंका जाहिर की जा रही है, जिसकी जांच एसआईटी कर रही है। कर्मचारी ने 3 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद एफआईआर दर्ज हुई और 11 जुलाई से एसआईटी ने जांच शुरू की। कर्मचारी ने अपनी सुरक्षा के लिए गवाह संरक्षण की मांग की है और उसकी पहचान गोपनीय रखी गई है। यह मामला कर्नाटक के प्रमुख तीर्थ स्थल धर्मस्थला में सामने आया है, जिससे पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। जैन समुदाय ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे जैन शासकों को बदनाम करने की कोशिश बताया है।

स्टार आमिर खान ने छोड़ा आलीशान घर, बांद्रा वेस्ट में हुए शिफ्ट

-चार लग्जरी अपार्टमेंट्स किराए पर लिए चुकाएंगे 24.5 लाख रुपए किराया

मुंबई,(ईएमएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने मुंबई के बांद्रा वेस्ट में कुछ दिनों के लिए शिफ्ट होने का फैसला किया है। उन्होंने पाली हिल में चार लग्जरी अपार्टमेंट्स किराए पर लिए हैं, जिनका महीने का किराया 24.5 लाख रुपए है। रिपोर्ट में इसका कारण बताया कि आमिर खान के विर्गो हाउसिंग सोसाइटी में मौजूद फ्लैट्स में इन दिनों हाई-प्रोफाइल रीडेवलपमेंट का काम चल रहा है।
रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान ने मई 2025 से मई 2030 तक के लिए पांच साल का लीज एग्रीमेंट साइन किया है, जिसमें 45 महीने की लॉक-इन अवधि शामिल है। इस डील में 1.46 करोड़ रुपए से ज्यादा का सिक्योरिटी डिपोजिट, चार लाख रुपए की स्टांप ड्यूटी और 2,000 रुपए की रजिस्ट्रेशन फीस शामिल है। हर साल किराए में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी।
बताया जा रहा है कि विर्गो कॉम्प्लेक्स अब अल्ट्रा-प्रीमियम सी-फेसिंग रेसिडेंसेज के साथ तैयार किया जा रहा है, जिनकी कीमत एक लाख रुपए प्रति वर्ग फुट से भी ज्यादा होने की उम्मीद है। कुछ नए यूनिट्स की अनुमानित कीमत 100 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। फिलहाल आमिर खान का नया अस्थायी ठिकाना विल्नोमोना है, जो पूजा कासा से सिर्फ 750 मीटर की दूरी पर है। जहां इन दिनों शाहरुख खान अपने परिवार के साथ रह रहे हैं, जब तक कि उनके बंगले मन्नत की मरम्मत का काम पूरा नहीं हो जाता।
बता दें आमिर खान ने हाल ही में फिल्म 'सितारे जमीन पर' के साथ कमबैक किया। दुनियाभर में इस फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। अब वह राजकुमार हिरानी की बायोपिक में दादासाहेब फाल्के की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसके अलावा वह फिल्म 'लाहौर 1947' को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। इसके बाद आमिर खान फिल्म 'कुली' में कैमियो रोल में नजर आएंगे। इसमें रजनीकांत टाइटल रोल निभा रहे हैं, जो एक मसाला एंटरटेनर फिल्म है।

मलयालम फिल्मों के मशहूर स्टार शानवास का निधन, इंडस्ट्री में छाया शोक

करीब 96 फिल्मों में किया काम, दर्शकों को अपनी अदाकारी से दीवाना बनाया

चेन्नई,(ईएमएस)। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने मलयालम अभिनेता और सुपरस्टार प्रेम नजीर के बेटे शानवास का निधन हो गया है। वह किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। सोमवार देर रात उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। उन्होंने 71 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके निधन से मलयालम सिनेमा में शोक की लहर है। फैंस और फिल्म जगत से जुड़े लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शानवास का जन्म एक फिल्मी परिवार में हुआ था। उनके पिता प्रेम नजीर मलयालम सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक थे। शानवास ने अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए फिल्मों में कदम रखा और खुद को एक अच्छे अभिनेता के रूप में साबित किया। उन्होंने 1981 में अपने करियर की शुरुआत फिल्म प्रेमगीथंगल से की, जिसमें उन्होंने अजित की भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। 1982 में उन्होंने आशा में बोबन का किरदार निभाया और उसी साल कोरिथारिचा नाल, माइलानजी, गानम, इवान ओरु सिम्हम, और इरत्तिमधुरम जैसी फिल्मों में भी अभिनय किया। 1983 में आधिपत्यम, रथिलायम, न्यायमूर्ति राजा, माझा नीलावु, ई युगम, नमस्ते मैडम, प्रथिंज, प्रसन्नम गुरुतारम, मनियारा और मौन रागम जैसी फिल्मों में उनकी सक्रियता नजर आई। 1984 में अम्मे नारायण, कदमत्तथाचन, निंगालिल ओरु स्त्री, उमानिलयम और वेलिचामिल्लाथा वीधी जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया। 1985 में उयिरथेझुननेलप्पु, मुख्यमंत्री, शांतम भीकाराम, ओरिक्कल ओरिडाथु, आझी, ओन्नम प्रथी ओलिविल जैसी फिल्मों में उनका अभिनय देखा गया। 1986 में भगवान और 1987 में तमिल फिल्म जाठी पुक्कल के साथ-साथ एल्लावार्ककुम नानमकल और मंगल्याचारथु में भी वे नजर आए। 1988 में उनकी चर्चित फिल्म चित्रम आई जिसमें उन्होंने रवि का किरदार निभाया।

सदन कौन चला रहा है? आप या अमित शाह : खरगे

नई दिल्ली। राज्यसभा का सत्र मंगलवार को भी हंगामेदार रहा। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति पर ही सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का नाम लेकर सवाल किया कि सदन कौन चला रहा है? खरगे के इस बयान से सदन में जमकर नारेबाजी हुई। उपराष्ट्रपति पद से अगस्त में जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह पद पर असीन हैं।
रिपोर्ट्स के अनुसार, खरगे ने कहा, हमारे पुराने नेताओं ने भी माना है कि व्यवधान डालना भी लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आज मैं आपसे एक बाद पूछना चाहता हूं कि सदन कौन चला रहा है? आप या केंद्रीय गृहमंत्री शाह। इस पर उपसभापति सिंह ने जवाब दिया, ये एकदम गलत आरोप हैं। एसआईआर को वापस लेने की मांग कर रहे विपक्षी दलों ने राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया। इसकारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करना पड़ी। उप सभापति हरिवंश ने जरूरी विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद सदस्यों को बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के 34 नोटिस मिले हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी नोटिस नियमों के अनुरूप नहीं हैं इसलिए स्वीकार नहीं है।

नीति आयोग ने आईईएमआई किया लॉन्च इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में देगा बढ़ावा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नीति आयोग ने भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स (आईईएमआई) लॉन्च किया है। आईईएमआई अपनी तरह का पहला उपकरण है, जिसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लक्ष्यों को हासिल करने में प्रगति को ट्रैक और बेंचमार्क करने के लिए डेवलप किया है। आईईएमआई तीन मुख्य विषयों में आने वाले 16 संकेतकों के आधार पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ट्रैक करता है और 100 में से अंक देता है। ये तीन मुख्य विषय बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए परिवहन में इलेक्ट्रीकरण में हुई प्रगति, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में हुए विकास को ट्रैक करने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की तैयारी और ईवी रिसर्च एंड इनोवेशन का स्टेटस की स्थिति हैं। आईईएमआई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मूल्यांकन को सक्षम बनाता है, सफलता के प्रमुख कारकों के साथ-साथ लक्षित हस्तक्षेप की जरुरत वाले क्षेत्रों की पहचान करता है। इस इंडेक्स का उद्देश्य फैसले लेने में मदद करना, राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान करना है। यह इंडेक्स भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी विजन को हासिल करने में राज्य-स्तरीय समन्वय, इंटीग्रेटेड योजना और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग के महत्व को बताता है।

इंडेक्स का उद्देश्य शक्तियों और कमियों की पहचान कर स्थानीय जरुरतों को पूरा करते हुए राज्यों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने में मदद प्रदान करना है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि नीति आयोग पहले से ही चल रही ईवी क्रांति को सक्षम बनाने में अग्रणी रहा है। यह इंडेक्स भारत को कार्बन मुक्त और ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य के अपने दृष्टिकोण की ओर अग्रसर करने के लिए नीति आयोग का एक नया प्रयास है। नीति आयोग ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 200 अरब डॉलर के अवसर का द्वार खोलना पर एक रिपोर्ट भी जारी की, जो वर्तमान चुनौतियों व्यापक आकलन प्रस्तुत करती है और साथ ही भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी परिवर्तन में तेजी लाने के लिए जरुरी प्रमुख मार्गों पर प्रकाश डालती है।
भारत 2030 तक बेचे जाने वाले कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की 30 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करना चाहता है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 2016 में 50,000 से बढ़कर 2024 में 2.08 मिलियन हो गई थी, जबकि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 2016 में 918,000 से बढ़कर 2024 में 18.78 मिलियन हो गई। भारत में बदलाव की शुरुआत धीमी रही है, लेकिन यह गति पकड़ रहा है। 2020 में भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच वैश्विक पहुंच का केवल पांचवां हिस्सा थी, लेकिन 2024 में यह 40 फीसदी हिस्से से भी ज्यादा हो गई। आईईएमआई डैशबोर्ड और रिपोर्ट लॉन्च करते हुए नीति आयोग के सदस्य ने कहा कि आईईएमआई विद्युतीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन जैसे प्रमुख विषयों में प्रगति का आकलन करने के लिए एक पारदर्शी, तुलनात्मक फ्रेमवर्क तैयार करता है। यह राज्यों को अपने प्रयासों का मूल्यांकन करने, कमियों की पहचान करने और एक-दूसरे की सफलताओं से सीखने में योग्य बनाता है।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

मोदी-शाह की राष्ट्रपति से मुलाकात

भाजपा सांसद उपराष्ट्रपति के चुनाव में कर सकते हैं बगावत?

केंद्रीय चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। नामांकन और नाम वापसी 25 अगस्त तक हो जाएगी। 25 अगस्त से लेकर 9 सितंबर तक का समय प्रधानमंत्री मोदी के लिए भारी पड़ने जा रहा है। लोकसभा और राज्यसभा के संसद सदस्य उपराष्ट्रपति के लिए मतदान करते हैं जिस तरह से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में तनाव बना हुआ है। जिस तरह से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा हुआ है। धनखड़ का इस्तीफा होने के बाद ना तो उनका फेयरवेल हुआ है, नाही यह पता लग रहा है, कि वह कहां पर किस हाल में हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव टलता चला आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर तल्खी बनी हुई है। संसद के मानसून सत्र में कोई काम नहीं हो पा रहा है। केवल ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में 16-16 घंटे की चर्चा हुई है। विपक्ष बिहार में चल रही मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण को लेकर संसद के दोनों सदनों में चर्चा कराना चाहता है। सरकार चर्चा करने से बच रही है। जिसके कारण सदन की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। चुनाव आयोग और भाजपा को लेकर भी विपक्ष हमलावर है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर विपक्ष ने जिस तरह की चुप्पी साध रखी है। यह चुप्पी सरकार के लिए हैरान कर रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, मोदी सरकार के लिए मुसीबत बने हुए हैं। वह हर दिन कोई ना कोई बयान भारत के बारे में देते हैं। जिसमें या तो टैरिफ होता है या भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर कराने की बात होती है। जिसके कारण सरकार को बचाव की मुद्रा में रहना पड़ता है। इसका फायदा विपक्ष के साथ-साथ भाजपा के अंदर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से अलग लाबी है। वह भी समय-समय पर जो बयानबाजी कर रही है। उससे भी सरकार की मुश्किलें बढ़ रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक का दबाव पहले से ही बना हुआ है। उपराष्ट्रपति के चुनाव के पहले संघ परिवार चाहता है, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में भाजपा के सांसद विद्रोह कर सकते हैं। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विहिप जारी नहीं हो सकता है। जिसके कारण बगावत की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। दिल्ली में जिस तरह की चर्चाएं हो रही हैं। उसके अनुसार संघ को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर गुजराती लावी का कोई आदमी स्वीकार नहीं है। संघ अपने भरोसेबंद व्यक्ति को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर लाने के लिए अडिग है। जिसके कारण मोदी-शाह हैरान और परेशान हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस तरह की राजनीतिक हलचले हो रही हैं। उसमें ऊंट किस करवट बैठेगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं लग पा रहा है। हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बिहार में मतदाता सूची के गहन परीक्षण को लेकर अपनी आपत्ति जताई थी। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर कोलकाता में जो बयान दिया है। उससे सरकार की चिंता बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव नहीं है। वह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में पूर्ण बहुमत की सरकार के मुखिया रहे हैं। पहली बार वह गठबंधन की सरकार के मुखिया हैं। जिस तरह से एनडीए के सहयोगी दल भी उन्हें आंखें दिखा रहे हैं। यह स्थिति उनके लिए बिल्कुल नई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा ऐसे समय पर हुआ है। जब सरकार के सामने सबसे ज्यादा चुनौतियां थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी चुनौतियां मिल रही हैं। इस स्थिति में संकट मोचक के रूप में राष्ट्रपति ही उनकी कोई मदद कर सकती हैं। एक ही दिन में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का राष्ट्रपति से मिलने से दिल्ली का राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गया है। वहीं चुनाव आयोग को लेकर देश में जिस तरह से माहौल बन रहा है। उसने भी मोदी और शाह की चिताओं को बढ़ा दिया है। केंद्र की सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा। इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगने लगे हैं। राम और रावण युद्ध के समय रावण की कैद में सभी नौ ग्रह थे। लेकिन जब रावण का समय बदला, ऐसी स्थिति में उन नौ ग्रहों ने भी पाला बदल दिया। जो अंततः अहंकारी रावण के वध का कारण बना। उपराष्ट्रपति पद का चुनाव मोदी-शाह के गले में हड्डी की तरह फंस गया है। भगवान जाने आने वाले समय में सरकार और देश की राजनीति में क्या बदलाव होगा।

उत्तराखंड में पंचायत चुनावः भारत में जमीनी लोकतंत्र की तस्वीर

देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

भारत में लोकतांत्रिक शासन की परंपरा प्राचीन काल से रही है। वैशाली गणराज्य को इसका प्रमुख उदाहरण माना जाता है। इसी तरह, आज के ग्रामीण भारत में प्रचलित पंचायत प्रणाली की जड़ें भी वैदिक युग में मिलती हैं। पंचायत शब्द पंच यानी पाँच से बना है — पाँच सदस्यीय ग्राम समिति, जो गांव के विवादों का समाधान करती थी और जिसका निर्णय पूरे गांव द्वारा स्वीकार किया जाता था।

ब्रिटिश शासन के दौरान पंचायत व्यवस्था को औपनिवेशिक प्रशासन में शामिल कर लिया गया। इसका उपयोग राजस्व वसूली और भूमि अधिग्रहण के लिए किया गया। वन कानूनों और नीतियों ने भी पंचायतों के भूमि रिकॉर्ड और गांव की सीमाओं पर निर्भरता दिखाई। उत्तराखंड के कई वन आंदोलन इन्हीं औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ उपजे।

स्वतंत्रता के बाद, संविधान के नीति निदेशक तत्वों में पंचायत व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा दी गई। इसमें कहा गयाः राज्य ग्राम पंचायतों का गठन करेगा और उन्हें स्वशासन की इकाई के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक अधिकार और शक्तियाँ प्रदान करेगा। यह भारत में जमीनी लोकतंत्र की नींव बनी।

1957 में बलवंत राय मेहता समिति ने त्रिस्तरीय पंचायत राज प्रणाली की सिफारिश की — ग्राम पंचायत, पंचायत समिति (ब्लॉक स्तर पर) और जिला परिषद।

ग्राम प्रधानों का चुनाव सीधे जनता द्वारा होता है, लेकिन ब्लॉक और जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है। यह अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली अक्सर पैसे और राजनीतिक दबाव का माध्यम बन जाती है। इसलिए यह मांग उठ रही है कि इन पदों का भी प्रत्यक्ष चुनाव हो।

1992 के 73वें और 74वें संविधान संशोधन ने पंचायत राज संस्थाओं को और अधिक अधिकार प्रदान किए, साथ ही महिलाओं और वंचित वर्गों को आरक्षण भी सुनिश्चित किया।

2025 के पंचायत चुनाव उत्तराखंड में जमीनी लोकतंत्र की जीवंत मिसाल हैं। यद्यपि पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा शराब और नकदी जब्त की गई है, जो मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास को दर्शाती है, परंतु एक शिक्षित राज्य जैसे उत्तराखंड में ऐसा प्रभाव पड़ना कठिन लगता है। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं से बातचीत से स्पष्ट होता है कि शराब का उपभोग भले ही हो रहा हो, लेकिन इससे मतदाता अपने निर्णय नहीं बदल रहे।

हालाँकि पंचायत चुनावों में राजनीतिक दलों के चिन्ह नहीं दिए गए हैं, परंतु दलों ने अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं, और ये उम्मीदवार प्रचार सामग्री में पार्टी का नाम और समर्थन खुलेआम प्रयोग कर रहे हैं।

कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चुनाव से पहले अनैतिक गतिविधियों की ओर ध्यान दिलाया, लेकिन 24 जुलाई को हुए पहले चरण का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। चिंता का विषय यह है कि चुनाव में अधिकतर उम्मीदवार व्यवसायिक पृष्ठभूमि से हैं या ठेकेदार हैं। इससे जमीनी नेतृत्व के विकास में बाधा आ सकती है, और वर्षों से पार्टी के लिए कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं में असंतोष पनप रहा है।

27 जुलाई को होने वाले दूसरे चरण के चुनाव से पहले स्पष्ट है कि सभी चुनौतियों के बावजूद, भारत में जमीनी लोकतंत्र जीवंत और सशक्त बना हुआ है। उत्तराखंड की चुनावी हलचल, प्रचार की गूंज और लोगों की भागीदारी यह सिद्ध करती है कि लोकतंत्र की जड़ें गांव-गांव तक फैली हुई हैं। लेखक एक समाजशास्त्री है और पिछले करीब चालीस सालों से एनजीओएस विकास के क्षेत्र से जुड़े हुएं हैं। वे जेएनयू के छात्र रहे हैं और उनका शोध कार्य नोबेल लॉरेंट प्रोफेसर डॉक्टर अमर्त्य सेन की किताबों मे उल्लेख किया है।

टैरिफ दादागिरी के बीच ‘स्वदेशी’ एक जनक्रांति बने

ललित गर्ग

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ‘दबाव की राजनीति’ और ‘टैरिफ की दादागिरी’ का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने ‘आत्मनिर्भर भारत’ का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को ‘लोकल के लिए वोकल’ बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को ‘मृत अर्थव्यवस्था” तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की ‘ऑक्सीजन’ मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने ‘मृतप्राय’ कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र ‘स्वदेशी’ है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ ‘यहां बनाएं’ तक सीमित नहीं है, यह ‘यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ’ बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का ‘मेक इन इंडिया’ अभियान अब ‘मेड बाय इंडिया’ की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय ज़रूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोज़ी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब ‘स्वदेशी’ एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर।

वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज़ कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी ‘टैरिफ तानाशाहों’ को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

ईसाई-विरोधी हिंसा का बढ़ता ग्राफ

राम पुनियानी

कुछ दिन पहले (26 जुलाई 2025) दो ईसाई ननों को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया गया। उन पर जो आरोप लगाए गए, वे गंभीर थे जबकि मामला केवल इतना था कि उनके साथ तीन महिलाएं थीं, जो नर्स बनने का प्रशिक्षण लेना चाहती थीं। एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सीपीएम की वृंदा करात भी शामिल थीं, को उनसे मिलने में बहुत कठिनाईयां पेश आईं। ननों पर मानव तस्करी एवं धर्मपरिवर्तन करवाने के आरोप लगाए गए। जहां राज्य के मुख्यमंत्री मानव तस्करी एवं धर्मपरिवर्तन के प्रयास के आरोपों पर अड़े हुए हैं, वहीं इन महिलाओं के अभिभावकों ने कहा कि उन्होंने उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर तलाशने के लिए इन ननों के साथ जाने की इजाजत दी थी।

ईसाईयों को किसी न किसी बहाने डराने-धमकाने की घटनाएं पिछले 11 सालों के दौरान तेजी से बढ़ी हैं और यह हिंसा भाजपा शासित राज्यों में अधिक हो रही है। स्थानीय एवं वैश्विक संस्थाओं की कई रपटों में भारत में ईसाईयों के बढ़ते उत्पीड़न पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रार्थना सभाओं पर यह आरोप लगाते हुए हमला किया जाता है कि उनका आयोजन धर्मपरिवर्तन के उद्धेश्य से हो रहा है। दूरदराज के इलाकों में रहने वाले पॉस्टरों और ननों पर हमलों और उत्पीड़न का खतरा कहीं अधिक होता है। बजरंग दल दूरदराज के इलाकों में असहाय ननों और पॉस्टरों पर कानून अपने हाथ में लेकर सीधी कार्यवाही करने में अपनी शान समझता है।

एक अन्य मसला है ईसाईयों के शवों को दफनाने का। ईसाईयों को साझा आदिवासी कब्रिस्तानों में अपने मृतकों को दफन करने से रोका जा रहा है। जैसे, 26 अप्रैल, 2024 को छत्तीसगढ़ में एक 65 वर्षीय ईसाई पुरूष की मौत एक अस्पताल में हो गई। उसके शोकग्रस्त परिवार को तब और अधिक पीड़ा झेलनी पड़ी जब स्थानीय धार्मिक उग्रपंथियों ने उसे गांव में दफनाए जाने में अवरोध खड़े कर दिए और उनसे मांग की कि वे पुनः धर्मपरिवर्तन कर हिंदू धर्म स्वीकार करें। पुलिस के संरक्षण में परिवार ने ईसाई रस्मों एवं रिवाजों के अनुरूप शव को दफनाया। गांव में शांति सुनिश्चित करने के लिए वहां लगभग 500 पुलिसकर्मियों को तैनात करना पड़ा।

ईसाईयों के एक बड़े पंथ के उत्पीड़ित नेता ने 2023 में कहा था, ‘‘हर दिन गिरजाघरों और पॉस्टरों पर चार या पांच हमले होते हैं और हर रविवार यह संख्या दुगनी होकर 10 के करीब पहुंच जाती है। इतने बुरे हालात हमने पहले कभी नहीं देखे।‘। उनके अनुसार भारत में ईसाईयों का प्रमुख उत्पीड़क संघ परिवार है, जो हिंदू उग्रपंथियों का संगठन है। शक्तिशाली अर्धसैनिक और रणनीतिक संगठन आरएसएस, प्रमुख राजनैतिक दल भाजपा और हिंसक युवा संगठन बजरंग दल इसके भाग हैं।

दो प्रमुख संगठन - वैश्विक स्तर पर ओपन डोर्स और भारत में पर्सीक्यूशन रिलीफ – इन अत्याचारों पर नजर रखने का अमूल्य कार्य कर रहे हैं क्योंकि प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया का ज्यादातर हिस्सा या तो इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है या सच्चाई नहीं बताता।

पर्सीक्युशन रिलीफ ने 2020 में जारी अपनी रपट में कहा ‘‘भारत में ईसाईयों के प्रति नफरत के कारण किए जाने वाले अपराधों मे 40।87 प्रतिशत की डरावनी वृद्धि हुई है।।।यह वृद्धि कोविड-19 महामारी का फैलाव रोकने के लिए लगाये गए तीन माह के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बावजूद हुई है‘‘। ओपन डोर्स, जो वैश्विक स्तर पर ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों पर नजर रखता है, के अनुसार भारत विशेष चिंता वाले राष्ट्रों की सूची में 11वें स्थान पर है (2024)।

सुधी सेल्वाराज और कैनेथ नेल्सन का कहना है कि ‘‘इस ईसाई विरोधी हिंसा।।।की विशेषता यह है कि यह।।।सीधी, संरचनात्मक और सांस्कृतिक हिंसा का मिश्रण है, जिसमें स्व-नियुक्त ठेकेदारों के हमले, पुलिस की मिलीभगत, और कानूनों के दुरूपयोग के साथ साथ यह सोच भी शामिल है कि गैर-हिन्दू अल्पसंख्यक राष्ट्र विरोधी होते हैं‘‘।

ईसाई-विरोधी हिंसा के विभिन्न स्वरूपों में बढ़ोत्तरी की व्यापक तस्वीर पिछले कुछ दशकों में अधिकाधिक स्पष्ट नजर आती गई है। ऐसा नहीं है कि यह हिंसा हाल ही में शुरू हुई हो। ज्यादातर मामलों में दूरदराज के इलाकों में यह अन्दर ही अन्दर जारी रही है। मुस्लिम विरोधी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है और यह कई बार विकराल रूप में सामने आई है। इसने बड़े पैमाने पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ईसाई विरोधी हिंसा का स्वरूप (कंधमाल हिंसा और पॉस्टर स्टेन्स को जलाए जाने की घटना को छोड़कर) अलग प्रकार का रहा है। यह चलती रहती है किंतु इसकी ओर आसानी से ध्यान नहीं जाता।

ऐसी पहली बड़ी घटना 1995 में इंदौर में हुई जब रानी मारिया की चाकुओं से गोदकर निर्ममता से हत्या कर दी गई। इसके बाद 1999 में पॉस्टर ग्राहम स्टेन्स की हत्या हुई। वे एक आस्ट्रेलियाई मिशनरी थे और ओडिशा के क्योंझर में काम कर रहे थे। वे कुष्ठ रोगियों की सेवा का काम करते थे। उन पर धर्मपरिवर्तन में शामिल होने का आरोप लगाया गया। उन पर हुए हमले का नेतृत्व बजरंग दल के दारा सिंह ने किया था, जिसने स्थानीय लोगों को उन पर हमला करने के लिए उकसाया। यह अत्यंत भयावह हमला था क्योंकि इसमें उन्हें उनके दो नाबालिग लड़कों टिपोथी और फिलिप के साथ तब जिंदा जला दिया गया था जब वे अपनी खुली जीप में सो रहे थे।

इस हमले को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति के। आर। नारायणन ने ‘दुनिया के सबसे काले कामों में से एक‘ की संज्ञा दी थी। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए-भाजपा सरकार सत्ता में थी। वे इस नतीजे पर पहुंचे कि यह सरकार को बदनाम करने के लिए विदेशी शक्तियों द्वारा रची गई साजिश थी। बाद में वाधवा आयोग की रपट आई जिसमें यह कहा गया कि राजेन्द्र पाल उर्फ दारासिंह प्रमुख षड़यंत्रकर्ता था। वह इस समय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

इसके पहले आरएसएस द्वारा स्थापित वनवासी कल्याण आश्रम यह प्रचार कर रहा था कि ईसाई मिशनरी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने का दिखावा कर रहे हैं। इस संस्था के प्रमुख आश्रम गुजरात के डांग, मध्यप्रदेश के झाबुआ और उड़ीसा के कंधमाल में स्थापित किए गए और स्वामी असीमानंद और स्वामी लक्ष्माणानंद जैसे लोगों ने अपने एजेंडे के मुताबिक प्रचार शुरू किया। इसी दौरान आदिवासियों को हिंदू सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों की ओर आकर्षित करने के लिए कई शबरी कुंभ आयोजित किए गए।

आदिवासी इलाकों में अभाव और निर्धनता की प्रतीक शबरी को एक देवी की तरह प्रचारित किया गया। इसके साथ ही भगवान हनुमान को भगवान राम के प्रति उनकी निष्ठा पर जोर देते हुए प्रस्तुत किया गया। इस धार्मिक-सांस्कृतिक परियोजना के नतीजे में इन दोनों देवी-देवताओं के कई मंदिर भी स्थापित हुए। इस प्रचार-प्रसार के शोरगुल के बीच यह बात भुला दी गई कि ईसाई धर्म भारत में कई सदियों से मौजूद है। यह धर्म भारत में सन् 52 में पहुंचा जब सेंट थामस ने मालाबार के तट पर एक चर्च की स्थापना की। ईसाई मिशनरियों के क्रियाकलाप पिछले लगभग दो सौ सालों से चल रहे हैं। इसके बावजूद देश की कुल जनसंख्या में उनका प्रतिशत केवल 2।3 है। दिलचस्प बात यह है कि जनगणना के आंकड़ों के अनुसार सन् 1971 में वे 2।6 प्रतिशत थे और आज 2।3 प्रतिशत हैं। वहीं प्रचार तंत्र यह बात फैलाने में जुटा हुआ है कि ईसाई मिशनरी बलपूर्वक, छल-कपट से और प्रलोभन देकर धर्मपरिवर्तन करवा रहे हैं। कई राज्यों में धर्मपरिवर्तन विरोधी कानून बनाए गए हैं, जिनका इस्तेमाल मिशनरी कार्यकर्ताओं को और अधिक आतंकित करने के लिए किया जा रहा है। आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ‘बंच ऑफ थाट्स‘ में लिखा था कि मुस्लिम, ईसाई और कम्युनिस्ट हिंदू राष्ट्र के लिए आंतरिक खतरे हैं। शायद इसी के अनुरूप, मुस्लिम विरोधी हिंसा के बाद ईसाई विरोधी हिंसा को एजेंडा में शामिल किया गया है।

युवाओं में बढ़ता फियर ऑफ मिसिंग आउट (एफओएमओ) — एक गंभीर मानसिक संकट

ज्ञानू निगम

डिजिटल युग में जहां सोशल मीडिया ने युवाओं को अभिव्यक्ति और जुड़ाव का नया मंच दिया है, वहीं इसके अत्यधिक उपयोग ने नई मानसिक समस्याओं को जन्म दिया है। इन्हीं में से एक तेजी से उभरती हुई समस्या है फियर ऑफ मिसिंग आउट यानी एफओएमओ। इसका अर्थ है— कुछ महत्वपूर्ण, रोचक या उपयोगी चीज़ से वंचित रह जाने का डर। यह भावना आज की युवा पीढ़ी को लगातार मानसिक तनाव, आत्मग्लानि और असंतोष में डाल रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और स्नैपचैट पर जब युवा अपने दोस्तों की शानदार छुट्टियों, पार्टी, करियर उपलब्धियों या नए अनुभवों की तस्वीरें देखते हैं, तो वे खुद को तुलना में पीछे महसूस करते हैं। यह तुलना धीरे-धीरे आत्म-संदेह और हीन भावना में बदल जाती है। कई बार युवा यह सोचकर ही बेचैन हो जाते हैं कि वे कुछ खास पलों का हिस्सा क्यों नहीं हैं। यह मानसिक स्थिति उन्हें न सिर्फ बेचैन करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी कमजोर कर देती है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि एफओएमओ आज एक गहरी और खतरनाक मानसिक बीमारी बन चुकी है। यह युवाओं को लगातार अपने आप से असंतुष्ट बनाता है। उन्हें लगता है कि उनकी जिंदगी में कुछ भी उत्साहजनक या महत्वपूर्ण नहीं हो रहा, जबकि बाकी सभी लोग सफल और खुशहाल हैं। इस सोच के कारण उन्हें अकेलापन, चिंता, अनिद्रा और अवसाद जैसी समस्याएं घेर लेती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या कोविड-19 के बाद और बढ़ गई है, जब ज़्यादातर सामाजिक संपर्क डिजिटल माध्यमों तक सीमित रह गए थे। शिक्षा संस्थानों और परिवारों की भूमिका इस समस्या को रोकने में बेहद अहम हो जाती है। कई कॉलेजों और स्कूलों ने डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम शुरू किए हैं, ताकि छात्रों को यह समझाया जा सके कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली चीज़ें हमेशा सच नहीं होतीं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन बनाना चाहिए, ध्यान और योग को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए, और अपने आत्ममूल्य को दूसरों की तुलना में नहीं, बल्कि खुद की प्रगति में देखना चाहिए। एफओएमओ से बचने के लिए यह जरूरी है कि युवा वास्तविक रिश्तों को प्राथमिकता दें, खुद से संवाद करें और जीवन के छोटे-छोटे पलों में संतोष पाना सीखें। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी चाहिए कि वे इस विषय पर जागरूकता फैलाएं, काउंसलिंग की सुविधा बढ़ाएं और युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य को लेकर ठोस नीतियाँ बनाएं।

अंततः, फियर ऑफ मिसिंग आउट केवल एक आधुनिक चिंता नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर समय रहते इससे नहीं निपटा गया, तो यह युवा पीढ़ी को आभासी दुनिया की दौड़ में उलझाकर वास्तविक जीवन से काट सकता है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम FoMO को गंभीरता से लें और युवाओं को आत्म-स्वीकृति, आत्म-संयम और संतुलन की ओर मार्गदर्शन दें।

बच्चों को रोचक तरीके से पढ़ायें

यह तरीका बेहद सही है, क्योंकि बच्चे कविताओं वाले वीडियो की मदद से जल्दी सीखते हैं। बाजार में इस तरह के वीडियो बहुत उपलब्ध हैं, ऐसे में अपने बच्चों को इसके जरिए याद करा सकते हैं।

रंग-बिरंगी किताबें- अगर आपका बच्चा बहुत छोटा है तो उसे फोटो वाली रंग-बिरंगी किताबें खरीद कर दें। क्योंकि, बच्चे उन तस्वीरों को देख कर अच्छे से याद कर सकते हैं, और इसका एक फायदा यह भी होगा कि आपके बच्चे उन चीजों को दुबारा आसानी से पहचान सकते हैं।

बच्चों से सवाल पूछें- अपने बच्चों से हमेशा सवाल पूछते रहें और उनके सवालों के भी जवाब दें। अगर बच्चा कुछ पूछे तो उनकी बातों को नजरअंदाज न करें। साथ ही उनके साथ जानकारी भरी बातें करें, क्योंकि बच्चे सुने हुए बातों को जल्दी सीखते हैं।

बच्चों के साथ जबरदस्ती न करें- भूल कर भी बच्चों के साथ सख्ती बरतने की कोशिश न करें, इससे आपका बच्चा जिद्दी बन सकता है। ऐसे में, बच्चों को अलग-अलग तरीके से समझाने की कोशिश करें।

दोस्तों के साथ खेलने दें- बच्चे अपने दोस्तों से भी काफी कुछ सीखते हैं, ऐसे में अपने बच्चों को अपने दोस्तों के साथ भी थोड़ा समय बिताने दें।

किसी भी माता पिता के लिए सबसे कठिन काम होता है, अपने बच्चों को पढ़ाना क्योंकि, बच्चों को पढ़ाना आसान नहीं होता है। ऐसे में एक अभिभावक होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि, एक बच्चे को कैसे पढ़ाया जाए, और उसके सही तरीके आपको मालूम होने चाहिए। कई बार अभिभावक पढ़ाई के दौरान अपने बच्चों की पिटाई करते हैं, ताकि वह डर से पढ़ाई कर सके। लेकिन, यह तरीका बेहद गलत है, क्योंकि मारने-पीटने से बच्चे और जिद्दी हो जाते हैं। ऐसे में आपको यह जानना बहुत जरूरी है कि बच्चे को किस तरह पढ़ाएं ताकि वह खुशी से पढ़ाई करे और इसमें उसकी रुचि भी बनी रहे हालाँकि, कुछ उपायों के जरिए आप अपने बच्चों को सही तरीके से पढ़ा सकते हैं, जिनमें निम्न शामिल है।

वीडियो की मदद से- अपने छोटे बच्चों को पढ़ाने का

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, द्वादशी, बुधवासरे, मूल नक्षत्रे, वैश्य योगे, वालव करणे, धनु की चंद्रमा, प्रदोष व्रत, मूल समाप्त दिन के12/39 धान्य रोपण औषधि सेवन, धान्य छेदन तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कार्य कुशल, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, धनी होगा।

मेष राशि :- यात्रा में कष्ट, व्यापार बाधा, लाभ होगा, पारिवारिक समस्या उलझती जायेंगी।

वृष राशि :- शत्रु भय, रोग, स्वजन सुख, लाभ, शिक्षा व लेखन कार्यों में सफलता, प्रगति का योग हैं।

मिथुन राशि :- वाहन भय, यात्रा कष्ट, अस्थिरता व अशांति का वातावरण रहेगा, कार्य पर ध्यान दें।

कर्क राशि :- सफलता व उन्नति, शुभ कार्य, विवाद, राजकार्य व मामलें मुकदमें में स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह राशि :- शरीर कष्ट, आय-व्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार, अर्थ लाभ के कार्य बनेंगे।

कन्या राशि :- खर्च विवाद, स्त्रीकष्ट, विद्या लाभ, धीरे-धीरे सुधार के साथ आर्थिक लाभ होगा।

तुला राशि :- यात्रा से हानि, राजलाभ, शरीर कष्ट तथा खर्च की यात्रा कष्ट दायक होगी।

वृश्चिक राशि :- कार्यवृत्ति में लाभ, यात्रा संपत्ति लाभ, व्यापार में सुधार, खर्च होगा।

धनु राशि :- अल्प लाभ, चोट अग्नि, शरीर भय, यात्रा से मानसिक परेशानी अपवाद बनेंगा।

मकर राशि :- शत्रु से हानि, अपव्यय, शारीरिक सुख में कमी, व्यवस्थाओं में कमी का अनुभव होगा।

कुंभ राशि :- शुभ व्यय, संतान सुख कार्य में सफलता, उत्साह वृद्धि होगी, कार्य बनेंगे।

मीन राशि :- पदोन्नति, राजभय, न्याय लाभ, धन हानि, अधिकारियों से मन मुटाव की स्थिति बनेगी।

बच्चे की तुलना न करें

अभिभावक होना जितना सुखद होता है, उतना ही मुश्किल भी। अपने बच्चों को कौन सी बात किस तरह समझाना है, इसको लेकर अकसर आप उलझन में पड़ जाते होंगे। कई बार आप अपने बच्चों को प्यार से समझाते हैं, तो कई बार उन्हें डांट देते हैं। कई बार आप उन्हें अपना ही उदाहरण दोते हैं, लेकिन आपकी बातों का बच्चे पर क्या असर पड़ता है, इसका अंदाजा आप नहीं लगा पाते हैं। इसलिए आपको इन बातों को बच्चों से कहने से बचना चाहिए। आप बच्चे की तुलना अपने आप से न करें। आप भी जब छोटे थे तो आपमें कई कमियां रही होंगी। उसे अपने बचपन का मजा लेने दें, उसे परफेक्ट चाइल्ड बनाने की जरूरत नहीं है। अपने फैसले खुद लेने से ही बच्चा आगे बढ़ेगा। अगर उसके फैसले गलत साबित होते हैं, तो उससे वह सीखेगा और आगे सही निर्णय लेगा। गलत फैसला लेने के लिए आपकी डांट उसे डराने और आत्मविश्वास कम करने के अलावा कुछ नहीं कर सकती है।इस तुलना की कोई जरूरत नहीं है। हर बच्चे का विकास अलग-अगल तरीके से होता है। वे अपने अलग-अलग अनुभवों से सीखते हैं। कहीं ऐसा न हो कि हर बात पर बेवजह की तुलना बच्चों में आपस में मतभेद पैदा कर दें।

बेशक आपके पास कई जिम्मेदारियां हैं, जिनसे कभी-कभी आप परेशान हो जाते होंगे और अकेला रहना चाहते होंगे लेकिन आपका बच्चा आपकी परेशानियों से बिल्कुल अनजान है। ऐसे में उससे ऐसा कहना उसके मन पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है।ऐसा कहना बच्चे तो क्या किसी बड़े को भी काफी आहत कर सकता है। ऐसे में बच्चों से ऐसा कहना बिल्कुल ठीक नहीं है।

बच्चा खुशी से होमवर्क करेगा

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्कपहला कदम नजर आने लगता है। परिणयाम आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें जिससे वह खुशी से होमवर्क करेगा।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है। दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा। होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं। होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों के लिए नुकसानदेह

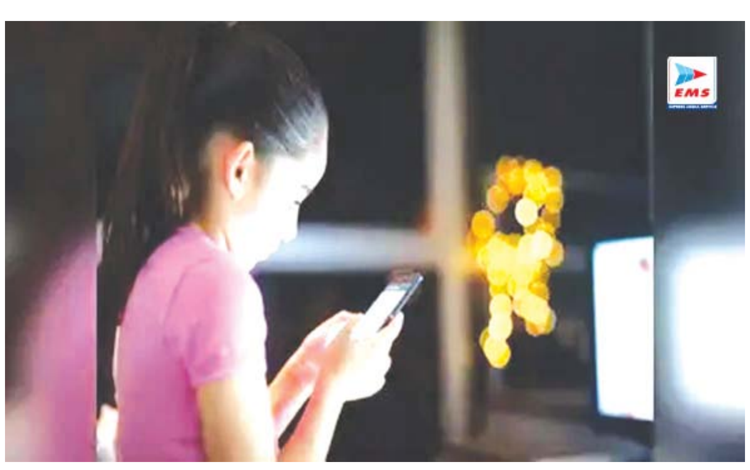

छोटे बच्चों के अभिभावकों को ये चिंता सताती रही है कि बच्चे मोबाइल के सामने कितना समय बिताते हैं। पहले टीवी अब तकनीक के बढ़ने के साथ कई और स्क्रीन्स बढ़ गई हैं जिसमें मोबाइल स्क्रीन भी शामिल है। जहां कई सारे माता-पिता इस बात को लेकर परेशान रहते हैं वहीं कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। यूएस टेक कंपनी के लिए काम करने वाली डॉरेथी का दो साल का बच्चा है और उनका कहना है, मुझे पता है कि मुझे अपने बच्चे के स्क्रीन टाइम पर पाबंदी रखनी चाहिए। हालांकि वह बताती हैं कि जब उन्हें काम करना होता है या उनका बच्चा जब सुबह जल्दी जाग जाता है तो उसे व्यस्त रखने का सबसे अच्छा तरीका फोन ही है।

मीडिया और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाले बच्चों पर एक रिपोर्ट पेश की। इसके मुताबिक 8 साल और इससे कम उम्र के बच्चे रोजाना घर पर 2 घंटे 19 मिनट स्क्रीन के सामने बिताते हैं। ये सर्वे उस वक्त हुआ था जब स्मार्टफोन का इतना चलन नहीं था लेकिन टीवी देखने का क्रेज घट रहा था।

हालांकि बच्चे अब मोबाइल और दूसरी डिवाइसों की तरफ ज्यादा शिफ्ट हो रहे हैं, ठीक अपने माता-पिता की तरह। सर्वे में ये बात सामने आई कि बच्चे एक दिन में 48 मिनट मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा बच्चे कई वर्चुअल डिवाइस और इंटरनेट टॉयज के संपर्क में भी आ रहे हैं।

कुछ माता-पिता इस बात से चिंतित हैं कि स्क्रीन के सामने इतना वक्त गुजारने से बच्चे एक्सरसाईज और सीखने को इतना वक्त नहीं दे पा रहे लेकिन स्टडजी से ये बात साफ नहीं हो पा रही।

दो साल की बच्ची की मां जेनी बताती हैं, मेरे बच्चे किसी सामान्य बच्चे से कम शैतान नहीं हैं क्योंकि हम बहुत कम टीवी देखते हैं। अगर सही समय पर उन्हें स्क्रीन के सामने वक्त बिताने दिया जाए तो कभी-कभी ठीक भी रहता है।पीडिएट्रिक स्पीच पैथोलॉजिस्ट जेन का कहना है, स्क्रीन के सामने जरा भी वक्त न बिताना, ये बिल्कुल अवास्तविक है। इसमें बैलेंस बनाकर रखना चाहिए। वह सलाह देती हैं कि इसके लिए विजिबल शेड्यूल बनाएं ताकि बच्चे इसको सीमित करना समझ सकें।

बच्चों को अनुशासन सिखाना भी जरुरी

बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उनमें अनुशासन का भाग जगाना भी जरुरी है। इसलिए उसे प्यार देने के साथ ही थोड़ी बहुत सख्ती भी जरुरी है। इससे बच्चा सही और गलत का अंतर कर सकता है। इसलिए बच्चा अगर कभी भी अनुशासन तोड़ता है तो उसके सजा देना भी जरुरी है ताकि वह अपनी गलती समझ सके। हां यह सजा ज्यादा कठिन नहीं होनी चाहिये। यदि आप चाहते हैं कि बच्चे के साथ संबंध बेहतर बनाए रहते हुये, संयम के साथ, कैसे उसे अनुशासित किया जाये, तो बस आपको कुछ उपाय करने होंगे।

अपने बच्चे को स्वाभाविक परिणामों के बारे में शिक्षा दीजिये। अपने बच्चे को उसके बुरे व्यवहार के स्वाभाविक परिणामों के संबंध में समझा कर आप उससे होनी वाली निराशा की जानकारी दे सकते हैं और उसे बता सकते हैं कि उसका बुरा व्यवहार उसे दुखी कर सकता है जिससे उसे पछतावा होगा। कठिन परिस्थितियों में से उसे निकालने के स्थान पर, बच्चे को उसके नकारात्मक कृत्यों से स्वयं ही निबटने दीजिये। स्वाभाविक परिणामों को समझने के लिए, बच्चे को कम से कम छः वर्ष का होना चाहिए। यदि बच्चा कोई खिलौना तोड़ देता है या वह उसे धूप में छोड़ कर नष्ट कर देता है, तब एकदम उसे नया खिलौना मत दिलवाइए। बच्चे को कुछ समय तक बिना खिलौने के रहने दीजिये, और उससे बच्चा अपनी चीजों की ठीक से देखभाल करना सीख जाएगा। बच्चे को ज़िम्मेदारी की शिक्षा दीजिये। यदि बच्चा अपना गृहकार्य टीवी देखने के कारण नहीं कर पाया है तो उसका गृहकार्य पूरा कराने में उसकी मदद करने के स्थान पर, बच्चे को बुरे ग्रेड से उत्पन्न होने वाली निराशा का सामना करने दीजिये। यदि बच्चे को अपने बुरे व्यवहार के कारण किसी पार्टी में नहीं निमंत्रित किया गया है, तब उसे यह समझ में आने दीजिये कि यदि उसका व्यवहार उस बच्चे के साथ कुछ और होता तब उसे

निमंत्रित किया जा सकता था। अपने बच्चे को तर्कसंगत परिणामों की शिक्षा दीजिये। तर्कसंगत परिणाम वे परिणाम होते हैं जो आप के अनुसार बच्चे के बुरे व्यवहार के परिणामस्वरूप उत्पन्न होंगे। इनको सीधे सीधे बच्चे के व्यवहार से सम्बद्ध होना चाहिए ताकि बच्चा, भविष्य में उनको नहीं करने की शिक्षा प्राप्त कर सके। हर प्रकार के बुरे व्यवहार का तर्कसंगत परिणाम होना चाहिए, और परिणाम समय से पहले ही बता दिये जाने चाहिए। यदि बच्चा अपने खिलौने संभाल कर नहीं रखता है तब उसे एक सप्ताह तक खिलौने न दें।

यदि आप बच्चे को टी वी पर कुछ गैरजरुरी कार्यक्रम देखते हुये पाएँ तो एक सप्ताह के लिए टी वी की सुविधा बंद कर दीजिये। यदि बच्चा अच्छा व्यवहार नहीं करता तो उसे अपने मित्रों के साथ मत खेलने जाने दीजिये। इससे उसे सबक मिलेगा। अपने बच्चे को सकारात्मक अनुशासन विधियों की शिक्षा दीजियेः सकारात्मक अनुशासन बच्चे के साथ कार्य की ऐसी विधि है, जिसके अनुसार इस प्रकार के सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुँचने में सहायता मिलती है जिससे कि बच्चा समझ सके कि बुरे व्यवहार के परिणाम क्या होंगे और वह भविष्य में उनसे बच सके।

बच्चे को सकारात्मक रूप से अनुशासित करने के लिए आपको बच्चे के साथ बैठ कर उसके बुरे व्यवहार के संबंध में चर्चा करनी चाहिए और क्या क्या जा सकता है इस पर विचार करना चाहिए। बच्चे को पुरस्कृत करने की प्रणाली भी निर्धारित करिएः पुरस्कृत करने की पद्धति भी निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि सकारात्मक व्यवहार के सकारात्मक परिणाम भी हो सकें। भूलिए मत कि अच्छे व्यवहार को सुदृढ़ करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना बुरे व्यवहार को अनुशासित करना। बच्चे को यह दिखाने से कि, ठीक व्यवहार कैसे किया जा सकता है, उसको यह समझने में सहायता मिलेगी कि उसे क्या नहीं करना चाहिए। भाषण न दें : ये पद्धतियाँ न केवल प्रभावहीन होती हैं, बल्कि इनके कारण आपका बच्चा आपसे नाराज़ हो कर आपकी उपेक्षा भी कर सकता है तथा आपके शब्दों और कृत्यों से उसे मानसिक और शारीरिक आघात भी लग सकता है।

संक्षिप्त खबरें

यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँची

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के ताजा आँकड़ों के मुताबिक, 2 अगस्त 2025 को यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँच गई। यह एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन बीते वर्षों की तुलना में इसकी वृद्धि दर धीमी रही है। इस उपलब्धि के साथ, यूपीआई के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मोदी सरकार ने प्रतिदिन 100 करोड़ लेनदेन का लक्ष्य रखा है, और सरकार को उम्मीद है कि यह अगले साल तक हासिल हो जाएगा। हालांकि, फिनटेक कंपनियों और भुगतान संघों का मानना है कि इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को फिर से लागू करना चाहिए।

क्या है एमडीआर?

दरअसल एमडीआर वह शुल्क है जो बैंक डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया के लिए व्यापारियों से लेते हैं। यह आमतौर पर लेनदेन मूल्य का 1 से 3 प्रतिशत तक होता है। दिसंबर 2019 में, मोदी सरकार ने रुपये डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर माफ कर दिया था। मोदी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025 में यूपीआई के लिए सब्सिडी घटाकर 1,500 करोड़ कर दी है, लेकिन उसने एमडीआर की मांग को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा कि यूपीआई को वित्तीय रूप से सस्टेनेबल बनाया जाना चाहिए, क्योंकि कोई न कोई तब इस लागत को वहन करेगा ही।
यह देखना बाकी है कि क्या एमडीआर को फिर से लागू किया जाएगा या फिर यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च उपयोगकर्ताओं को उठाना पड़ेगा। इस बीच, यूपीआई ने दैनिक लेनदेन की मात्रा में वैश्विक भुगतान दिग्गज वीज़ा को पीछे छोड़ दिया है और अब यह भारत के सभी डिजिटल लेनदेन का करीब 85 प्रतिशत संभालता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 308 अंक , निफ्टी 73 अंक गिरा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही तेल, गैस और फार्मा शेयरों में हुई बिकवाली से आई है हालांकि अंत में बाजार ने रिकवरी भी की जिससे गिरावट पर कुछ हद तक लगाम लगी। अमेरिका के 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 308 अंक गिरकर 80,710.25 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73. 20 अंक नीचे आकर 24,649.55 पर बंद हुआ। आज कामकाज के दौरान ऑटो इंडेक्स 0.4 फीसदी बढ़ा जबकि आईटी, बैंक, तेल एवं गैस, एफएमसीजी, फॉर्मा में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा स्मॉलकैप इंडेक्स और बीएसई मिडकैप हल्की गिरावट रही। वहीं एनएसई पर अदानी एंटरप्राइजेज, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज़्यादा गिरे जबकि टाइटन कंपनी, एसबीआई लाइफ, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक के शेयरों में बढ़त रही।
एशियाई बाजारों की बात करें तो शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्केई 225 अंक ऊपर उठकर बंद हुआ. वहीं यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे जबकि. अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ की इक्विटी बेची. वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी की खरीदारी की। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ। था।
इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनियाभर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर अधिक अधिक टैरिफ लगाने की नई धमकी से भी बाजार पर दवाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स गिरावट के बाद ही 80,634.61 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं निफ्टी भी 24,608.95 पर फिसल गया। सुबह के कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.38 फीसदी टूटकर कामकाज कर रहा था। सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी में सबसे अधिक 0.55 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी बैंक 0.12 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.25 फीसदी गिरा। जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है, जिससे बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

एचडीएफसी बैंक की चेतावनी : एपीके धोखाधड़ी से रहें सावधान, ऐसे बचें साइबर ठगी से

इंदौर (ईएमएस)। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) धोखाधड़ी के प्रति सावधान रहने की सलाह दी है। बैंक का उद्देश्य इस तरह की साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि ग्राहक आर्थिक नुकसान से बच सकें।

:: क्या है एपीके धोखाधड़ी और यह कैसे काम करती है?

एपीके धोखाधड़ी में धोखेबाज सरकारी अधिकारियों, बैंकों या कंपनियों के कर्मचारी बनकर लोगों को ठगते हैं। वे अक्सर री-केवाईसी, ट्रैफ़िक जुर्माना या आयकर वापसी जैसे झूठे बहाने देकर एक फर्जी एपीके लिंक भेजते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति इस लिंक पर क्लिक करता है, उसके फोन में एक मैलवेयर इंस्टॉल हो जाता है।
यह मैलवेयर धोखेबाज को पीड़ित के फोन पर पूरा नियंत्रण दे देता है, जिससे वे कॉल और मैसेज को रीडायरेक्ट कर सकते हैं और बैंक खातों से अनधिकृत लेनदेन कर सकते हैं। ग्राहकों को अक्सर बैंक से पैसे कटने के मैसेज आने पर ही धोखाधड़ी का पता चलता है। उदाहरण के लिए, धोखेबाज केवाईसी अपडेट का झांसा देकर बैंक के लोगो वाला एक फर्जी ऐप इंस्टॉल करवाते हैं और फिर संवेदनशील जानकारी चुराकर खाते से पैसे निकाल लेते हैं।
:: साइबर ठगी से खुद को बचाने के उपाय ::
एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को ऐसी धोखाधड़ी से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैः
- सोशल मीडिया, एसएमएस या ईमेल पर मिले किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

- केवल विश्वसनीय स्रोतों या आधिकारिक ऐप स्टोर से ही ऐप्स डाउनलोड करें।

- अपने फोन में एक विश्वसनीय एंटी-मैलवेयर या एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर रखें।
- किसी भी संदेश या ईमेल की सत्यता की पुष्टि संबंधित आधिकारिक वेबसाइट से करें।
- संदिग्ध कॉल या मैसेज की रिपोर्ट चक्षु पोर्टल (https://sancharsaathi.gov.in/) या संचार साथी मोबाइल ऐप के माध्यम से करें।
बैंक ने ग्राहकों से डिजिटल गिरफ्तारी और अन्य निवेश घोटालों से भी सतर्क रहने का आग्रह किया है, जहाँ धोखेबाज ऊंची रिटर्न का लालच देकर ठगी करते हैं।

:: धोखाधड़ी का शिकार होने पर क्या करें?

यदि आप किसी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं, तो तुरंत ये कदम उठाएंः
- अपने बैंक को अनधिकृत लेनदेन की जानकारी दें, ताकि आपका कार्ड या नेट बैंकिंग तुरंत ब्लॉक किया जा सके।
- गृह मंत्रालय द्वारा शुरू की गई हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (https://www.cybercrime.gov.in) पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

अब टेस्ला ने किया दिल्ली का रुख, 11 अगस्त को करेगी दूसरा शोरुम लॉन्च

नई दिल्ली। एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की अब भारत पर नजर है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने के बाद अब दिल्ली का रुख किया है। रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला 11 अगस्त को दिल्ली के एरोसिटी में अपना दूसरा शोरूम लॉन्च कर रही है। यह इलाका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित है और हाई-एंड कमर्शियल हब के रूप में जाना जाता है। दिल्ली में शोरूम खोलने का फैसला ऐसे समय लिया है जब टेस्ला ने हाल ही में भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां शुरुआत में केवल मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम के लोग ही अपनी रुचि दर्ज कर सकते थे। इससे यह साफ़ है कि कंपनी का शुरुआती फोकस मेट्रो शहरों पर है। टेस्ला ने भारत में अपने सफर की शुरुआत मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मॉल में अपने पहले शोरूम से की थी।

भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ एयूएम पर पहुंचा

निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले 10 सालों में सात गुना की ग्रोथ हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे बड़ा हिस्सा अब भी इक्विटी फंड्स का है, जो कुल एयूएम का 59.94 फीसदी है। डेट फंड्स का हिस्सा 26.53फीसदी है, जबकि हाइब्रिड फंड्स 8.28फीसदी योगदान दे रहे हैं। बाकी अन्य फंड्स 5.26फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं।
इस तिमाही जून 2025 में डेट फंड्स में 2.39 लाख करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है, जो पिछली तिमाही में हुए आउटफ्लो के उलट है। ये निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ है, जो बदलती ब्याज दरों की वजह से संस्थागत निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। इस तिमाही में कुल 3.98 लाख करोड़ का निवेश हुआ, जिसमें से इक्विटी फंड्स में करीब 64फीसदी हिस्सा ब्रॉड-बेस्ड फंड्स में गया, जबकि 31फीसदी निवेश आर्बिट्राज फंड्स में आया।
रिपोर्ट के मुताबिक पैसिव फंड्स का निवेशकों के बीच क्रेज़ बढ़ रहा है। अब ये कुल एयूएम का 17फीसदी हिस्सा बन चुके हैं। क्यू2 2025 में पैसिव फंड्स में 36,000 करोड़ का निवेश हुआ, जबकि एक्टिव स्ट्रैटेजीज में 3.62 लाख करोड़ का। इक्विटी के अंदर ब्रॉड-बेस्ड पैसिव फंड्स ने 106फीसदी का योगदान यह दर्शाता है कि निवेशक अब बड़े इंडेक्स और ब्लूचिप फंड्स पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

इरडा ने खामियों के चलते इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर लगाया पांच करोड़ का जुर्माना

ग्राहकों से की धोखाधड़ी, 4.2 करोड़ से ज्यादा की बीमा पॉलिसी बेची

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा ने कुछ खामियों की वजह से पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के साथ ही बीमा मानदंडों का उल्लंघन करने को लेकर आगाह भी किया है। पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स को पहले पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर के नाम से जाना जाता था। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बयान में कंपनी को निर्देश, सलाह और चेतावनी भी जारी की है।
नियामक ने कहा कि पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर प्राइवेट लिमिटेड अब पॉलिसीबाज़ार इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड पर बीमा अधिनियम और नियमों एवं विनियमों के तहत स्थापित कई उल्लंघनों के लिए निर्देश, सलाह और चेतावनी के साथ पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पॉलिसीबाजार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक 4.2 करोड़ से ज्यादा बीमा पॉलिसी बेच चुका है।
मीडिया रिपोर्ट में इरडा ने कहा कि कंपनी ने नियामकीय उल्लंघन करने के साथ ग्राहकों से भी धोखाधड़ी की है। इरडा ने कहा है कि बिना अप्रूवल के ही कंपनी ने दूसरी कंपनियों में भी डायरेक्टरशिप हासिल की है। इसके अलावा कंपनी को कई बीमा पॉलिसी को जोर देकर ग्राहकों को बेचने का दोषी पाया गया। इतना ही नहीं कंपनी ने कई प्रोडक्ट को अच्छा बताकर उसे रैंकिंग में टॉप पर रखा, ताकि ग्राहकों को गुमराह करके इन उत्पादों को बेचा जा सके। कंपनी ने इन उत्पादों को बेहतर बताने के पीछे कोई कारण भी नहीं बताया और न ही ग्राहकों को कोई सलाह दी।
इरडा ने बताया कि पॉलिसीबाजार ने ग्राहकों से पैसे लेकर उसे इंश्योरेंस करने वाली कंपनियों को समय से पहले नहीं पहुंचाया। इस वजह से कंपनी पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है।
कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर जिन पांच प्रोडक्ट को बेस्ट बताकर टॉप पर दिखाया, उनमें सभी यूलिप प्लान थे, इसमें

बजाज अलायंज गोल एश्योर, एडलवीज टोक्यो वेल्थ गेन प्लस, एचडीएफसी क्लिक2 वेल्थ, एसबीआई लाइफ ई-वेल्थ इंश्योरेंस और आईसीआईसीआई सिग्नेचर शामिल हैं।

अब डाकघर में बैंकिंग करने अंगूठा लगाने और ओटीपी की झंझट खत्म

आईपीपीबी ने लेन-देन के लिए शुरु की फेस ऑथेंटिकेशन सेवा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अब डाकघर जाकर बैंकिंग करने न तो अंगूठा लगाने और न ही ओटीपी की झंझट...रहेगी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने देशभर में आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन सेवा की शुरुआत की है, जिससे अब ग्राहक केवल अपने चेहरे से ही खाता खोल सकेंगे, बैलेंस देख पाएंगे, पैसे भेज सकेंगे और बिल का भुगतान भी कर सकेंगे। यह सेवा उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी जो अब तक अंगूठे की पहचान या ओटीपी सिस्टम से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों से जूझते रहते थे। बुजुर्गों, दिव्यांगों, और दूरदराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह तकनीक बैंकिंग को आसान बना देगी। फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मानकों पर विकसित किया गया है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत करने के साथ-साथ एक ऐसा सिस्टम तैयार करती है जो पूरी तरह संपर्करहित और सुरक्षित है।
आईपीपीबी के मुताबिक यह सेवा जल्द ही पूरे देश के 1.6 लाख डाकघरों और 3 लाख से ज्यादा पोस्टल कर्मियों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाई जाएगी। यह कदम आपका बैंक, आपके द्वार मिशन के तहत वित्तीय समावेशन को और गहरा करने की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। महामारी या किसी भी स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति में जब शारीरिक संपर्क से बचना अनिवार्य हो जाता है, उस समय यह फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक बेहद कारगर सिद्ध होगी। इससे न सिर्फ लेनदेन तेज और आसान होगा, बल्कि बैंकिंग सेवाएं सभी के लिए ज्यादा सुलभ और सुरक्षित बनेंगी।

सीआईएल ने बिजली की मांग को पूरा करने 90 करोड़ टन आपूर्ति का रखा लक्ष्य

कोलकाता,(ईएमएस)। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और आयात पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत चालू वित्त वर्ष के लिए 90.02 करोड़ टन का आपूर्ति का लक्ष्य तय किया है। यह पिछले साल की तुलना में 18 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्शाता है। देश की सबसे बड़ी कोयला कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में पेश परिदृश्य के मुताबिक कुल कोयला प्रेषण का करीब 74 फीसदी अकेले बिजली क्षेत्र में ही इस्तेमाल होने का अनुमान है। यह देशभर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति तय करने में सीआईएल की भूमिका को रेखांकित करता है। मीडिया रिपोर्ट में सीआईएल ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिजली क्षेत्र से अनुमानित मांग 66.81 करोड़ टन है। कंपनी का लक्ष्य बिजली और गैर-विनियमित उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा करने के साथ आयातित कोयले का विकल्प भी चुनना है। कंपनी ने कहा कि सीआईएल का वृद्धि खाका सरकार के हर घर में 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के अनुरूप है। इसके लिए 2028-29 तक उत्पादन को एक अरब टन करने की योजना है। कोल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि कंपनी रणनीतिक विविधीकरण और परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिये अपने कारोबार को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने के प्रयास कर रही है।

संबंधित पक्ष के लेनदेन में अब कारोबार के आधार पर तय होगी सीमा

सेबी के प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंडों में बदलाव करते हुए मैटेरियलिटी सीमा को सूचीबद्ध कंपनी के कारोबार से जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। बाजार नियामक के इस प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। सेबी ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव किए जाने से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए शेयरधारकों की मंजूरी की जरुरत वाले संबंधित पक्ष के लेनदेन की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी आ सकती है। मौजूदा नियमों के तहत लेनदेन एक हजार करोड़ रुपए से अधिक या सूचीबद्ध कंपनी के कुल वार्षिक कारोबार के 10 फीसदी से ज्यादा हो तो उसे मैटेरियल माना जाता है।
बाजार नियामक ने सबके लिए समान दृष्टिकोण को बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बोझिल बताते हुए कुल कारोबार बढ़ने पर लेनदेन की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। सूचीबद्ध

कंपनियों को मैटेरियल संबंधित पक्ष के लेनदेन करने के लिए शेयरधारकों और ऑडिट समिति से मंजूरी लेनी होती है। नए मानदंडों में अगर वार्षिक कुल कारोबार 20 हजार करोड़ तक है तो संबंधित पक्ष के लेनदेन की सीमा 10 फीसदी होगी। अगर कारोबार 20,001 करोड़ रुपए से 40,000 करोड़ के बीच है तो यह सीमा तभी लागू होगी जब लेनदेन 2,000 करोड़ रुपए का हो और सूचीबद्ध कंपनी के वार्षिक कुल कारोबार का पांच फीसदी हो।
अगर कुल कारोबार 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का है तो उसके लिए यह सीमा 3,000 करोड़ रुपए के साथ कुल कारोबार का 2.5 फीसदी या 5,000 करोड़ रुपए होगी। सेबी ने कहा है कि 5,000 करोड़ रुपए की सीमा अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंड वित्तीय स्थिति को देखते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न रिसर्च के श्रीराम सुब्रमण्यन ने कहा कि यह छूट तभी व्यावहारिक होगी जब संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी खुलासे ऑडिट समितियों और शेयरधारकों के समक्ष किए जाएं।
कंपनी की ओर से इन छूटों की मांग काफी समय से की जा रही थी क्योंकि ऑडिट समितियों और अनुपालन का बोझ बढ़ गया। यह प्रस्ताव एलओडीआर अधिनियम पर एक सलाहकार समिति की सिफारिशों पर आधारित है। बाजार नियामक ने सहायक कंपनी के साथ किए गए संबंधित पक्ष के ऐसे लेनदेन के लिए भी सीमा में बदलाव का प्रस्ताव दिया है जहां सूचीबद्ध कंपनी लेनदेन का हिस्सा नहीं है। ऐसे एक करोड़ रुपए से ज्यादा के लेनदेन के लिए ऑडिट समिति से मंजूरी लेने की जरूरत तभी होगी जब लेनदेन का मूल्य एकल आधार पर सहायक कंपनी के वार्षिक कुल कारोबार के 10 फीसदी या एलओडीआर के तहत संबंधित पक्ष के लेनदेन की सीमा से ज्यादा होगा।

संक्षिप्त ख़बरें

रूसी ड्रोनों में भारतीय कंपनियों के पुर्जों के इस्तेमाल का आरोप

कीवी (ईएमएस)। यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल हो रहे रूसी ड्रोनों में भारत में बने या असेंबल किए गए इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे मिले हैं। यूक्रेन ने इस मुद्दे को भारत सरकार और यूरोपीय संघ के सामने भी उठाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूक्रेनी अधिकारियों ने जांच के दौरान ईरानी शहीद-136 ड्रोन में भारतीय कंपनियों के पुर्जे मिलने का दावा किया है। रूस इन ड्रोनों का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ कर रहा है।यूक्रेन के मुताबिक, दो भारतीय कंपनियों विशय इंटरटेक्नोलॉजी और ऑरा सेमीकंडक्टर के के इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे ड्रोन में मिले हैं। इसमें से एक पुर्जा, विशय इंटरटेक्नोलॉजी का ब्रिज रेक्टिफायर ई300359, ड्रोन के वोल्टेज रेगुलेटर इकाई में लगा था। दूसरा पुर्जा, ऑरा सेमीकंडक्टर का पीएलएल वाला सिग्नल जनरेटर एयू5426ए चिप, ड्रोन के सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम में इस्तेमाल किया गया था। यूक्रेन का कहना है कि इन पुर्जों का इस्तेमाल शहीद-136 ड्रोन के निर्माण में किया जा रहा है। इस पूरे मामले में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले पर एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत का दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं का निर्यात परमाणु अप्रसार पर उसके अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि भारत का एक मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा है जो यह सुनिश्चित करता है कि वस्तुओं का निर्यात किसी भी कानून का उल्लंघन न करे। आरोप लगाने के बाद भी विशय इंटरटेक्नोलॉजी की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। ऑरा सेमीकंडक्टर के सह-संस्थापक ने कहा कि उनकी कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उनके उत्पादों का उपयोग वैध और नैतिक रूप से हो, और वे सभी लागू राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निर्यात नियंत्रण कानूनों का पालन करते हैं। इस मामले पर नई दिल्ली स्थित यूक्रेनी दूतावास की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालाँकि, यूक्रेन की रक्षा खुफिया निदेशालय (एसयूआर) ने अपने सोशल मीडिया पर इन पुर्जों के बारे में जानकारी साझा की है।

रुस ने अमेरिका को दिखाया आईना बिक्स समूह के देशों का दिया हवाला

मॉस्को (ईएमएस)। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन की व्यापार नीतियों की कड़ी आलोचना की है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने आरोप लगाया है कि अमेरिका अपनी वैश्विक सत्ता बनाए रखने के लिए अन्य देशों पर टैरिफ और आर्थिक दबाव का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन देशों को निशाना बना रहा है जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्वतंत्र नीति अपनाते हैं। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता जखारोवा ने इसे नव-उपनिवेशवादी नीति बताया और कहा कि अमेरिका वाशिंगटन के प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ के देशों पर दबाव डाल रहा है।दरअसल रूस की यह टिप्पणी तब आई है जब डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति रहते हुए कई देशों पर टैरिफ लगाए थे। जखारोवा ने कहा कि अमेरिका की यह कार्रवाई पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है। उनका आरोप है कि अमेरिका यह स्वीकार नहीं कर पा रहा है कि वैश्विक व्यवस्था बदल रही है और उसका प्रभुत्व घट रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि टैरिफ और प्रतिबंधों के जरिए इतिहास के स्वाभाविक बदलाव को रोका नहीं जा सकता है।जखारोवा ने कहा कि रूस को बड़ी संख्या में सहयोगी और समान विचारधारा वाले देशों का समर्थन प्राप्त है, खासकर बिक्स समूह के देशों का। उन्होंने कहा कि बिक्स के सदस्य देश एक जैसी सोच साझा करते हैं और रूस इस समूह के साथ सहयोग मजबूत करने और अवैध प्रतिबंधों का विरोध करने के लिए तैयार है। बिक्स में अभी ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो जाएगा।

शेख हसीना की सत्ता के पतन के बाद आज कितना बदला बांग्लादेश

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में पिछले साल 5 अगस्त को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला था, जब छात्रों के नेतृत्व में एक विशाल आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा था। यह आंदोलन सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही यह हसीना की 15 साल पुरानी सरकार के खिलाफ एक जन आंदोलन में बदल गया। 1 जुलाई 2024 को, विश्वविद्यालय के छात्रों ने सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया। यह विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया। 5 अगस्त 2024 तक, प्रदर्शनकारी ढाका में प्रधानमंत्री आवास को घेरने में कामयाब हो गए। इस दौरान देशभर में हिंसा हुई, जिसमें लगभग 1,400 लोगों की जान चली गई। बढ़ती हिंसा और दबाव के कारण, शेख हसीना को हेलीकॉप्टर से भागना पड़ा। उनके सत्ता से हटने के बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का नेतृत्व सौंपा गया।लेकिन शेख हसीना के हटने के बाद, बांग्लादेश में कई बड़े बदलाव हुए हैं, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी, जिसने देश में राजनीतिक सुधार और चुनाव कराने के लिए कदम उठाए। इस सरकार ने राष्ट्रीय सहमति आयोग जैसे कई आयोगों का गठन किया। हसीना के जाने के बाद, देश में कट्टरपंथ बढ़ गया है, जिससे खासकर हिंदुओं जैसे अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी संस्थाओं ने अंतरिम सरकार की आलोचना की है कि वह मानवाधिकारों की रक्षा करने में विफल रही है। हसीना के समर्थकों और विपक्षी दल पर भी हमले की खबरें आई हैं। अभी तक राजनीतिक दलों के बीच चुनाव की तारीख और प्रक्रिया को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। बांग्लादेश एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता ने देश के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं।संक्षेप में, शेख हसीना के जाने के बाद बांग्लादेश में एक नए युग की शुरुआत हुई है, लेकिन यह नया युग राजनीतिक अनिश्चितता, हिंसा और अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों की चुनौतियों से घिरा हुआ है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो नजरबंद, सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश

ब्राजीलिया, (ईएमएस)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैयर बोलसोनारो को सुप्रीम कोर्ट ने हाउस अरेस्ट यानी नजरबंद करने का आदेश दिया है। उन पर देश में तख्तापलट करने की साजिश रचने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ब्राजील के बीच ट्रेड वॉर तेज़ हो गया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ने यह आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो ने पिछले महीने सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर लगे बैन का उल्लंघन किया। वे अपने तीन सांसद बेटों के सोशल मीडिया अकाउंट्स के ज़रिए कंटेंट पोस्ट कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने रियो डी जेनेरियो में अपने समर्थकों को भी संबोधित किया जो नियमों के खिलाफ था।सुप्रीम कोर्ट के नजरबंद करने के आदेश के बाद पुलिस बोलसोनारो के घर पहुंची। पुलिस ने उनका मोबाइल ज़ब्त कर उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया है। उन्हें अब कहीं आने-जाने की इजाज़त नहीं है। बोलसोनारो के साथ-साथ उनके 33 सहयोगियों पर भी सरकार नजर रखी है। इन सभी पर लोकतंत्र को खत्म करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश का आरोप है।इस मामले पर अमेरिका भी नजर रख रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जस्टिस के फैसले की निंदा की है। इस बीच बोलसोनारो की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इलेक्ट्रॉनिक एंकल मॉनिटर पहनने का भी आदेश दिया, जिससे उनकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

डांस और पार्टी करने के लिए ट्रंप व्हाइट हाउस में बना रहे 1750 करोड़ रुपये में बॉलरूम

वाशिंगटन, (ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो अपने चुनावी कैंपेन और विक्ट्री स्पीच के दौरान वाईएमसीए गाने पर थिरकने के लिए जाने जाते हैं। कहा जा रहा है कि उनकी प्राथमिकता हमेशा दो चीज़ों पर रही है टैरिफ और डांस। अब ट्रंप सरकार व्हाइट हाउस के बॉलरूम का विस्तार करने की तैयारी में है।यह बॉलरूम, जो कि आप ट्रंप का डांस स्टूडियो भी कह सकते हैं, वह जगह है जहाँ पार्टियाँ होती हैं और मेहमान डांस करते हैं। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान के अनुसार, नए बॉलरूम के निर्माण में 1750 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नया बॉलरूम लगभग 90,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला होगा। पुराने बॉलरूम में 200 मेहमानों के लिए जगह थी, लेकिन नए में 650 मेहमानों को समायोजित किया जा सकेगा। इस बॉलरूम की पूरी थीम सुनहरे रंग की होगी। इसके निर्माण के लिए मध्यकालीन यूरोपीय निर्माण कला का उपयोग किया जाएगा।

अमेरिका अपनी वैश्विक प्रभुत्व की गिरावट को नहीं कर पा रहा स्वीकार

रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, दबाव बनाने की रणनीति अब नहीं आएगी काम

मास्को, (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ एक और टैरिफ लगाने की धमकी दे दी। ट्रंप ने सोमवार को एक पोस्ट में कहा कि भारत 'रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है और उसे खुले बाजार में मुनाफा कमा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भारत से लिए जाने वाले टैरिफ को अब काफी बढ़ा दिया जाएगा।ट्रंप की धमकी से भारत के सब्र का बांध भी आखिरकार टूट गया।वहीं इस मुद्दे पर रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने भी अमेरिका की नीतियों पर तीखा हमला किया। उन्होंने ट्रंप को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि इस तरह दबाव बनाने की उनकी रणनीति अब काम नहीं आएगी। जाखारोवा ने अमेरिका पर 'राजनीतिक रूप से प्रेरित आर्थिक दबाव' और 'वैश्विक बहुध्रुवीय व्यवस्था को कमजोर करने' का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपनी वैश्विक प्रभुत्व की गिरावट को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। ऐसे में वह स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने वाले देशों पर टैरिफ और प्रतिबंधों के जरिए दबाव बना रहा है। यह नीति फ्री ट्रेड के उन सिद्धांतों के खिलाफ है, जिनका खुद पश्चिम ने कभी समर्थन किया था।रूस ने भारत का बचाव करते हुए कहा कि कोई भी टैरिफ वॉर या प्रतिबंध इतिहास की प्राकृतिक दिशा को नहीं रोक सकते। ब्रिक्स और वैश्विक दक्षिण के देश इस नई बहुध्रुवीय व्यवस्था के साथ हैं। भारत की ओर से विदेश मंत्रालय ने भी ट्रंप की टिप्पणी को अनुचित और निराधार बताया और कहा कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह राष्ट्रीय हितों के अनुरूप है। ट्रंप की धमकी के बाद भारत और रूस दोनों ने साफ कर दिया है कि वे किसी बाहरी दबाव में नहीं आने वाले।विदेश मंत्री जयशंकर ने जहां परंपरा और पहचान को भारत की कूटनीतिक शक्ति बताया, वहीं रूस ने अमेरिका के एकतरफा कदमों की आलोचना करते हुए बहुध्रुवीय व्यवस्था के पक्ष में खड़े होने की बात कही है। ये दिखाता है कि भारत अब वैश्विक राजनीति में आत्मविश्वास के साथ खड़ा है। अपने हितों की रक्षा के लिए और किसी की दादागिरी मानने के लिए नहीं।बता दें जयशंकर ने दिल्ली में एक मंच से सीधे तौर पर अमेरिकी दबाव और पश्चिमी आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम जटिल और अनिश्चित समय में जी रहे हैं। हमारी सामूहिक इच्छा एक न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था की है, जो कुछ देशों के प्रभुत्व वाली नहीं हो। यह संतुलन केवल राजनीतिक या आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपराओं के जरिए भी आता है। जयशंकर का बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से रूस से तेल आयात को लेकर भारत पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

25 वर्षीय युवती को हुआ 76 साल के बुज़ुर्ग से प्यार

सैन डिएगो (ईएमएस)। अमेरिका के सैन डिएगो की रहने वाली 25 वर्षीय डायना मोंटानो को 76 साल के एडगर से प्यार हो गया, जो उनसे पूरे 51 साल बड़े हैं। उम्र के इस बड़े फासले को नजरअंदाज करते हुए डायना ने एडगर को अपना जीवनसाथी मान लिया है और दोनों अब रोमांटिक रिश्ते में हैं।डायना बताती हैं कि उन्हें प्यार की तलाश नहीं थी। लेकिन एक संयोग के चलते उनकी मुलाकात एडगर से हो गई। दिलचस्प बात ये है कि एडगर की एक्स-गर्लफ्रेंड ने ही दोनों का परिचय कराया था। शुरू में डायना को यह रिश्ता सामान्य दोस्ती जैसा ही लगा। लेकिन जुलाई 2023 में जब डायना की उम्र 23 साल थी, एडगर ने उनसे उनका नंबर मांगा। बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और डायना को एडगर का व्यवहार, सोच और शालीनता काफी पसंद आने लगी। उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी कि इतने उम्रदराज शख्स के साथ उनका रिश्ता इतना खास बन जाएगा। धीरे-धीरे दोनों एक-दूसरे के करीब आने लगे और एक साल की बातचीत के बाद दोनों साथ में हवाई यात्रा पर गए।वहां एडगर ने डायना से मजाक में कहा कि काश वो जवान होते तो डायना से शादी कर लेते। इस पर डायना ने तुरंत जवाब दिया कि मैं तो अब भी तुमसे शादी कर सकती हूं।

लॉस एंजेलिस में म्यूजिक फेस्टिवल में गोलीबारी, दो की मौत, 6 घायल

लॉस एंजेलिस, (ईएमएस)। अमेरिका के लॉस एंजेलिस के डाउनटाउन इलाके में म्यूजिक फेस्टिवल के बाद आफ्टर-पार्टी चल रही थी। इस दौरान हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हुए हैं। ये पार्टी हार्ड समर म्यूजिक फेस्टिवल के बाद एक वेयरहाउस में चल रही थी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी की सूचना पुलिस को रविवार रात करीब 11 बजे मिली थी। जब पार्टी चल रही थी तभी एक हथियारबंद व्यक्ति बिल्डिंग में घुसा आया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर किया और एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। हालांकि इसके कुछ घंटे बाद हालात बिगड़े जब उन्हें देर रात करीब एक बजे दोबारा गोलियां चलने की खबर मिली। इस बार जब पुलिस पहुंची तो एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो चुकी थी जबकि कई लोग घायल थे। इनमें से एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी की घटना के बाद घायल छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया है, लेकिन उनकी हालत के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस को अभी तक घटना के पीछे की वजह या इसमें शामिल अन्य संदिग्धों के बारे में जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल जांच जारी है और अधिकारी इससे जुड़े हुए सुराग पता लगा रहे हैं। लॉस एंजेलिस पुलिस विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के पास कोई जानकारी हो, तो बताएं और जांच में मदद करें।अमेरिका में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पिछले महीने गोलीबारी की कई घटनाएं हुई थीं। 7 जुलाई को एक व्यक्ति ने बाउंडरी स्टेशन पर गोलीबारी की। इसमें एक पुलिस अधिकारी घायल हुआ जबकि संदिग्ध को गोली मारकर ढेर कर दिया था। 13 जुलाई को ब्लू ग्लास एयरपोर्ट के पास फायरिंग में एक संदिग्ध ने चर्च में जाकर दो महिलाओं की हत्या की और तीन लोगों को घायल कर दिया था। 28 जुलाई को दो अलग-अलग इलाकों में फायरिंग हुई। इलिनॉयस में एक एल्बम रिलीज पार्टी में गोली चल गई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि इस दिन मैनहट्टन इलाके में भी एक शख्स ने ओपन फायरिंग की, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली थी।

रूस में भूकंप के झटके, 6.0 तीव्रता के कंपन से दहशत 6 दिन पहले आया था 8.8 तीव्रता का महाभूकंप

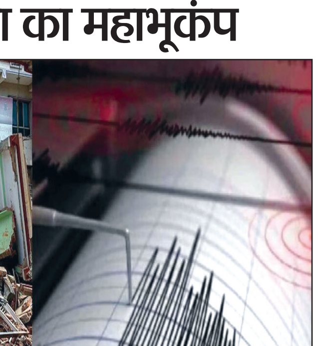

मॉस्को, (ईएमएस)। रूस के सुदूर-पूर्वी क्षेत्र कमचटका प्रायद्वीप में मंगलवार को एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों ने लोगों में दहशत फैला दी। यह झटका 6.0 तीव्रता का था और इसे पेट्रोपावलोव्स्क-कमचट्स्की शहर से करीब 108 किलोमीटर दूर स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:57 बजे महसूस किया गया।भूकंप संबंधी जानकारी यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने देते हुए बताया है, कि इससे ठीक 6 दिन पहले, 30 जुलाई को इसी इलाके में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया था, जिसे दुनिया के 10 सबसे बड़े भूकंपों में गिना गया। कमचटका प्रायद्वीप प्रशांत महासागर की रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जो भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यही कारण है कि यहां बार-बार ऐसी प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिलती हैं। वैज्ञानिकों और आपदा एजेंसियों ने इलाके पर कड़ी निगरानी रखनी शुरू कर दी है।मंगलवार को आए भूकंप की तीव्रता 6.0 आंकी गई है, जबकि इससे पहले आए भूकंप की तीब्रता 8.8 रही। पहले आए महाभूकंप के कारण प्रशांत महासागर के तटीय क्षेत्रों में सुनामी अलर्ट जारी कर दिया गया था और जापान, अमेरिका, चिली समेत कई देशों में हाई अलर्ट घोषित किया गया था। तब कमचटका के तटीय इलाकों में भी जनजीवन पूरी तरह से ठप हो गया था।

ज्वालामुखी हुआ सक्रिय

पहले भूकंप के बाद कमचटका के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में भीषण विस्फोट दर्ज किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 600 वर्षों बाद इस ज्वालामुखी ने इतनी तीव्रता से लावा उगला है। विस्फोट से इमारतों को नुकसान पहुंचा और कई लोग घायल हो गए।

जेलेंस्की का दावा, रूस की तरफ से लड़ रहे चीन-पाकिस्तान से आए भाड़े के सैनिक

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा करते हुए कहा कि उनके देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में यूक्रेनी सैनिकों को रूस की ओर से लड़ रहे विदेशी भाड़े के सैनिकों (मर्सिनरीज) का सामना करना पड़ रहा है। इन सैनिकों में चीन, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से आए लोग शामिल हैं। जेलेंस्की ने इस मामले में कड़ा जवाब देने की बात कही है। जेलेंस्की ने यह बयान खार्किव क्षेत्र में एक फ्रंटलाइन क्षेत्र का दौरा करने के बाद दिया, जहां उन्होंने 57वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के सैनिकों और कमांडरों से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमने कमांडरों के साथ फ्रंटलाइन की स्थिति, ववचान्स्क की रक्षा और युद्ध के ताजा हालातों पर चर्चा की। इस क्षेत्र में हमारे सैनिकों ने बताया कि चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों से आए भाड़े के सैनिक युद्ध में भाग ले रहे हैं। हम इसका जवाब देंगे।यूक्रेनी सैन्य और खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशी भाड़े के सैनिक रूस की प्राइवेट सैन्य कंपनियों जैसे वैगनर ग्रुप या रूसी रक्षा मंत्रालय से संबद्ध नई इकाइयों के तहत काम कर रहे हैं। ये समूह आर्थिक रूप से कमजोर या राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया से लड़ाकों की भर्ती करने के लिए जाने जाते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का दावा है कि युद्ध के मैदान से प्राप्त साक्ष्य, जैसे कि जब्त किए गए दस्तावेज विभिन्न देशों से आए विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी की पुष्टि करते हैं। जेलेंस्की ने पहले भी रूस पर चीनी लड़ाकों को भर्ती करने का आरोप लगाया था, जिसे बीजिंग ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके अलावा, उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हजारों सैनिक भेजे हैं। ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान के दूतावासों से इस मामले पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रूस ने भी जेलेंस्की के इन दावों पर तत्काल कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। इस साल की शुरुआत में, जेलेंस्की ने दावा किया था कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में 100 से अधिक चीनी नागरिकों को तैनात किया है। उन्होंने यह भी कहा था कि दो चीनी लड़ाकों को डोनेट्स्क क्षेत्र में पकड़ा गया था। जेलेंस्की ने एक वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें कथित तौर पर इन दो चीनी लड़ाकों के पूछताछ के फुटेज और उनके पासपोर्ट की तस्वीरें थीं।

परमाणु पनडुब्बी विवादः रूस का दावा, अमेरिका से ज्यादा परमाणु पनडुब्बियां तैनात

मॉस्को, (ईएमएस)। वरिष्ठ रूसी सांसद ने दावा किया है कि रूस के पास वर्तमान में दुनिया के महासागरों में अमेरिका से अधिक परमाणु पनडुब्बियां तैनात हैं। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने दो परमाणु पनडुब्बियों को 'उपयुक्त क्षेत्रों' में भेजने की बात कही थी। ट्रंप का यह कदम पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के अत्यधिक भड़काऊ बयानों के बाद आया था। राज्य ड्यूमा की सीआईएस मामलों के पहले उपाध्यक्ष विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा कि ट्रंप द्वारा भेजे गए जहाज पहले से ही रूसी नियंत्रण में हैं और मॉस्को को उनकी बातों पर प्रतिक्रिया देने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया के महासागरों में रुस की (न्यूक्लियर) पनडुब्बियां काफी ज्यादा हैं, (और उनके पास) सबसे मजबूत, सबसे शक्तिशाली हथियार हैं। वोडोलात्स्की ने ट्रंप के बार-बार बयान बदलने की प्रवृत्ति का भी जिक्र किया।दरअसल ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पर मेदवेदेव के भड़काऊ बयानों के मद्देनजर दो परमाणु पनडुब्बियों को एहतियात के तौर पर तैनात करने का आदेश दिया था। उन्होंने चेतावनी दी कि शब्द बहुत अहम होते हैं और अनचाहे परिणामों को जन्म दे सकते हैं। हालांकि, ट्रंप ने पनडुब्बियों के प्रकार या उनकी तैनाती के स्थान का खुलासा नहीं किया। इस बीच, वोडोलात्स्की ने सुझाव दिया कि अमेरिका को रूस-अमेरिका वार्ताकार समूहों के गठन और शांति बनाए रखने के लिए एक मुख्य समझौते को अंतिम रूप देने जैसे प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मेदवेदेव ने एक्स पर पोस्ट किया कि ट्रंप का हर नया अल्टीमेटम अमेरिका और रूस के बीच युद्ध की ओर एक कदम है। यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा रूस-यूक्रेन संघर्षविराम की समयसीमा को 50 दिनों से घटाकर 10 दिन करने के जवाब में आई थी।

महिलाओं की गंध पुरुषों के व्यवहार पर डालती है सीधा असर

टोक्यो (ईएमएस)। महिलाओं के शरीर की प्राकृतिक गंध, खासतौर पर बगल की गंध, पुरुषों के व्यवहार और मानसिक स्थिति पर सीधा असर डालती है। यह दावा किया है टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने। इस रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने पुरुष प्रतिभागियों को महिलाओं की कांख से लिए गए गंध के सैंपल सूंघने को दिए। इसके बाद उन्हें महिलाओं की तस्वीरें दिखाई गईं। नतीजा यह रहा कि जिन पुरुषों ने यह गंध सूंघी थी, उन्होंने महिलाओं को ज्यादा सुंदर और आकर्षक बताया। यही नहीं, उनकी लार में मौजूद तनाव संबंधी बायोमार्कर की मात्रा भी घट गई, जिससे साबित हुआ कि यह गंध उन्हें मानसिक रूप से शांत करती है। यह प्रभाव हर स्थिति में नहीं दिखा।वैज्ञानिकों ने पाया कि महिलाओं के मासिक धर्म चक्र के दौरान जब वे ओव्यूलेशन के चरण में होती हैं यानी जब उनकी प्रजनन क्षमता चरम पर होती है तब उनकी गंध पुरुषों को सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है। इस दौरान शरीर से निकलने वाली कुछ खास रासायनिक यौगिकों की मात्रा बढ़ जाती है, जिनका पुरुषों पर गहरा असर होता है।

बांग्लादेश में 2024 से 2025 के बीच मॉब लिंचिंग में 637 लोग मारे गए

ढाका, (ईएमएस)। बांग्लादेश में मॉब लिंचिंग की घटनाओं को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच मॉब लिंचिंग की घटनाओं में कम से कम 637 लोग मारे गए, जिनमें 41 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। अगस्त 2024 में हुए विद्रोह के बाद पीएम शेख हसीना के सत्ता से हटने के कारण राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी और तभी से बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंसा में वृद्धि देखी गई है।रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में शेख हसीना सरकार के दौरान 51 लिंचिंग की घटनाएं हुई थीं, लेकिन 2024-25 में यह संख्या 12 गुना से ज्यादा हुई। 4 अगस्त 2024 को जशोर स्थित 'द जबीर जशोर होटल' में 24 लोगों को जलाकर मार दिया गया। 25 अगस्त 2024 को नारायणगंज के रूपगंज में गाजी टायर्स में 182 लोगों को जिंदा जला दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ितों के नाम और विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मीडिया पर कड़ी सेंसरशिप के कारण वे मॉब लिंचिंग से हुई सभी मौतों की पूरी जानकारी एकत्र नहीं कर सके और इस सूची को अपूर्ण माना जाना चाहिए।पोर्ट में यह भी कहा गया कि राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर सरकारी नियंत्रण के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हुई। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा उठ गया लोगों ने कानून अपने हाथ में ले लिया। पुलिस बल कमजोर, अदालतें ठप और नेता या तो निशाने पर थे या छिप गए। रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थान अब भीड़ द्वारा हत्या के केंद्र बन गए हैं। ये हत्याएं अक्सर सिर्फ शक, अफवाह या राजनीतिक नाराजगी के चलते हुईं हैं।स्थानीय मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक अगस्त 2024 के बाद 70 फीसदी से ज्यादा मॉब लिंचिंग पीड़ित पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी अवामी लीग या इसके छात्र और मजदूर संगठनों से जुड़े थे। अन्य पीड़ितों में धार्मिक अल्पसंख्यक और अहमदिया मुस्लिम, शामिल थे। बांग्लादेश में एक भयावह घटना 9 जुलाई को मिटफोर्ड अस्पताल के बाहर हुई, जहां एक सामाजिक कार्यकर्ता लाल चंद सोहाग की भीड़ ने सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी। उनकी मौत को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीम किया गया, जिससे जनता में आक्रोश और डर फैल गया।रिपोर्ट के मुताबिक गलत सूचना और भड़काऊ सामग्री ने मिनटों में भीड़ को उकसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक फेसबुक पोस्ट में दावा किया गया कि एक हिंदू शख्स ने दूसरे समुदाय की भावनाओं को आहत किया, जिसके बाद भीड़ ने हमला कर दिया इस हमले में दो लोगों की जान चली गई और कई घर जला दिए गए। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सतर्कता न्याय पर रोक लगाने का वादा किया, लेकिन ये वादे खोखले साबित हुए। भीड़ द्वारा हत्या के मामलों में केवल कुछ गिरफ्तारियां हुईं और बहुत कम लोगों को सजा मिली।आलोचकों का कहना है कि यूनुस सरकार ने कानून व्यवस्था बहाल करने के बजाय राजनीतिक मजबूती पर ध्यान दिया। इससे बांग्लादेश के संस्थानों में लोगों का भरोसा और कम हुआ है। एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक 71 फीसदी बांग्लादेशी युवा मानते हैं कि भीड़ हिंसा अब सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी है और 47 फीसदी को डर है कि वे राजनीतिक रूप से प्रेरित हमलों का निशाना बन सकते हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी कि अगर पुलिस पुनर्गठन, न्यायिक स्वतंत्रता, डिजिटल फेक न्यूज कंट्रोल और नागरिक शिक्षा सहित तत्काल और प्रणालीगत सुधार नहीं किए गए तो भीड़ बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य का स्थायी हिस्सा बन सकती है।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में मंच पर नजर नहीं आये दोनों दिग्गज

प्रशंसकों ने लगाया अपमान का आरोप

लंदन (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच हुई हुई सीरीज को पटौदी से बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज नाम तो दे दिया गया पर उसको सम्मान नहीं मिला। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और दिग्गज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नाम की ट्रॉफी सीरीज समाप्त होने के बाद भी पुरस्कार वितरण समारोह में ये दोनो ही नजर नहीं आये। ऐसे में प्रशंसक सवाल कर रहे हैं और कह रहे हैं कि ये तेंदुलकर और एंडरसन का अपमान है। प्रशसकों का कहना है कि ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रख दिया, लेकिन उनको वह सम्मान नहीं दिया। ये सीरीज 2-2 से ड्रॉ हुई है तो कम से कम दोनों दिग्गजों को मंच पर बुलाया जाना चाहिये था, जिस तरह दोनों ट्रॉफी के अनावरण के समय साथ में थे। इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) ने बीसीसीआई के साथ मिलकर इस ट्रॉफी का नाम बदल दिया और पटौदी परिवार की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पटौदी पदक विजेता टीम के कप्तान को देने का फैसला हुआ पर तेंदुलकर और न ही एंडरसन और न ही पटौदी परिवार का कोई व्यक्ति मंच पर नजर आया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और भारतीय कप्तान शुभमन गिल अकेले ट्रॉफी के साथ नजर आए, जबकि अन्य सीरीजों में ऐसा नहीं होता है।

मांट्रियल में महिलाओं के एकल टेनिस फाइनल में यूक्रेन की मार्टा कोस्टुक रिटर्न शॉट लगाती हुई।

सिराज द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

ओवल (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पांचवे टेस्ट मैच में मेजबान टीम इंग्लैंड को 6 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-2 से बराबरी हासिल की है। भारतीय टीम की इस जीत में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की अहम भूमिका रही। सिराज ने इस मैच की पहली पारी में 4 जबकि दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। इसी के साथ ही सिराज ने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। वह द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय और कुल मिलाकर देखा जाये तो आठवें गेंदबाज बने हैं। ओवल में चार दशक के बाद कोई गेंदबाज चौथी पारी में 5 विकेट ले पाया है। अंतिम बार साल 1984 में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने इस मैदान पर पांच विकेट लिए थे। होल्डिंग ने ये रिकार्ड सा 1976 में बनाया था। इसके अलावा साल 1997 के बाद से ही इस मैदान पर 5 विकेट लेने वाले सिराज पहले गेंदबाज बने हैं। सिराज ने पांच मैचों की सीरीज में 20 से अधिक विकेट लिए। इस गेंदबाज ने साल 2020 में भारतीय टीम में जगह हासिल करने के बाद से ही टेस्ट प्रारुप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 41 टेस्ट मैचों की 76 पारियों में 123 विकेट लिए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया के फ्रेडरिक स्पोफोर्थ ने साल 1882, जेजे फेरिस ने साल 1890, क्लेरी ग्रिमेट ने साल 1934 वहीं पाकिस्तान के फजल महमूद ने साल 1954 व वेस्टइंडीज के कीथ बॉयस ने साल 1973 में द ओवल की चौथी पारी में 5 विकेट लिए थे।

अपराधियों के हमले में बैडमिंटन कोच गंभीर रुप से घायल

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में हफ्ता वसूली देने से माना करने पर एक बैडमिंटन कोच प्रफुल्ल घाटविसावे पर अपराधियों ने हमला कर दिया। कोच को गंभीर रुप से घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कहा जा रहा है कि कोच पर ये हमला इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने हर सप्ताह 1000 रुपये देने से इंकार कर दिया था। पुलिस से मिली के अनुसार, कोच प्रफुल्ल घाटविसावे अपने घर के पास एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी तीन युवकों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार की रात हुई थी। वहीं हमलावरों ने कहा कि वे सनी गैंग से हैं और उन्होंने कोच घाटविसावे से हर सप्ताह 1000 रुपए देने की मांग की। कोच ने जब इंकार किया तो उनपर ही हमला कर दिया। हमले के दौरान एक आरोपी ने बीयर की टूटी बोतल का से कोच के पेट पर कई वार किए। इस घटना में गंभीर रूप से घायल कोच घाटविसावे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई गई है।वारदात के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

हंगरी में मैकलरेन के चालक नोरिस अवार्ड समारोह में ट्रॉफी उठाये हुए।

संन्यास के बाद भी डिविलियर्स आईपीएल खेलने वाले कई खिलाड़ियों से बेहतर : स्टेन

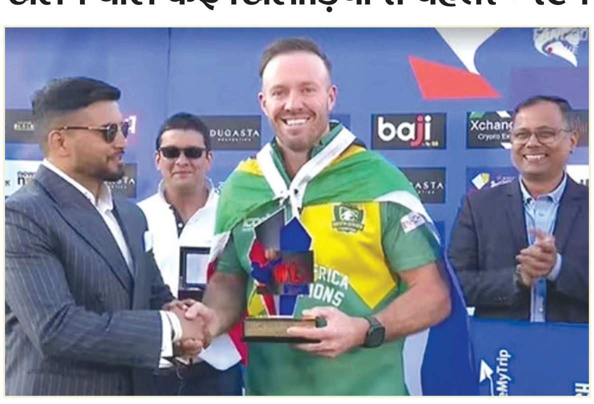

लंदन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन का मानना है कि स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स संन्यास लेने के बाद भी आईपीएल में खेलने वाले आधे से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर हैं। स्टेन ने आईपीएल का इसलिए जिक्र किया है क्योंकि ये विश्व की सबसे कठिन क्रिकेट लीग मानी जाती है जिसमें सभी बड़े खिलाड़ी खेलते हैं। डिविलियर्स ने पूर्व क्रिकेटरों की लीग के खिताबी मुकाबले में शतक लगाकर अपने को साबित किया है डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते रहे हैं। संन्यास के वर्षों बाद भी उनकी बल्लेबाजी देखकर लगता है कि कुछ भी नहीं बदला है। 41 वर्षीय डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूयीएल) 2025 में दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस की पाकिस्तान चैम्पियंस पर जीत में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। बर्मिंघम में डल्यूसीएल फाइनल में डिविलियर्स ने 60 गेंदों पर नाबाद 120 रनों की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस को पाकिस्तान चैंपियंस पर 9 विकेट से जीत दिलाई। 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए डिविलियर्स ने अपनी विशिष्ट 360-डिग्री स्ट्रोकप्ले का प्रदर्शन किया, जिसमें 18 चौके, 10 चौके और 8 छक्के लगाए, और जेपी डुमिनी के साथ 125 रनों की साझेदारी की। इस बल्लेबाज ने इस टूर्नामेंट के 5 मैचों में तीन शतकों सहित 143 की औसत से 429 रन बनाए। डिविलियर्स का अंतिम प्रदर्शन दिखता है कि अब भी उनकी लय बरकरार है। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ 51 गेंदों में 116 रनों की आतिशी पारी से की, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 46 गेंदों में 123 रनों की पारी खेली और फाइनल में नाबाद शतक लगाकर एक यादगार बना दी। इस टूर्नामेंट में उनकी यह उपलब्धि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पहले आईपीएल खिताब और दक्षिण अफ्रीका की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के कुछ ही महीनों बाद आई। 170 मैचों में 39.7 की औसत और 151.6 के स्ट्राइक रेट से 5162 रनों का उनका आईपीएल रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है। वह आरसीबी के स्टार बल्लेबाज रहे हैं।

स्टोक्स होते तो परिणाम कुछ और होता : वॉन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि कप्तान बेन स्टोक्स के टीम में नहीं रहने से कोई भी टीम उसे हरा देगी। वॉन के अनुसार टीम को अंतिम टेस्ट में स्टोक्स जैसे जुझारु खिलाड़ी की कमी खली है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड को केवल 35 रन चाहिए थे और उसके पास चार विकेट थे पर जल्दबाजी के कारण उसके हाथ से मैच फिसल गया।भारतीय टीम ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 रनों से मैच जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी। वॉन ने कहा, ''स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड ये मैच जीत जाती क्योंकि वह हालात के अनुसार खेलना जानते हैं।वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं।''वॉन ने कहा, ''उन्हें बस एक अच्छी साझेदारी की ज़रूरत थी। जिस तरह से वे आक्रामक होकर खेलते हैं उसमें वे बेवजह की हड़बड़ाहट कर गये। हैरी ब्रुक के पेवेलियन लौटने से टीम के हाथ से मैच फिसल गया।।''स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया था। वॉन ने कहा कि भारत के खिलाफ रोमांचक सीरीज से इंग्लैंड को इस साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज सीरीज में लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड ने पांच मैचों में शानदार प्रदर्शन किया पर आपको वास्तविकता में रहना होगा। इस सप्ताह उनके पास सिर्फ़ 10 खिलाड़ी थे। उन्होंने अपना एक गेंदबाज़ जल्दी खो दिया और बेन स्टोक्स भी नहीं खेल पाए। मुझे लगता है कि खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अब अच्छी तरह से तैयार हो गये हैं।'' वॉन ने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हमें केवल अपने गेंदबाजी आक्रमण को सही करना होगा।''

हरमनप्रीत की कप्तानी में 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

बेंगलुरु (ईएमएस)। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम इसी माह 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जहां उसे चार मैच खेलने हैं। भारतीय टीम को इस दौरे में 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलने हैं। इससे भारतीय टीम को विश्वकप के लिए इसी माह के अंत में शुरु हो रहे एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर होगा। हरमनप्रीत की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया जा रही 24 सदस्यीय भारतीय टीम में कर्नाटक के पूवन्ना सीबी को भी पहली बार अवसर मिला है। इसकी तैयारी के

लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की भारतीय टीम के गोलकीपर की जिम्मेदारी कृशन पाठक और सूरज करकेरा के पास रहेगी जबकि डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और पूवन्ना होंगे। वहीं मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा ध्यान शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा। टीम में युवा खिलाड़ियों के चयन को लेकर उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने के लिए अवसर दिया है।

गंभीर ने आलोचकों को दिया जवाब, कुछ जीतेंगे, कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे

ओवल (ईएमएस)। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में बराबरी हासिल करने से भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद उत्साहित हैं। गंभीर को कोच बनने के बाद से ही ये पहली बड़ी सफलता मिली है क्योंकि इससे पहले हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे थे। ऐस में इस सीरीज के 2-2 से ड्रॉ रहने से गंभीर को बड़ी राहत मिली है। इस सीरीज में मिली सफलता के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर अपने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा , "हम कुछ जीतेंगे, वहीं कुछ हारेंगे पर कभी हार नहीं मानेंगे। इसके बाद उन्होंने टीम की प्रशंसा की।" ओवल टेस्ट के अंतिम दिन इंग्लैंड को जहां जीत के लिए मात्र 35 रनों की जरुरत थी पर भारतीय टीम के गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और

प्रसिद्ध कृष्णा ने उसके हाथ में आई जीत छीन ली। जिसके बाद से भी भारतीय प्रशंसकों में खुशी की लहर है। ये जीत टीम को अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना मिली मिली है। इस सीरीज का पहला मैच मेजबान टीम ने जबकि दूसरा भारतीय टीम ने जीता। तीसरा टेस्ट जीतकर मेजबानों ने फिर बढ़त ली पर भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट को ड्रॉ पर रोक दिया। अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर सीरीज बराबरी पर ला दी। इस सरीज में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल तीन टेस्ट खेले। अंतिम टेस्ट बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 224 रन ही बना पायी। वहीं भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को भी 247 रनों पर ही रोक दिया। 23 रनों से पिछड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में 396 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए मेजबान टीम हैरी ब्रूक और जो रूट के शतक के बाद भी 367 रनों पर ही आउट हो गयी ओर भारतीय टीम को 6 रनों से जीत मिली।

मेसी चोटिल होने के कारण खेल से बाहर हुए : इंटर मियामी

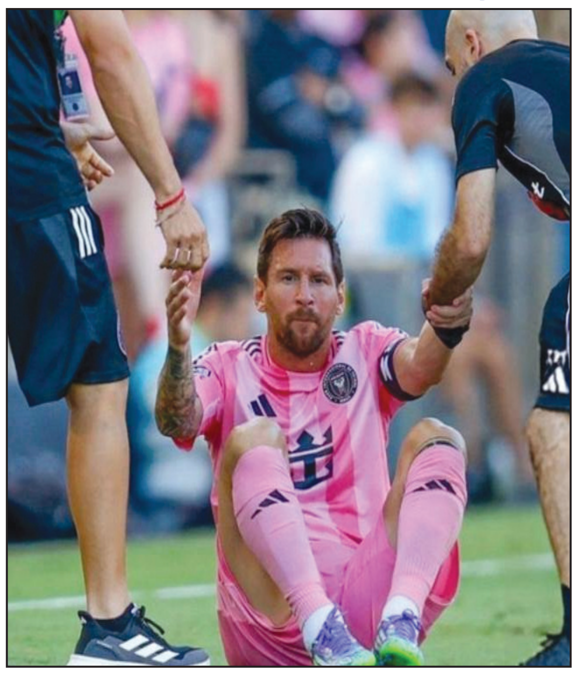

फोर्ट लॉडरडेल (ईएमएस)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दाहिने पैर में चोट लगी है। इस कारण वह आने वाले मुकाबलों से बाहर हो गये हैं। फुटबॉल क्लब इंटर मियामी सीएफ ने भी मेसी के चोटिल होने की पुष्टि की है। इंटर मियामी के अनुसार मेसी के दायें पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट आई है। वही मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब ने कहा कि मेसी कब खेल में वापसी करेंगे। ये कहा नहीं जा सकता। चोटिल होने के कारण ही लीग्स कप के फेज वन में नेकाक्सा के खिलाफ हुए मुकाबले से भी वह बाहर रहे थे। इंटर मियामी की टीम हालांकि ये मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीती थी।

इंटर मियामी की ओर से कहा गया, मेस्सी ने नेकाक्सा के खिलाफ लीग्स कप मुकाबले के दौरान मांसपेशियों में हुए दर्द की जांच करायी। इसी करण वह मैदान से बाहर आये। उनके दाहिने पैर में मांसपेशी में हल्की चोट भी आई है। मेस्सी की वापसी मेडिकल टीम की मंजूरी और उनके चोट से उबरने की समयसीमा पर आधारित रहेगी।

इस साल की शुरुआत में भी मेसी एडडक्टर और जांघ में खिंचाव में खिंचाव जैसी समस्याओं से पीड़ित रहे हैं, जिसके कारण ही वह मार्च में अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर्स से भी बाहर रहे थे। इस सत्र में उन्होंने लीग के 18 मैचों में 18 गोल किये जबकि 9 गोल में सहायता की। लीग्स कप 2025 के की शुरुआत में एटलस के खिलाफ इंटर मियामी की अंतिम क्षणों में 2-1 से मिली जीत में दोनों गोलों में मेसी की अहम भूमिका रही। साल 2024 में भी मेसी को फिटनेस जैसी समस्याएं आईं। मेसी को जुलाई में अर्जेंटीना के लिए कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान पैर की मांसपेशियों में चोट आई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रहना पड़ा था।

डब्ल्यूटीसी की जगह एशेज को अधिक महत्व देते हैं स्टोक्स : कार्तिक

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पर निशाना साधा है। कार्तिक ने कहा है कि स्टोक्स आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल को अधिक महत्व नहीं देते और उनका पूरा ध्यान एशेज सीरीज पर ही रहता है। इसी कारण वह डब्ल्यूटीसी के प्रारुप की आलोचना करते हैं ओर उसे संशय से भरा कहते हैं। स्टोक्स ने डब्यूटीसी की अंक प्रणाली और धीमी ओवर गति के लिए मिलनी वाली सजा पर नाराजगी जतायी है। कार्तिक के अनुसार इसी कारण डब्ल्यूटीसी के तीन चक्र होने के बावजूद इंग्लैंड अब तक तक फाइनल में नहीं पहुंचा है। स्टोक्स साल 2022 से ही इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

एशेज की शुरुआत नवंबर में होगा। कार्तिक ने कहा, "पिछले कुछ सालों में इंग्लैंड ने सिर्फ एशेज की तैयारी की है। हम भारत में डब्ल्यूटीसी को बहुत महत्व देते हैं पर स्टोक्स किसी कारण से अंक तालिका को महत्व नहीं देते। मुझे नहीं पता कि यह कोई बहाना है या कुछ और।" वहीं स्टोक्स ने कहा था, ईमानदारी से कहूं तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप थोड़ी संशयपूर्ण है, यह उनमें से एक है जहां लंबे समय तक अगर आप वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेलते हैं, तो आपको वह परिणाम मिलते हैं जो आप चाहते हैं, आप अंततः फाइनल में अपने को पाएंगे। उन्होंने साथ ही कहा था, लेकिन यह वास्तव में अजीब है, क्योंकि आपको पता है कि आप लंबे समय से किसी चीज के लिए खेल रहे हैं। मुझे याद नहीं आता कि क्या मैंने कभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बारे में सोचने के लिए कोई वास्तविक समय दिया, क्योंकि इसका प्रारुप समझ नहीं आता है। डब्ल्यूटीसी में दो साल के अंदर एक टीम छह टेस्ट सीरीज खेलते है और जीत प्रतिशत के आधार पर अंक तालिका बनती । तालिका में शीर्ष-2 में रहने वाली दो टीमें फाइनल खेलती हैं। कार्तिक के अनुसार टेस्ट क्रिकेट का भविष्य बेहतर बनाने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरु की गयी है। इसके बाद भी स्टोक्स उसकी उपेक्षा करते हैं।

शुभमन , जडेजा सहित पांच खिलाड़ियों का औसत बढ़ा, यशस्वी और करुण का घटा

मुम्बई (ईएमएस)। इंग्लैंड दौर में भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजों ने जमकर रन बनाये। इनमें से कप्तान शुभमन गिल, रविन्द्र जडेजा सहित पांच खिलाड़ियों का औसत बढ़ा है। वहीं यशस्वी जायसवाल और करुण नायर का औसत गिरा है।

इस खिलाड़ियों का औसत बढ़ा

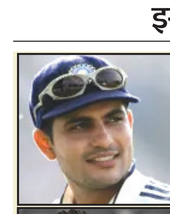

शुभमन गिल : इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में चार शतक के साथ ही सबसे अधिक 754 रन बनाने वाले शुभमन गिल का औसत इस सीरीज से पहले 35.05 का था जो अब बढ़कर 41.35 का हो गया है।

रवींद्र जडेजा : इंग्लैंड दौरे पर 5 अर्धशतक और 1 शतक लगाने वाले रवींद्र जडेजा ने सीरीज में 500 से अधिक रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के बाद उनका बल्लेबाजी औसत 34.74 से बढ़कर 37.72 का हो गया है।

ऋषभ पंत : फ्रेक्चर के चलते पांचवां टेस्ट ना खेलने वाले ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में 68.43 की औसत के साथ 479 रन बनाए। इस प्रदर्शन के बाद उनका औसत 42.11 से बढ़कर 44.50 का हो गया है।

वॉशिंगटन सुंदर : वॉशिंगटन सुंदर ने भी इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन किया। सुंदर का पहले बल्लेबाजी औसत 42.54 का था जो अब सीरीज के बाद बढ़कर 44.23 का हो गया है।

केएल राहुल : सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 532 रनों के साथ सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज रहे। राहुल का बल्लेबाजी औसत इस सीरीज के बाद 33.57 से बढ़कर 35.41 का हो गया है।

यशस्वी जायसवाल के हाथ लगी निराशा : यशस्वी जायसवाल के बल्लेबाजी औसत में गिरावट देखने को मिली है। जायसवाल इस सीरीज में निरंतरता नहीं दिखा पाए, 10 पारियों में उन्होंने दो शतक के साथ ही 411 रन बनाए। सीरीज से पहले उनका बल्लेबाजी औसत 52.88 का था जो अब घटकर 50.20 का रह गया है।

करुण नायर : 8 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले करुण नायर इंग्लैंड दौरे पर प्रभाव नहीं छोड़ पायेहे। 4 टेस्ट मैचों की 8 पारियों में वह 25.62 की औसत के साथ 205 ही रन बना पाये। नायर का बल्लेबाजी औसत इस सीरीज से पहले 62.33 का था जो अब घटकर 41.35 का रह गया है।

युगपुरुष दशोमगुरू शिबू सोरेन का श्रद्धांजलि सभा मुगमा मोड़ स्थित अशोक मंडल के कार्यालय में आयोजित की गई

चिरकुंडा, (धनबाद), झारखंड आंदोलनकारी अशोक मंडल के नेतृत्व में मुगमा मोड़ स्थित कार्यालय में झारखंड आंदोलनकारी साथियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ झारखंड के युगपुरुष दिशोमगुरु शिबू सोरेन की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

जहां गुरु जी के आंदोलन से जुड़े कई बातो को उपस्थित लोगों द्वारा रखी गई। मौके पर अशोक मंडल ने 1992-93 की एक घटित घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु जी के नेतृत्व में मैथन गेस्ट हाउस में हमलोग कुछ वरिष्ठ आंदोलनकारियों के साथ रणनिती तैयार कर रहे थे।तभी गुप्त सूचना मिली कि प्रशासन के लोग गुरु जी एवं आंदोलनकारी साथियों को गिरफ्तार करने वाले हैं। वहां खाना बन रहा था। बिना खाए वहां से सभी निकल कर धनबाद के अज्ञात स्थान पहुंचे l रात तक पुलिस का खेल आँख मिचोनी चलता रहा। हड़बड़ी में राजु झा वहीं छुट गया। वह रात-भर एक रैन बसेरा में समय बिताया l सुबह ट्रेन पकड़ कर कुमारधुबी पहुंचा।एक अन्य आंदोलन जो उस समय का सबसे बड़ा आंदोलन का हिस्सा था । निरसा क्षेत्र में 1 लाख 32हजार का टावर काटने का जिम्मा हमें सोंपा गया। गुरु जी के निर्देश पर हमने उसे पूरा किया। हमारा उम्र भी कम था। झारखंड अलग राज्य का जो सपना गुरु जी ने देखा था, हमने अपने साथियों के साथ रात के 11बजे टावर बिना जान का प्रवाह किए काट दिया ।जिससे धनबाद बोकारो सेल ई सी एल बीसीसीएल डीभीसी हवडा नई दिल्ली रेलवे लाइन बिजली सप्लाई लगभग24 घंटे बाधित रहा l पुलिस हमें एवं हमारे लोगों के पिछे पड गई ।हम महीनों तक अंडरग्राउंड हो गये ।पुलिस ने हमारे घर की कुड़की जब्ती कर ली l सालों तक हमपर मुकदमा चला। तब जाकर तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री ने गुरुजी को बुलाया एवं झारखंड ओटोनोमस काउंसिल की बात रखी ।1995में झारखंड ओटोनोमस काउंसिल का गठन हुआ ।गुरु जी उसके अध्यक्ष बने l हमें भी उसका सदस्य बनाया गया। आगे इस प्रकार गुरुजी के नेतृत्व में हमलोग अलग राज्य की लड़ाई लड़ते रहे। गुरु जी का सादगी भरा जीवन हमलोगों को हमेशा आकर्षित करता रहाहै ।एसी कई घटनाएं हमलोगों के साथ घटित हुई। लेकिन किसी भी परिस्थिति में गुरुजी न तो खुद घबड़ाए और न हीं हमलोगों को घबड़ाने दिया। निरसा धनबाद की धरती पर संगठन का जो कार्य उनके द्वारा हमें सोंपा गया। हमने यहां के तमाम नेता कार्यकर्ता के साथ मिलकर पूरा किया। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ आंदोलन कारी ठाकुर मांझी,मोहम्मद अमरुल्लाह ,विमल चौधरी,नईम शेख,पूर्व मुखिया विमल रवानी,संजय पालित,बहुजन मरांडी,गोविंद चौबे,वीरेंद्र अटल,फारूख अंसारी,राजू झा,अरूप कालिंदी, निमाय गोराइं,सुखदेव हांसदा, सैनल मंडल, रासु दास,यादव बाध्यकार,मकसूद शेख,कुमार सानू,सपन लोहार,मोनी गोराई, अजीत पंडित,शैलेन्द्र सिंह,श्याम सुंदर,विकाश सिंह,रंजीत सिंह,गौतम ठाकुर,सुलझा मांजी, टूटुल भट्टाचार्य,अरशद अंसारी,जयदेव रविदास, भूता रविदास,विश्वजीत पोद्दार,द्वारिका मंडल,महेश सोरेन,सुखदेव हांसदा,नसीम शेख,सफरुद्दीन शेख, नारू चक्रवर्ती,श्रीमती सुजाता सिन्हा,श्रीमती सीमा घोष,श्रीमती सीमा बागती सहित सैंकड़ों आंदोलनकारी उपस्थित थें।

नए क्वालिटी सर्किल टीमों के लिए क्वालिटी सर्किल जागरूकता एवं इससे सम्बंधित अवधारणा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो । नव पंजीकृत क्वालिटी सर्किल टीमों के लिए क्वालिटी सर्किल जागरूकता एवं इससे सम्बंधित अवधारणा के लिए "क्वालिटी सर्कल टूल्स" पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के द्वारा मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के मेन ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बी एस एल के वर्क्स और नॉन-वर्क्स डिविजन के 50 प्रतिभागियों ने में भाग लिया.प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्री अमरेश सिन्हा ने किया. उन्होंने क्यूसी टूल्स और टेक्निक्स के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की तथा बताया कि किस प्रकार से रोजमर्रा की जिंदगी में इसे अपना कर कार्य दक्षता, समस्या-समाधान और कार्यों और प्रक्रियाओं की समग्र गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्वालिटी सर्कल और संबद्ध अवधारणा तकनीकों, सांख्यिकीय तरीकों से व्यवस्थित प्रक्रिया विश्लेषण और निरीक्षण, समस्या की पहचान एवं समाधान की अवधारणा तथा राष्ट्रीय स्तर की क्वालिटी सर्किल प्रतियोगिता के मार्किंग सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सुश्री सागरिका साहू, वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) के द्वारा किया गया.

पैरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध से संबंधित अफवाहों की कोई जानकारी नहीं : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा है कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को पैरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध से संबंधित अफवाहों की कोई जानकारी नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि देश में पैरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध नहीं है लेकिन हाल ही में देश में विभिन्न निश्चित खुराक संयोजन जिसमें पैरासिटामोल का अन्य दवाओं के साथ संयोजन भी शामिल हैं, प्रतिबंधित किए गए हैं और ऐसे सभी प्रतिबंधित संयोजनों की सूची केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

औषधि विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 (डीपीसीओ, 2013) के अंतर्गत ओटीसी दवाओं सहित दवाओं की कीमतें निम्नलिखित तरीके से निर्धारित करता है एवं निगरानी करता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आने वाले मरीजों के जेब पर बोझ को कम करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत निःशुल्क दवा सेवा पहल की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को उक्त मिशन के लिए उनके समग्र संसाधन के अंतर्गत, उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं में उनके द्वारा प्रस्तुत की गई आवश्यकताओं के आधार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में निःशुल्क आवश्यक दवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उक्त पहल के अंतर्गत सहायता औषधियों की खरीद, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एवं गोदाम, पर्चे का ऑडिट और शिकायत निवारण की मजबूत प्रणाली को सुदृढ़ करने या स्थापित करने के लिए उपलब्ध है। साथ ही मानक उपचार दिशा-निर्देशों के प्रसार तथा औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली (डीवीडीएमएस) नामक सूचना-प्रौद्योगिकी सक्षम मंच की स्थापना के लिए सहायता उपलब्ध है जिसका उपयोग आवश्यक दवाओं की खरीद एवं उपलब्धता की वास्तविक स्थिति की निगरानी के लिए किया जाता है।

दिवाली के बाद होंगे स्थानीय निकाय चुनाव, चरणों में होगी प्रक्रिया, राज्य चुनाव आयुक्त ने की घोषणा

नासिक : महाराष्ट्र में लंबे समय से प्रतीक्षित स्थानीय निकाय चुनाव अब दिवाली के बाद चरणों में कराए जाएंगे। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के लिए आरक्षण लॉटरी प्रणाली के जरिए तय किया जाएगा, जबकि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण पहले की तरह तय रहेगा। जिला परिषद, पंचायत समितियों, नगर परिषदों और नगर निगमों के चुनाव 2017 से लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पहले फैसला सुनाया, जिससे 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण और 2017 की वार्ड सीमाओं के आधार पर स्थानीय निकाय चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया। वाघमारे ने कहा, स्थानीय निकाय के लिए चुनावी प्रक्रिया दिवाली के बाद यानी अक्तूबर के अंत से शुरू होगी। वह नासिक में चुनाव तैयारियों की समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि चुनाव चार महीने के भीतर कराए जाएं। इस निर्देश के अनुसार, नगर निगमों, जिला परिषदों और नगर परिषदों के चुनाव चरणों में कराए जाएंगे। वाघमारे ने कहा, मैं अभी चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं कर रहा हूं, लेकिन हम दिवाली के बाद अक्तूबर के अंत से स्थानीय निकाय चुनावों की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से शुरू करेंगे। सभी चुनाव एक साथ कराना मानव संसाधन पर बहुत अधिक दबाव डालेगा, इसलिए हम चरणों में चुनाव कराएंगे। उन्होंने कहा कि किस क्षेत्र में पहले चुनाव होंगे, इसका निर्णय बाद में लिया जाएगा। पूरी चुनाव प्रक्रिया दिसंबर 2025 के अंत या जनवरी 2026 के मध्य तक पूरी कर ली जाएगी। वाघमारे ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के लिए करीब 8,705 कंट्रोल यूनिट और 17,000 से अधिक वोटिंग मशीनों की जरूरत होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में वीवीपैट मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण के लिए लॉटरी प्रणाली को ही अपनाया जाएगा, जैसा कि पहले के चुनावों में भी किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार वही पद्धति इस बार भी लागू होगी। चुनाव आयुक्त ने कहा कि यह चुनाव 1 जुलाई 2025 की मतदाता सूची के आधार पर कराया जाएगा। वार्ड सीमाओं को अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस समीक्षा बैठक में चुनाव कर्मचारियों और तकनीकी संसाधनों की तैयारियों की भी जांच की गई। वाघमारे ने कहा कि नासिक संभाग में 50.45 लाख मतदाता और कुल 4,982 मतदान केंद्र हैं।

'एनआरसी थोपने की साजिश, बंगाल में नहीं लागू होने दूंगी', एसआई आर को लेकर सीएम ममता ने केंद्र को घेरा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की सियासत में गर्माहट है। इसी बीच विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा सरकार की साजिश है और इसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। बता दें कि बाढ़ प्रभावित पश्चिम मेदिनीपुर जिले के घाटाल दौरे पर ममता बनर्जी ने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार ने बनाई है और चुनाव आयोग उसकी मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। सभी लोग अपने माता-पिता के जन्म प्रमाणपत्र संभालकर नहीं रख सकते। बंगाल में नहीं लागू होने देंगी- ममता एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साथ कहा कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू नहीं होने देंगी, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगर बंगाल में यह प्रक्रिया लागू हुई, तो हर धर्म के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगे केंद्र सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर एनआरसी जैसी प्रक्रिया लागू करने की कोशिश हो रही है। बंगाली को भाषा के चलते किया जाता है परेशान- सीएम सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि बंगाली बोलने वाले भारतीयों को बांग्लादेशी कहकर जबरन बाहर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल के प्रवासी मजदूरों को दूसरी जगहों पर सिर्फ उनकी भाषा की वजह से परेशान किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि जब वह इसका विरोध करती हैं, तो कुछ लोग उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाने की मांग करते हैं।

दुष्कर्म की कोशिशों से परेशान नाबालिग लड़की ने कर ली आत्महत्या

पलामू(ईएमएस)।जिले के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की ने कथित तौर पर दुष्कर्म की कोशिशों से परेशान होकर अपनी जान दे दी। पीड़िता के परिवार ने पुलिस को बताया कि आरोपी राहुल ठाकुर, अपने माता-पिता के साथ चार अगस्त को उनके घर आया और लड़की को अपने साथ ले जाने की कोशिश करने लगा।जब परिवार ने इसका विरोध किया, तो काफी हंगामा हुआ।इस घटना से तंग आकर नाबालिग ने आत्महत्या कर ली।यह कोई पहली घटना नहीं थी।परिजनों के अनुसार, दो अगस्त को भी राहुल ठाकुर जबरन उनके घर में घुस आया था और लड़की के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की थी।जब पड़ोसियों की भीड़ जमा हो गई, तो वह मौके से भाग निकला था। इस पूरे मामले के बाद पुलिस ने आरोपी राहुल ठाकुर और उसके माता-पिता के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।घटना के बाद से आरोपी और उसके परिवार वाले फरार हैं। पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।यह पूरी जानकारी पोस्टमार्टम के बाद परिजनों द्वारा पुलिस को दिए गए आवेदन पर आधारित है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है।

हत्या मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार, लंबे समय से थे फरार

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।जमशेदपुर पुलिस ने हत्या मामले में फरार चार आरोपियों को गिरफ्तार पर लिया है।ये साढ़े पांच साल से भी अधिक समय से फरार थे।हत्या की घटना 20 जनवरी 2020 को परसुडीह थाना क्षेत्र के गोलपहाड़ी इलाके में हुई थी। गिरफ्तार आरोपियों में देव्रत, सुभाष, रीना और दीपा शामिल हैं।इनके खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सभी आरोपी परसुडीह के पास कहीं जाने की फिराक में हैं। सूचना के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस की टीम गठित कर छापेमारी की गई। टीम ने छापेमारी कर चारों को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

भारत 6 अगस्त से हर्बल औषधि सुरक्षा पर डब्ल्यूएचओ-आईआरसीएच कार्यशाला की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत 6 से 8 अगस्त, 2025 तक नई दिल्ली में प्रतिष्ठित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)-हर्बल औषधियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग (आईआरसीएच) कार्यशाला की मेज़बानी करेगा। आयुष मंत्रालय द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषज संहिता आयोग (पीसीआईएमएंडएच) के सहयोग से आयोजित की जा रही इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में हर्बल औषधियों के विनियमन क्षमता को मज़बूत करने के लिए वैश्विक विशेषज्ञ और नियामक एक मंच पर जुटेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और डब्ल्यूएचओ-आईआरसीएच के अध्यक्ष डॉ. किम सुंगचोल करेंगे। इसमें भूटान, ब्रुनेई, क्यूबा, घाना, इंडोनेशिया, जापान, नेपाल, पैराग्वे, पोलैंड, श्रीलंका, युगांडा और ज़िम्बाब्वे जैसे देशों के प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की उम्मीद है जबकि ब्राज़ील, मिस्र और अमेरिका वर्चुअल रूप से शामिल होंगे। यह कार्यशाला अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और तकनीकी आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी।

दंपती का तलाक, पत्नी को मिलेगा करोड़ों का फ्लैट, पति पर लगे सभी केस रद्द; वैवाहिक विवाद पर 'सुप्रीम' आदेश

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक तलाकशुदा जोड़े के बीच लंबी कानूनी लड़ाई को खत्म करते हुए दोनों को तलाक की मंजूरी दे दी और पति को मुंबई का चार करोड़ रुपये का फ्लैट पत्नी को देने का आदेश दिया। मामले में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पति-पत्नी के बीच पिछले आठ वर्षों से चल रहे विवाद और दर्जनों कानूनी मामलों से यह साफ है कि अब यह रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। कोर्ट ने महिला के आरोपों को किया खारिज कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में आर्टिकल 142 के तहत न्याय करना जरूरी है। इसके तहत कोर्ट ने शादी को अप्रतिवर्तनीय रूप से टूट चुका मानते हुए तलाक दे दिया। कोर्ट ने महिला द्वारा पति पर लगाए गए घरेलू हिंसा, विश्वासघात और क्रूरता के आपराधिक केसों को भी खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इन शिकायतों में कोई ठोस जानकारी या उदाहरण नहीं थे। पति को दिया फ्लैट देने का आदेश मामले में कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि वह एक सितंबर 2025 तक फ्लैट की मेंटेनेंस राशि का बकाया जमा करे और 30 अगस्त तक पत्नी के नाम रजिस्ट्री करे। कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर पति ऐसा नहीं करता, तो तलाक का आदेश अमान्य हो जाएगा। अगर पत्नी रजिस्ट्री के लिए तय तारीख पर नहीं पहुंची, तो उसे 15 सितंबर 2025 को फिर से बुलाया जाएगा। अगर वह तब भी नहीं आई, तो तलाक मान्य होगा। कोर्ट ने दोनों पक्षों के बीच चल रहे मामलों को किया बंद इसके साथ ही अंत में कोर्ट ने दोनों पक्षों के बीच चल रहे सभी नागरिक और आपराधिक मामलों को बंद कर दिया और भविष्य में भी एक-दूसरे के खिलाफ कोई केस न करने का आदेश दिया। बता दें कि यह फैसला तलाकशुदा जोड़ों के लिए मिसाल बन सकता है, जहां कोर्ट ने सम्पूर्ण न्याय करते हुए संपत्ति के बंटवारे से लेकर कानूनी मामलों को एक ही फैसले में निपटा दिया।

'तीनों सेनाओं में तालमेल और तकनीकी बदलाव जरूरी', ट्राइडेंट लेक्चर सीरीज में बोले सीडीएस अनिल चौहान

नई दिल्ली : चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि बदलते युद्ध के तरीकों को देखते हुए हमें जल्द से जल्द नई और आधुनिक तकनीकों को अपनाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पुरानी व्यवस्थाओं पर दोबारा सोचने और थल, वायु और नौसेना के बीच बेहतर तालमेल बनाना बेहद जरूरी है। जनरल चौहान मंगलवार को दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में आयोजित वार्षिक ट्राइडेंट लेक्चर सीरीज के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम संयुक्त युद्ध अध्ययन केंद्र की स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी तालमेल और तीनों सेनाओं के एकीकृत ऑपरेशन आज के समय की ज़रूरत हैं। रक्षा मंत्रालय ने उनके इस संबोधन की जानकारी साझा की।

सुनक ने भारतीय टीम के प्रदर्शन को अविश्वसनीय बताया

राशिद लतीफ ने असली टेस्ट क्रिकेट बताया

ओवल (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी पांचवे टेस्ट मैच में भारतीय टीम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की है। भारतीय टीम ने जिस प्रकार रोमांचक मुकाबले में 6 रनों से जीत हासिल की है उससे दुनिया भर में भारतीय टीम छायी हुई है। यहां तक की पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटरों ने भी भारतीय टीम की तारीफ की है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने ओवल के खेल को असली टेस्ट क्रिकेट बताया है। इस मैच में अंतिम दिन मेजबान टीम को जीत के लिए 35 रन चाहिये थे और उसके हाथ में चार विकेट थे पर इंग्लैंड टीम असफल रही।

वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने इस मैच को लेकर कहा, 'इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टेस्ट मैचों का अलग ही आकर्षण होता है।

इस सीरीज में, खासकर अंतिम टेस्ट में, हमने असली टेस्ट क्रिकेट देखा जिसमें दबाव, वापसी और रणनीतिक दांव. सभी आजमाये गये। भारतीय गेंदबाजों सिराज और कृष्णा ने दबाव में जिस तरह से गेंदबाजी की वह अविश्वसनीय था।' सुनक ने अपने सोशल मीडिया में लिख, 'अविश्वसनीय !

इंग्लैंड के लिए निराशाजनक पर क्या शानदार सीरीज थी। ब्रूक और रूट खूब लड़े, भारत की शानदार वापसी, वोक्स का स्लिंग पहनकर बैटिंग करने उतराना लाजवाब रहा।' दूसरी ओर लतीफ ने भारतीय खिलाड़ियों में सिराज की सबसे अधिक तारीफ की. उन्होंने कहा, 'सिराज ने तब अपना धैर्य बनाए रखा जब इंग्लैंड जीत के करीब था।

आईआईटी,आईएसएम, धनबाद के शिक्षिकाओं ने

स्टेम शिक्षा को बढ़ावा देने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका निभाई

धनबाद, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भारतीय खनि विद्यापीठ, धनबाद की दो शिक्षिकाओं, प्रो. मधुलिका गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान एवं रासायनिक जीवविज्ञान विभाग और प्रो. निप्तिका जाना, सहायक प्रोफेसर, अनुप्रयुक्त भूभौतिकी विभाग ने स्टेम जिला स्तरीय संवाद 2025 में निर्णायक के रूप में भाग लेकर शिक्षा जगत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।यह कार्यक्रम धनबाद पब्लिक स्कूल में सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, धनबाद चैप्टर द्वारा आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित, स्टीम शिक्षा को बढ़ावा देना था। इसमें जिले के 20 प्रतिष्ठित स्कूलों के शिक्षकों ने भाग लिया और अपने नवाचारपूर्ण शिक्षण विचारों को साझा किया।

प्रो. गुप्ता और प्रो. जाना को उनके शैक्षणिक योगदान और स्टीम क्षेत्र में विशेषज्ञता के कारण निर्णायक मंडल में आमंत्रित किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को मूल्यवान सुझाव दिए और शिक्षकों के प्रस्तुतिकरण को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन ने पूरे कार्यक्रम को और प्रभावशाली बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और स्वागत भाषण से हुई। जिसमें डॉ० सरिता सिन्हा, अध्यक्ष, सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, एवं मदन कुमार सिंह, उपाध्यक्ष एवं प्राचार्य, द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन एकेडमी, ने सहभागिता की भावना पर जोर दिया।

कार्यक्रम का समापन श्रीमती शारदा महाजन, प्राचार्य, धनबाद पब्लिक स्कूल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आईआईटी, आईएसएम धनबाद अपने शिक्षकों की इस भागीदारी पर गर्व करता है, जो यह दर्शाती है कि संस्थान केवल उच्च शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि स्कूली शिक्षा और समाज में भी ज्ञान और नवाचार के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है।

सदर अस्पताल में महिला का हुआ सफलतापूर्वक हिस्टेरेक्टोमी ऑपरेशन

धनबाद। धनबाद सदर अस्पताल में आज एक 45 वर्षीय महिला, विंध्यवासिनी देवी, का हिस्टेरेक्टोमी (गांठ सहित गर्भाशय निकालना) ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति बिलकुल सामान्य है। बताया जाता हैं की महिला के गर्भाशय में एक गांठ बन गई थी। धीरे धीरे यह काफी बड़ी हो गई थी। इसके कारण माहवारी के समय महिला को अत्याधिक रक्तश्राव होता था। अत्याधिक रक्तश्राव होने के कारण महिला को रक्त की काफी कमी भी हो गयी थी।मोतीनगर, कार्मिक नगर में रहने वाली महिला ने सदर अस्पताल का रुख करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ सह सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ, संजीव कुमार से संपर्क किया। डॉ, संजीव कुमार ने महिला की जाँच कर ऑपरेशन कराने की सलाह दी। उन्होंने महिला से कहा कि सदर अस्पताल में उनका ऑपरेशन हो जायेगा। इसके बाद मरीज के खून की कमी को दूर करने के उपरांत विंध्यवासिनी देवी का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान डॉ, संजीव कुमार को निश्चेतक डॉ, स्वेता गुंजन तथा सहायक मधुसूदन मरांडी व रेखा महतो ने सहयोग किया।डॉ० संजीव कुमार ने बताया कि उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के प्रयास से सदर अस्पताल अब पहले से काफी अपग्रेड हो चुका है। यहां विभिन्न तरह के नए आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। जिसके कारण यहां आने वाले मरीजों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन औसतन 650 से अधिक मरीज इस अस्पताल में आते हैं। आगे संभावना व्यक्त की जा रही हैं की मरीजों की संख्या में और बढ़ोतरी होंगी।

मदनाडीह में दर्दनाक सड़क हादसे में हाइवा चालक फखरुद्दीन अंसारी की मौत

हत्या की साजिश की आशंका

लोयाबाद। लोयाबाद के मदनाडीह के पास मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में हाइवा चालक फखरुद्दीन उर्फ दानिश अंसारी की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वह बाइक से अपने एक साथी के साथ तेतुलमारी की ओर जा रहा था। विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रैक्टर से टक्कर हो गई, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोट लगने से वह खून से लथपथ हो गया।हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सिजुआ क्षेत्रीय सीआईएसएफ टीम और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दानिश को लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया।वहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एसएनएमएमसीएच धनबाद रेफर कर दिया गया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना करीब दोपहर तीन बजे की बताई जा रही है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। मृतक फखरुद्दीन अंसारी उर्फ दानिश कुमारधुबी का रहने वाला था और तेतुलमारी में अपने भाई के साथ रहकर एक निजी हाइवा मालिक का वाहन चलाता था।हत्या की साजिश की आशंका।घटना के बाद एसएनएमएमसीएच पहुंचे परिजनों ने इस सड़क दुर्घटना को संदिग्ध बताया है और हत्या की आशंका जताई है।परिजनों का कहना है कि दानिश कुछ समय पूर्व तेतुलमारी में दर्ज शमशाद हत्याकांड में आरोपी बनाया गया था और फिलहाल हाईकोर्ट से जमानत पर बाहर था।जमानत के बाद से ही उस पर दबाव और डर का माहौल बनता जा रहा था।परिजनों का आरोप है कि यह एक सामान्य सड़क हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश हो सकती है।फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह दुर्घटना थी या हत्या।

स्वतंत्रता दिवस उत्सव अभियान के पांचवें दिन धनबाद रेल मंडल ने विभिन्न स्टेशनों पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

धनबाद, स्वतंत्रता दिवस उत्सव अभियान के पांचवे दिन स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता थीम के अंतर्गत धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशन पर श्रमदान तथा विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया तथा स्वछता में सहयोग हेतु लोगो को भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रंगदारी नहीं देने पर फल दुकानदार व उसके भाई पर जानलेवा हमला, केस दर्ज

धनबाद(ईएमएस)।धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने का विरोध करने पर फल दुकानदार और उसके भाई पर चाकू व रॉड से जानलेवा हमला किया गया।दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सोमवार देर रात की है। पीड़ित मोहम्मद जसीम खान ने बैंक मोड़ थाना में इसकी लिखित शिकायत की है।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय दुकानदारों में आक्रोश फैल गया। दुकानदारों ने मंगलवार को सड़क पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया। आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की।प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुकानदारों को दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया।पीड़ित जसीम खान ने बताया कि सोमवार रात उनके पिता ने फोन कर सूचना दी कि दुकान पर कुछ लोग गाली-गलौज और हंगामा कर रहे हैं।जब वह मौके पर पहुंचा, तो वहां जुमन कुरैशी, मोंटी कुरैशी व मोहम्मद अकबर अंसारी ने 10 हजार रुपए मासिक रंगदारी की मांग की। इनकार करने पर आरोपियों ने उन पर चाकू और रॉड से हमला कर दिया।बीच-बचाव करने पहुंचे छोटे भाई मोहम्मद परवेज खान पर भी रॉड व चाकू से वार किया गया।उनके सिर में गंभीर चोटें आईं हैं।

फुटपाथ दुकानदारों ने रंगदारी का किया विरोध

धनबाद, धनबाद के वासेपुर यु तो बदनाम गलियों में सुमार है, लेकिन आलम यह है की यहां फुटपाथ दुकादार भी सुरक्षित नहीं है। वासेपुर के रंगदारो द्वारा सड़क किनारे दुकान लगा कर आजिविका पालन करने वालों को रंगदारी नहीं देने पर हर रोज फजिहत झेलनी पड़ती है ।रोज रोज की फजीहत से तंग आकर आज फुटपाथ दुकानदारों ने मोर्चा खोल कर रंगदारों के खालाफ विरोध किया। मामला इतना बढ़ गया की पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। तब जा कर मामला शांत हुआ । दुकानदारों की मानें तो वासेपुर के आरा मोड़ निवासी कलाम कुरैसी अपने बेटे जुमन कुरैसी के साथ पहुंच कर जबरन रंगदारी मांग रहा था, नहीं देने पर मारपीट भी की गई। नाराज दुकानदारों ने जम कर हंगामा किया और बैंक मोड़ पुलिस से इसकी लिखित शिकायत भी की।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन का द्विपक्षीय वार्ता आयोजित

चिरकुंडा, (धनबाद), कुमारधुबी कोलियरी में अभिकर्ता संग राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के साथ द्विपक्षीय वार्ता आयोजित की गई। वार्ता में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन ने 15 सुत्रीय मांग पत्र पर विस्तार से चर्चा हुई। जिसमें कुमारधुबी कोलियरी में उत्पादकता बढ़ाने, खदान के अंदर वेंटिलेशन में सुधार, प्रोमोशन, आवास मरम्मत, बिजली और पानी की सुधार कर आपुर्ति करना ,सहायक प्रबंधक का खदान में जाने की सुनिश्चित प्रत्येक दिन करना, महिलाओं के लिए अलग से रेस्ट रूम, पंखा, महिलाओं के लिए साफ सुथरी शौचालय, केंटीन और पुरूषों के लिए रेस्ट रूम सहित अन्य मुद्दों पर साकारात्मक वार्ता हुई। अभिकर्ता ने साकारात्मक वार्ता के साथ कहा कि सभी बिन्दुओं पर सुधार किया जायेगा, साथ ही प्रोमोशन पर भी जल्द ध्यान दिया जायेगा। मौके पर शशि भूषण तिवारी,जेपी यादव, दुर्गा दास, बिजेंद्र शर्मा, सत्येंद्र कुमार,अजय कुमार, राजीव यादव,अजीत पांडेय,विजय सिंह और हिमांशु पांडेय और अन्य थे। प्रबंधन की ओर से अभिकर्ता दिलीप राय, प्रबंधन एस के दास,और कार्मिक प्रबंधक,दानिश भी मौजूद थे।

धनबाद स्टेशन पर चलाया गया किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद, धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को धनबाद स्टेशन पर धनबाद स्लीपर की एल.आर. चेकिंग स्टाफ, धनबाद के चेकिंग दस्ता सं. 1 एवं महिला चेकिंग दस्ता द्वारा किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।

यह चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत चलाया गया। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशन के प्रत्येक प्रवेश व निकास द्वार तथा मार्गों पर टिकट चेकिंग स्टाफ की इस प्रकार तैनाती की गयी कि प्रत्येक आने-जाने वाले यात्री के टिकट की जांच की जा सके। इसके अलावा विभिन्न मेल, एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की भीड़ देखी गयी। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 187 यात्रियों को पकड़ा गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 95,705 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की बात कही। साथ ही यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है, उसी श्रेणी में यात्रा करने का आग्रह किया। उक्त जानकारी हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के ब्यूरो चीफ,आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

चोरों ने बीती रात कनकनी कोलियरी के गोदाम में की सेंधमारी

प्रबंधन की सतर्कता और सुरक्षा उपायों के कारण चोर अपने मंसूबों में विफल

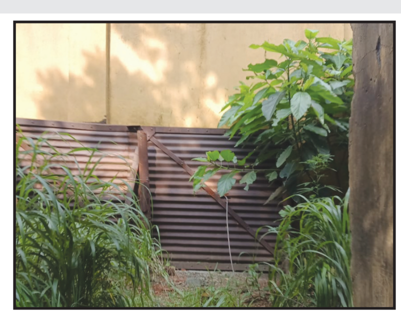

लोयाबाद।कनकनी कोलियरी स्थित गोदाम में सोमवार रात अज्ञात चोरों द्वारा सेंधमारी कर घटना को अंजाम देने का प्रयास किया गया,लेकिन प्रबंधन की सतर्कता और सुरक्षा उपायों के कारण चोर अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके।मंगलवार सुबह जब कर्मचारी गोदाम पहुंचे तो दीवार में सेंधमारी के निशान देख घटना की जानकारी मिली।बताया जाता है कि जिस स्थान पर सेंधमारी की गई,वहां भीतर की ओर आयरन प्लेट से दीवार को कवर किया गया था।इसी कारण चोरों को गोदाम के भीतर प्रवेश नहीं मिल सका और उनका प्रयास विफल हो गया।गौरतलब है कि कनकनी कोलियरी का यह गोदाम पूर्व में भी अपराधियों के निशाने पर रहा है।लोहा,तांबा, पीतल, सहित कीमती पार्ट-पुर्जों की चोरी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं।लगातार होती घटनाओं को देखते हुए प्रबंधन ने गोदाम में सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं और दीवारों को आयरन प्लेट से मजबूत किया है, जिससे चोरी की वारदातों पर अंकुश लग सके।प्रबंधन ने इस घटना को लेकर स्थानीय प्रशासन को सूचित किया है और निगरानी को और मजबूत करने की बात कही है।कनकनी कोलियरी के प्रभारी प्रबंधक अजीत कुमार ने बताया कि सेंधमारी की सूचना है।लेकिन गोदाम मे घुसने मे विफल रहा।सेंधमारी स्थल पर ईट लगा दिया गया है।

आगामी तिरंगा यात्रा निकालने को लेकर भाजपाइयों ने की बैठक

धनबाद, भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर एवं ग्रामीण जिला की संयुक्त कार्यशाला जिले के सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा वृहद तरीके से निकालने एवं अन्य आगामी कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता , महानगर अध्यक्ष श्रवण राय एवं घनश्याम ग्रोवर ने संयुक्त रूप से किया। संचालन महामन्त्री मानस प्रसून ने किया ।बैठक की शुरुआत में पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर उनकी आत्मा शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में भारत की आजादी के 79 वें वर्ष को मनाने के लिए और हमारे महान राष्ट्र की आजादी के लिए किए गए बलिदानों को याद रखने के लिए भाजपा ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत धनबाद जिले के सभी मंडलों में भव्य तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया है। ज्ञात हो की हर घर तिरंगा अभियान आजादी के अमृत महोत्सव का हिस्सा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वाधान में यह अभियान शुरू किया गया था ।सभी मंडलों मे हर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा यात्रा, आगामी 10 अगस्त को सभी मंडलों में मौजूद महापुरुषों की प्रतिमा एवं प्रतिमा स्थल की साफ सफाई करने आगामी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इन सभी कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर भाजपा महानगर एवं ग्रामीण जिला के सभी मंडलों में आगामी दिनांक 6 ,7 ,8 अगस्त को मंडल स्तरीय कार्यशाला एवं बैठक तय की गई ।सभी मंडलों के लिए दो-दो प्रभारी नियुक्त किए जाने पर विचार विमर्श किया गया ।उक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व मंत्री अमर बाउरी ने कहा कि तिरंगा ही हम सबों की पहचान है। देश की आजादी के लिए कई सपूतों ने अपना बलिदान दिया तभी देश को आजादी मिली जिस तरह हमारे पूर्वज गुलामी में थे, उसे गुलामी की जंजीरों और बेड़ियों को , अमर शहीदों ने काफी मशक्कत एवं कष्ट के बाद तोड़ने का काम किया। हमारे आने वाली पीढ़ी उन कुर्बानियों की कीमत को समझे। इसलिए "हर घर तिरंगा "के तहत तिरंगा यात्रा न केवल भारतीय जनमानस की एकता का प्रतीक है, बल्कि देशभक्ति की भावना का जन जागरण भी है। तिरंगा यात्रा देश के प्रति हर नागरिक के मन में गहरी जिम्मेवारी और प्रेम की भावना को जागृत करता है ।भाजपा ग्रामीण जिला के प्रभारी झारखंड प्रदेश के नेता शैलेंद्र सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि, तिरंगा यात्रा जैसे कार्यक्रम भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने में सहायक होगी तिरंगा यात्रा न केवल एक जन समूह की एकता का प्रतीक है, बल्कि इसने लोकतंत्र के मूल्य स्वतंत्रता समरसता और एकता को भी मजबूती से स्थापित किया है ।भाजपा जिला महानगर अध्यक्ष सरवन राय ने कहा कि देश की आजादी के लिए जिन्होंने अपना , सर्वस्व देश पर न्योछावर किया उनके बलिदान को याद करना और युवा पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम के लिए प्रेरित करना तिरंगा यात्रा के महत्वपूर्ण उद्देश्य है। भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर एवं ग्रामीण जिला के सभी मंडलों में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकालने का आहवान किया। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, विकास महतो ,धनेश्वर महतो ,मनोज मिश्रा ,निताई रजवार, विष्णु त्रिपाठी ,रामप्रसाद महतो, फुल जोशी ,राम प्रसाद महतो ,धुर्व हरि , धरणीधर मंडल, योगेंद्र यादव ,प्रियंका देवी ,शेखर सिंह, राजेश चौधरी, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा, सहित सभी जिला के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष साथ ही बड़ी संख्या मे पार्टी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

देवसेना कैंप में कुम्भनाथ सिंह और दिलीप सिंह कांवड़ियों की श्रद्धा से कर रहे हैं सेवा

सुल्तानगंज, धनबाद, समाजसेवी कुम्भनाथ सिंह, युवा संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप सिंह गोरियारी नदी के पास देवसेना कांवडीया सेवा कैंप में सावन आरंभ होने के पूर्व से ही निरंतर अपनी सेवा दे रहे हैं। हर वक्त, हर हर महादेव के जोरदार उद्घोष से पूरा देवसेना कैंप गूंज रहा है। मंगलवार को भोलेनाथ का जलाभिषेक करने सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर रवाना हुए सैकड़ों काँवरियों की सुल्तानगंज से देवघर जाने के रास्ते काँवरियों के लिए अपने हाथों से स्नेहपूर्वक पूड़ी, सब्जी, खीर युक्त स्वादिष्ट भोजन करा रहे हैं। साथ ही कांवडीयों के राहत के लिए मालिश स्वयं कर रहे हैं। कैंप में शरबत, पानी, दवाइयां आदि की व्यवस्था की गई है। इस शिविर में समाजसेवी कुंभनाथ सिंह,युवा संगठन मोर्चा के अध्यक्ष दिलीप सिंह, समाजसेवी पप्पू सिंह के साथ समाजसेवी पप्पू सिंह, समेत दर्जनों सेवादार अपनी ओर से सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दिलीप सिंह ने इस अवसर पर कहा कांवड़ियों की सेवा करने से मन और हृदय को परम आनंद की अनुभूति प्राप्त हो रही है। कुम्भनाथ सिंह ने कहा कि काँवरियों कि सुविधा के लिए देवसेना की ओर कांवडियों के लिए कैंप में खाने-पीने ठहरने की अच्छी व्यवस्था की गई है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।